3 राजधानी
स्यूडोडेमेशिया और मेमोरी लॉस की चपेट में आ रहे युवा

6 अभिमत
एक सफल नेता की विशेषताएं

10 विदेश
गुतारेस ने सुरक्षा परिषद में सुधार पर जोर दिया

11 राष्ट्रीय
कुर्मी आंदोलन के कारण 11 ट्रेन रद्द

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 312
नई दिल्ली, बुधवार, 20 सितंबर, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

विश्वकप के विशिष्ट अतिथि होंगे रजनीकांत

स्पोर्ट्स-12

जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानियों का किया समर्थन

कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत का तोड़ा भरोसा, अलगाववादी नेता की हत्या के तार भारत से जुड़े होने का आरोप लगा भारतीय राजनयिक को किया निष्कासित

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

- **भारत ने जवाबी कार्रवाई में कनाडाई राजनयिक को देश छोड़ने को कहा**
- **नई दिल्ली के सख्त तेवर देखने के बाद ट्रूडो ने दी सफाई कहा, उनकी मंशा भारत को उकसाने या तनाव को बढ़ाने की नहीं**

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो कनाडा की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमंस में

खालिस्तान समर्थक एक अलगाववादी नेता की जून में हुई हत्या के तार भारत से जुड़े होने का आरोप लगाकर एक भारतीय राजनयिक को कनाडा द्वारा निष्कासित किए जाने के कुछ ही घंटे बाद, भारत ने जैसे को तैसा की कार्रवाई करते हुए एक कनाडाई राजनयिक को मंगलवार को निष्कासित करने की घोषणा की। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में कहा था कि जून में खलिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर निज्जर की हत्या और भारत सरकार के एजेंट के बीच संभावित संबंध के पुख्ता आरोपों की कनाडा की सुरक्षा एजेंसियां पूरी सक्रियता से जांच कर रही हैं।

इस पर आपत्ति जताते हुए भारत ने मंगलवार को एक कनाडाई राजनयिक को पांच दिनों के भीतर देश छोड़ने को कहा और ट्रूडो के बयान को सिरे से खारिज कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि देश के हितों और चिंताओं को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई समझौता नहीं होना नहीं चाहिए। हालांकि ट्रूडो ने मंगलवार को कहा कि उनकी मंशा भारत को उकसाने या तनाव को बढ़ाने की नहीं है। उन्होंने नई दिल्ली से सिख अलगाववादी नेता की हत्या को अत्यंत गंभीरता से लेने का आग्रह किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हमेशा मानना? रहा है कि आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की लड़ाई समझौताहीन होनी चाहिए, खासकर जब आतंकवाद भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता के लिए खतरा हो।' उन्होंने कहा कि हमारे देश के हितों और चिंताओं को हर समय सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। कड़े शब्दों में एक बयान में, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार देर रात हाउस ऑफ कॉमन्स में खालिस्तानी अलगाववादी नेता की हत्या के 'संभावित' भारतीय संबंधों के कनाडाई प्रधानमंत्री के आरोपों को 'बेतुका' और 'प्रेरित' बताया।

भारत में कनाडाई उच्चायुक्त कैमरन मैके को बुलाया गया और वरिष्ठ अधिकारी को निष्कासित करने के फैसले के बारे में सूचित किया गया, विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह कदम 'हमारे आंतरिक मामलों में कनाडाई राजनयिकों के हस्तक्षेप और भारत विरोधी गतिविधियों में उनकी भागीदारी' पर नई दिल्ली की बढ़ती चिंता को दर्शाता है। ट्रूडो और कनाडाई विदेश मंत्री की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के 'निराधार' आरोप 'खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें कनाडा में आश्रय प्रदान किया गया है और जो भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा बने हुए हैं। हालांकि विदेश मंत्रालय ने उस कनाडाई राजनयिक का नाम नहीं बताया, जिसे पांच दिनों के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है, लेकिन मामले से वाकिफ लोगों ने कहा कि यह नई दिल्ली में कनाडाई खुफिया एजेंसी के स्टेशन प्रमुख ओलिवियर सिल्वेस्टर हैं।

कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करने की भारतीय कार्रवाई कनाडा के विदेश मंत्री मेलानी जोली की घोषणा के कुछ घंटों बाद हुई जिसमें कहा गया था कि कनाडाई खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के कथित संबंधों के मद्देनजर एक 'शीर्ष भारतीय राजनयिक' को कनाडा से निष्कासित कर दिया गया है। जून में सरे में दो बंदूकधारियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। कनाडाई ब्रॉडकास्टर सीबीसी न्यूज के अनुसार, जोली के कार्यालय ने कहा कि राजनयिक रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के प्रमुख पवन कुमार राय हैं। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स में कहा कि पिछले कई हफ्तों से, कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां? भारत सरकार के एजेंटों और एक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बीच संभावित संबंध के विश्वसनीय आरोपों को सक्रिय रूप से जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने यह भी कहा कि कनाडाई धरती पर किसी कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी विदेशी सरकार की संलिप्तता हमारी संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन है। अपने भाषण में, ट्रूडो ने सांसदों से कहा कि कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी विदेशी सरकार की भागीदारी 'हमारी संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह उन मूलभूत नियमों के विपरीत है जिनके द्वारा स्वतंत्र, खुले और लोकतांत्रिक समाज अपना आचरण करते हैं।' ट्रूडो ने कहा कि जैसा कि आप उम्मीद करेंगे, हम इस गंभीर मामले पर अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने इस महीने की शुरुआत में नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ यह मुद्दा उठाया था। ट्रूडो ने भारत सरकार से 'इस मामले की तह तक जाने के लिए कनाडा के साथ सहयोग करने' का आग्रह किया था। संसद में ट्रूडो की टिप्पणी के बाद, कनाडाई विदेश मंत्री जोली ने पुष्टि की कि उन्होंने 'एक वरिष्ठ भारतीय राजनयिक' को निष्कासित करने का आदेश दिया है।

देश में खालिस्तानी समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों पर नई दिल्ली की चिंताओं के मद्देनजर भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव आ गया है। पिछले सप्ताह, बिगड़ते संबंधों को देखते हुए द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत स्पष्ट रूप से रोक दी गई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत में कनाडा के उच्चायुक्त को आज बुलाया गया और भारत में स्थित एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करने के भारत सरकार के फैसले के बारे में सूचित किया गया। संबंधित राजनयिक को अगले पांच दिनों के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने उनकी संसद में कनाडाई प्रधानमंत्री के बयान को देखा है और उनके विदेश मंत्री के बयान को भी खारिज कर दिया है। कनाडा में हिंसा के किसी भी कृत्य में भारत सरकार की भागीदारी के आरोप बेतुके और प्रेरित हैं। विदेश मंत्रालय ने कनाडाई राजनयिक के निष्कासन की घोषणा से पहले (शेष पेज 9)

महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पेश

- **महिलाओं को 33% आरक्षण देने वाले बिल पर आज होगी चर्चा, कानून बन जाने के बाद 543 सदस्यों वाली लोस में महिला सदस्यों की संख्या मौजूदा 82 से बढ़कर 181 हो जाएगी**
- **नए संसद भवन में चर्चा और पारित होने के लिए लाया जाने वाला पहला विधेयक बना**

नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय पर लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश होने पर खुशी मनाती महिला कार्यकर्ता। फोटो: रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अत्यधिक देरी के बाद, कई राजनीतिक दलों की बहुप्रतीक्षित और लंबे समय से लंबित मांग के बाद, केंद्र ने मंगलवार को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए एक विधेयक पेश किया। विधेयक को 'नारीशक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में पेश किया गया था और यह नए संसद भवन में चर्चा और पारित होने के लिए लाया जाने वाला पहला विधेयक बन गया।

अधिकारियों ने कहा कि भले ही विधेयक चल रहे विशेष सत्र के दौरान पारित हो जाता है, फिर भी इसके कार्यान्वयन में कुछ समय लग सकता है और 2024 में अगले लोकसभा चुनावों के लिए इसके लागू होने की संभावना नहीं है क्योंकि परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आरक्षण लागू होगा। विधेयक को वास्तविकता बनने से पहले कई बाधाओं को पार करना होगा, जिसमें राजनीतिक सीमाओं से परे समर्थन और शीघ्र जनगणना और परिसीमन अभ्यास शामिल है। लोकसभा के आंकड़ों से पता चलता है कि निचले सदन में महिला सांसदों की संख्या लगभग 15 प्रतिशत है, जबकि कई राज्य विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से कम है।

वर्तमान लोकसभा में, 82 महिला सदस्य चुनी गईं, जो कुल 543 सदस्यों में से 15 प्रतिशत से भी कम हैं। सरकार द्वारा संसद के साथ साझा किए गए (शेष पेज 9)

पंजाब के मोगा में कांग्रेस नेता की हत्या

- **कनाडा स्थित गैंगस्टर ने ली जिम्मेदारी**

एजेंसी। नई दिल्ली

पंजाब के मोगा जिले में कॉन्ग्रेस नेता बलजिंदर सिंह बल्ली की गोली मार कर हत्या कर दी गई है। मृतक 45 वर्षीय कॉन्ग्रेस नेता अजीतवाल ब्लॉक से पार्टी प्रमुख थे। बाइक सवार 2 अज्ञात हमलावरों ने उनके घर में घुस कर गोली मारी है। पुलिस ने केस दर्ज कर के जाँच शुरू कर दी है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

घटना सोमवार (18 सितंबर 2023) की है। कनाडा स्थित एक खालिस्तानी संगठन द्वारा इस हत्या की जिम्मेदारी लेने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना मोगा जिले के बलजिंदर सिंह बल्ली के दल्ला गांव की है। सोमवार को कॉन्ग्रेस नेता बल्ली अपने घर पर मौजूद थे। तभी बाइक सवार कुछ हमलावर वहाँ आए। हमलावरों में से एक कॉन्ग्रेस नेता के घर में घुसा और गोलियाँ बरसानी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में बलजिंदर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से आसपास अफरातफरी मच गई। हमलावर मौके से फरार हो गए। इस हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में बलजिंदर सिंह अपने घर में चहलकदमी करते दिख रहे हैं। इसी बीच गेट से एक व्यक्ति आता है और उन पर गोली बरसाने लगता है। आसपास के लोगों से जुटने से पहले हमलावर फरार हो जाता है। गंभीर रूप से घायल कॉन्ग्रेस नेता को अस्पताल ले जाया जाता है। फिर भी डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद बलजिंदर सिंह को बचाया नहीं जा सका। एक कॉन्ग्रेस नेता के मुताबिक हमलावरों ने एक गोली छाती और दूसरी पेट में मारी है। राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, 'ये हालात हो गए हैं लॉ एन्ड आर्डर के कि घर के बाहर तो छोड़ो, अब (शेष पेज 9)

स्थापत्य का बेजोड़ नमूना है नया संसद भवन

- **छह प्रवेश और निकास बिंदु द्वार से लैस, शिल्प गैलरी विभिन्न राज्यों की हस्तशिल्प परंपराओं को प्रदर्शित करती है**

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पुराने संसद भवन से नए संसद भवन की ओर जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य संसद सदस्य।

संपूर्ण संसदीय प्रणाली को वृत्ताकार लुटियंस भवन से सेंट्रल विस्टा पर त्रिकोणीय भवन में स्थानांतरित करने का बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक कदम मंगलवार को पूरा हो गया। नए संसद भवन में छह प्रवेश-निकास बिंदु या 'द्वार' हैं- गज द्वार, गरुड़ द्वार, अश्व द्वार, शार्दुला, हम्सा और मकर, सभी प्राचीन मूर्तियों से प्रेरित हैं।

हर दरवाजे पर एक समग्र पशु रक्षक है। इसका आंतरिक भाग तीन राष्ट्रीय प्रतीकों पर आधारित है, कमल, मोर और बरगद का पेड़। यह इमारत बरगद के पेड़ के साथ एक केंद्रीय प्रांगण में खुलती है। लोकसभा कक्ष का आंतरिक भाग हमारे राष्ट्रीय पक्षी मोर की थीम पर आधारित है, जबकि राज्यसभा कक्ष का रंग राष्ट्रीय फूल कमल से लिया गया है। गज द्वार में दो पत्थर की हाथी की मूर्तियां हैं जो कर्नाटक के बनवासी में मधुकेश्वर मंदिर की 9वीं शताब्दी ईस्वी की मूर्तियों से प्रेरित हैं, जबकि अश्व द्वार में दो घोड़े की मूर्तियाँ ओडिशा के 13वीं शताब्दी के सूर्य मंदिर की मूर्तियों से प्रेरित हैं। तीन अन्य द्वारों- शार्दुला, हम्सा और मकर की मूर्तियाँ ग्वालियर के गुजरी महल, हम्पी के विजय विट्ठल मंदिर और कर्नाटक के होयसलेश्वर मंदिर की मूर्तियों से प्रेरित हैं। शेष गरुड़ द्वार में प्रहरी के रूप में विष्णु के पर्वत (वाहन) की मूर्तियाँ हैं और ये तमिलनाडु की 18वीं सदी की नायक काल की मूर्तिकला से प्रेरित हैं।

राज्यसभा में इस्तेमाल किया गया रंग कोकम लाल रंग से प्रेरित है, जबकि लोकसभा का स्वरूप भारतीय मोर के पंखों से प्रेरणा लेकर भारतीय एगेव हरे रंग पर आधारित है। देश में लोकतंत्र की यात्रा को नए संसद भवन के संविधान कक्ष में प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला के माध्यम से दर्शाया गया है, जो स्वयं श्री यंत्र से प्रेरित है, जिसका उपयोग कई हिंदुओं द्वारा पूजा के (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

छत्तीसगढ़ में निजी बैंक से 5.62 करोड़ की लूट

रायगढ़। जिले मे एक निजी बैंक के प्रबंधक पर हमला कर डकैतो ने 5.62 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की नकदी और सोने के जेवर लूट लिए। पुलिस अधिकारियो ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियो ने बताया, बैक अधिकारियो के मुताबिक बैक मे करीब सात करोड़ रुपए नकद और डेढ़ करोड़ रुपए मूल्य का सोना रखा था जिसमे से डकैतो ने नकद और सोने के जेवर मिलाकर पांच करोड़ 62 लाख 55 हजार रुपए की लूट की है। रायगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने बताया कि आज सुबह करीब नौ बजे शहर के जगतपुर इलाके के ढिमरापुर चौक के करीब एक्सिस बैक की एक शाखा मे लगभग सात नकाबपोश बदमाश घुस गए। बैक मे घुसते ही डकैतो ने बैक प्रबंधक के पैर मे चाकू मारकर उन्हे घायल कर दिया और थैलो मे नकदी और सोना भरकर फरार हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि डकैती के वक्त बैक के स्ट्रांग रूम मे करीब सात करोड़ रुपए नकद और लगभग डेढ़ करोड़ रुपए मूल्य का सोना था। फॉरेंसिक दल और बैक के ऑपरेशन मैनेजर की निगरानी मे डकैती की रकम की गणना की गई।

अनंतनाग में मुठभेड़ समाप्त लश्कर कमांडर समेत दो ढेर

- **सात दिन से जारी थी मुठभेड़, दूसरे आतंकी का शव अभी नहीं निकाला जा सका है**

पीएनएस/एजेंसी। जम्मू/श्रीनगर

अनंतनाग में मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों के जवान

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों के साथ पिछले सात दिनों से जारी मुठभेड़ मंगलवार को खत्म हो गई।

कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि मारे गए दो आतंकवादियों में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर उजैर खान भी शामिल है। कुमार ने कहा कि गोलीबारी में सेना के दो अधिकारियों और एक पुलिस अधिकारी सहित चार सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। एडीजीपी ने अनंतनाग में संवाददाताओं को बताया, अभी तक लश्कर कमांडर उजैर खान का शव बरामद किया जा चुका है। दूसरे आतंकी का शव दिख रहा है, लेकिन अभी तक उसे निकालना संभव नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह बुधवार को दक्षिण कश्मीर जिले के गडोले वन क्षेत्र में शुरू हुई गोलीबारी खत्म हो गई है, लेकिन तलाशी अभियान जारी रहेगा।

उन्होंने कहा, एक बहुत बड़ा क्षेत्र है जहां तलाशी ली जानी बाकी है। बहुत सारे गोले हो सकते हैं जिनमें विस्फोट न हुआ हो, उन्हें बरामद कर नष्ट किया जाएगा। हम लोगों से अपील करते (शेष पेज 9)

इंडिगो बार्ब के प्रजनन की नई तकनीक से बढ़ी उम्मीदें

- **लुप्त होने के कगार पहुंच चुकी इस सजावटी मछली को बचाने और मछली पालकों को आजीविका बढ़ाने में मदद करेगी वैज्ञानिकों की नई खोज**

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

दो साल के शोध से कोच्चि में केरल यूनिवर्सिटी ऑफ फिशरीज साइंस (केयूएफओएस) के वैज्ञानिकों को भरपूर लाभ मिला है, क्योंकि उन्होंने लुप्त होने के कगार पहुंच चुकी इंडिगो बार्ब मछली (एक सजावटी मछली) के कैप्टिव प्रजनन में एक तकनीक को सफलतापूर्वक विकसित किया है। इस तकनीक से देश भर के मछुआरों को अप्रत्याशित लाभ मिलने की उम्मीद है जो कम निवेश और श्रम के साथ इस सजावटी मछली की किस्म का प्रजनन कर सकते हैं।

इंडिगो बार्ब, जो ऑलिव ग्रे बॉडी पर अपनी विशिष्ट शैली के ऊर्ध्वाधर बैंड के लिए जाना जाता है, दुनिया भर में सजावटी मछली प्रेमियों के बीच बहुत लोकप्रिय है। केयूएफओएस की टीम का नेतृत्व करने वाले सहायक प्रोफेसर डॉ. अनवर अली ने कहा, मछली के एक बीज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में तीन अमेरिकी डॉलर कीमत है और यह निश्चित है कि यह भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर मछुआरों की आय में बढोतरी करेगा। इंडिगो बार्ब, जो गोवा और कर्नाटक तटों पर पाई जाने वाली सजावटी मछली की एक दुर्लभ प्रजाति है। अत्यधिक मछली पकड़ने, प्रदूषण और शहरीकरण के कारण विलुप्त होने के करीब का सामना कर रही थी। डॉ अनवर अली ने कहा कि यह गोवा में सीसीएआरआईऔर केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान का एक सहयोगात्मक कार्य था। सीसीएआरआई ने हमें गोवा के बैकवाटर में मीठे पानी की धाराओं से एकत्र की गई ब्रूड स्टॉक मछलियाँ (मूल मछलियाँ) प्रदान कीं। हमने केयूएफओएस की हैचरी में हुए प्रयोगों से इंडिगो बार्ब की कृत्रिम प्रजनन तकनीक विकसित की।

इस प्रजाति को इनडोर और आउटडोर सिस्टम में हार्मोन देने साथ और उसके बिना कैद में पैदा किया गया था। इस सरल, किसान-अनुकूल तकनीक का उपयोग करके, हम एक मातृ मछली से 75-100 से अधिक युवा मछलियाँ पैदा करने में सक्षम थे।' उन्होंने कहा कि मछली पालकों को व्यावसायिक तरीके से कृत्रिम तालाबों में इंडिगो बार्ब के सैंपल तैयार करने और उन्हें बाजार में लाने के लिए 80 दिनों की लंबी प्रक्रिया का इस्तेमाल करना पड़ता है। डॉ. अली ने कहा, इस किस्म के बीज उत्पादन के लिए अभ्यास का यह पैकेज गोवा में स्थानीय समुदायों और अंततः देश के अन्य क्षेत्रों में वैकल्पिक आजीविका के अवसर प्रदान करेगा।

व्यापारी को मंडी में निर्वस्त्र घुमाया

नोएडा में शर्मसार करने वाला वीडियो वायरल, 3000 हजार रुपये के लिए की दबंगई

● मजिस्ट्रेट ने मामले में कार्रवाई करते हुए किया दुकान का लाइसेंस निरस्त

नोएडा। नोएडा के फल मंडी में 3000 रुपए की उधारी व्यापारी को इतनी महंगी पढ़ जायेगी, उसने कभी सोचा नहीं था। दरअसल नोएडा के थाना फेस 2 क्षेत्र के फल मंडी में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रही है । वीडियो में एक शख्स पूरा नंगा करके बाजार में घुमाया जा रहा है और दूसरी तरफउसकी वीडियो भी बनाई जा रही थी। इस व्यक्ति पर लहसुन के 3000 हजार रुपए बकाया था। बकाया न चुकाने पर मंडी पर ही कुछ लोगों द्वारा इसके साथ मारपीट की गई और उसको नंगा कर पूरे बाजार में घुमाया। इस मामले में एक्शन लेते हुए सिटी मजिस्ट्रेट ने आढ़ती का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। फेस-2 में एफ आईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस को दी शिकायत में अमित ने बताया कि कि वह फेस-2 मंडी में ठेले पर लहसुन बेचता है। उसने एक महीने पहले सुंदर से 5600 काम के लिए उधार दिए थे। मंगलवार को अमित सुंदर से मिला और 2500 वापस दे दिए वहीं बाकी पैसों को बाद में देने का निवेदन किया। इसी को लेकर सुंदर बहुत ज्यादा क्रोधित हो गए और उन्होंने मुनीम और दो मजदूर को बुला लिया और चारों ने उसे दुकान में बंद कर लिया और उसे नंगा करके डंडों से मारा पीटा और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी है। फेस .2 थाना प्रभारी विंध्याचल तिवारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी सुंदर आढ़ती, मुनीम और दो लेबर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं वायरल वीडियो को भी खंगाला जा रहा है। फिलहाल आरोपी फरार है जल्दी ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। सिटी मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि फेज.2 की फूल मंडी में सरस्वती ट्रेडिंग कंपनी है। कंपनी सुंदर की है। वो काफी लंबे समय से फेज.2 में अपनी दुकान चला रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। इस घटना के बाद से फुटकर व्यापारियों में रोष भी है। पीड़ित के बयान के आधार पर फेज.2 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी सुंदर की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

प्रतीकात्मक फोटो

24वीं मंजिल से गिरकर छात्र की हुई मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में 12वीं के नाबालिग छात्र की एक हाउसिंग सोसाइटी की 24वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। वह गाजियाबाद के जयपुरिया स्कूल में पढ़ता था। सोसाइटी के सुपरवाइजर ने पुलिस को छात्र के गिरने की सूचना दी।

आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। घटना बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सौंदर्यम सोसाइटी में आज सुबह करीब साढ़े 6 बजे हुई। बताया जा रहा है कि रात को अक्सर रात को चोरी छिपे अपने दोस्तों से मिलने जाया करता था, जिसके लिए बालकनी का प्रयोग करता था, इसलिए अंदेशा है कि रात को लौटते समय उसका पैर फिसलने से हादसा हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, बिसरख थाना में मंगलवार सुबह करीब गौर सौंदर्यम हाउसिंग सोसायटी के सुपरवाइजर ने सूचना दी कि सोसाइटी में एक किशोर 24वीं मंजिल से गिर गया है।

मेट्रो के आगे कूदी युवती, हाथ कटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में एक युवती ने मेट्रो ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का करने का प्रयास किया। घटना सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन पर सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है। इसमें युवती का एक हाथ कट गया। उसे सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से उसे दिल्ली के एक हायर सेंटर में रेफर किया गया है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। कोतवाली सेक्टर.39 पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया सुबह करीब साढ़े नौ बजे जानकारी मिली एक युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर मेट्रो के आगे कूद गई है। युवती की पहचान अनीता 19 हुई है। बरौला के रहने वाली है। जिस समय वह कूदी उसके पास एक बैग था। इसमें कुछ सामान मिला है। हालांकि उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवती के पिता परमानंद प्राइवेट जॉब करते है। परिजनों को जानकारी दे दी गई थी। युवती सिटी सेंटर से दिल्ली जाने वाली लाइन पर कूदी। जानकारी मिलते ही सीआईएसएफके जवानों ने युवती को ट्रैक से हटाया। लोकल पुलिस को सूचना दी और युवती को जिला अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान ट्रेन से टकराने की वजह से युवती का एक हाथ कट गया। इस दौरान मेट्रो स्टेशन पर हड़कंप मच गया। करीब 10 से 15 मिनट तक मेट्रो सेवा बाधित रही। एसीपी ने बताया कि युवती ने सुसाइड करने का प्रयास किया या फिर किसी ने उसे धकेला। सीसीटीवी फुटेज जांच के बाद ये स्पष्ट होगा। ये भी देखा जा रहा है कि वो किसी के साथ स्टेशन आई थी या फिर अकेले। इसकी जांच की जा रही है। उसके मोबाइल फोन की सीडीआर भी देखी जाएगी। प्राथमिक पूछताछ में अभी कोई स्पष्ट कारण निकलकर नहीं आ रहा है।

नोएडा में मेट्रो के सामने कूदने के बाद युवती को इलाज के लिए जाते हुए।

गाजियाबाद-नोएडा में 24 घंटे में डेंगू के 31 केस मिले

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● प्राइवेट अस्पतालों में वार्ड फुल, बुखार पीड़ितों का डेंगू टेस्ट अनिवार्य

गाजियाबाद और नोएडा में डेंगू केस बढ़ते जा रहे हैं। दोनों जिलों में बीते 24 घंटे में डेंगू के 31 केस सामने आए हैं। वहीं कुल मामलों की संख्या एक हजार के आसपास पहुंच गई है। कई प्राइवेट अस्पतालों में डेंगू वार्ड फुल हैं। ओपीडी में जो बुखार के मरीज पहुंच रहे हैं, उनका डेंगू टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग गाजियाबाद के अनुसार, 24 घंटे में डेंगू के 12 नए केस मिले। इस प्रकार कुल मामले बढ़कर 499 पहुंच गए हैं। वहीं दो दिन पहले चिकनगुनिया का पहला केस सामने आया था। 19 मरीज मलेरिया के भी पीड़ित हैं। संयुक्त जिला अस्पताल संजयनगर की ओपीडी में मरीजों की लंबी लाइन लग रही है। इसमें ज्यादातर मरीज बुखार पीड़ित हैं। डॉक्टरों ने बताया कि बुखार पीड़ित मरीजों की डेंगू जांच अनिवार्य रूप से कराई जा रही है।

एलिवेटेड पर 8 किलोमीटर उलटी दिशा में दौड़ा कैंटर

गाजियाबाद। देश के पहले सिंगल पिलर एलिवेटेड रोड पर गाजियाबाद में एक कैंटर करीब आठ किलोमीटर तक रॉन्ग साइड दौड़ता रहा। शुक्र रहा कि कोई उस कैंटर की चपेट में नहीं आया।

एक कार चालक ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। जिसके बाद गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस हरकत में आई और कैंटर का 7 हजार रुपए का ऑनलाइन चालान काट दिया। ये कैंटर इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित कनावनी से एलिवेटेड रोड पर रॉन्ग साइड चढ़ा और तेज रफ्तार दौड़ता रहा। टी.पॉइंट आया, तब ये कैंटर अपनी लेन में आ सका।

पराली जलाने को लेकर प्रशासन सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● गाजियाबाद में उड़न दस्ते को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में धान और गन्ने की कटाई अगले महीने शुरू होने वाली है। ऐसे में पराली जलाने के मामले फिर से बढ़ने की संभावना है। बीते सालों में पराली जलाने के कारण प्रदूषण बढ़ने की जानकारी सामने आती रही है। पराली जलाने की घटनाएं रोकने के लिए दिल्ली से सटे जिला गाजियाबाद में प्रशासन ने तैयारियां कर ली हैं।

गाजियाबाद में तहसीलवार फ्लाइंग स्क्वायड टीमें बना दी गई हैं। इसमें पुलिस सहित पांच विभाग के अधिकारियों को लगाया गया है। ये अपने.अपने इलाके में घूमा करेंगे और पराली जलाने वालों पर नजर रखेंगे। जिले में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। गाजियाबाद में रजापुर, लोनी, मुरादनगर और भोजपुर ब्लॉक क्षेत्र में ये फ्लाइंग स्क्वायड बनाए हैं। इनका प्रभारी एसडीएम को बनाया गया है। जबकि टीम में ब्लॉक के खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, कृषि विभाग के एक अधिकारी, गन्ना अधिकारी और सहायक पुलिस आयुक्त को शामिल किया गया है। राकेश कुमार सिंह ने निर्देश दिया है कि ये फ्लाइंग स्क्वायड टीम फसल अवशेष जलने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे। इसके बाद संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करे। क्ड ने कहा कि गाजियाबाद में गन्ने की पत्तियां जलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं। इसलिए गन्ना विभाग और चीनी मिलें कृषक गोष्ठियां आयोजित करके किसानों को जागरुक करें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को इसके लाभा के बारे में बताने को कहा। पिछले साल 15 सितंबर से चार नवंबर के बीच गाजियाबाद में तीन, नोएडा में 10, हापुड़ में दो और बुलंदशहर में आठ स्थानों पर पराली जलाने के मामले सामने आए थे। इसमें कृषि विभाग ने संबंधित किसानों पर जुर्माना लगाया था और कार्रवाई की थी।

संक्षिप्त समाचार

शारदा शताब्दी सम्मान समारोह में आएंगे पूर्व राष्ट्रपति

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी में होने वाले शारदा शताब्दी सम्मान समारोह को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में शारदा सर्वज्ञ पीठ कश्मीर के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अमृतानंद देव तीर्थ ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम 22 और 23 सितंबर को शारदा यूनिवर्सिटी में किया जाएगा। पहले दिन 22 सितंबर को उद्घाटन समारोह में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, सांसद डॉ महेश शर्मा, बह्म सागर समिति के अध्यक्ष कैप्टन एसके द्विवेदी, शारदा यूनिवर्सिटी के चांसलर पीके गुप्ता और प्रो चांसलर वाईके गुप्ता मौजूद रहेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। शारदा यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।

नोएडा में छात्रा से रेप का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने नाबालिग छात्रा के साथ रेप करने वाले आरोपी को नोएडा-दिल्ली के अशोक नगर बार्डर से गिरफ्तार किया है। पाक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी को जल भेजा है। पुलिस ने बताया कि युवती ईस्ट दिल्ली में रहती है। वही के एक स्कूल में पढ़ती है। इस दौरान आरोपी युवक तरुण उर्फशाहरुख ने छात्रा के साथ दोस्ती कर ली। एक दिन बहला फुसला कर उसे कमरे पर ले गया। वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद छात्रा कई दिनों तक बात को छिपाती रही। पीड़ित छात्रा ने परिजनों को सारी बात बताई। इसके बाद न्यू अशोक नगर थाना ईस्ट दिल्ली में पीड़िता के परिजनों ने शिकायत दी।

संभव में नगर आयुक्त मलिक ने सुनीं शिकायतें

गाजियाबाद। निगम में आज संभव दिवस का आयोजन किया गया। संभव दिवस के दौरान आज नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने शिकायतें सुनी। समाचार लिखे जाने तक नगर निगम में संभव दिवस के दौरान 16 शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी थी। इन में सबसे अधिक हेल्थ विभाग की शिकायतें थी। जिनकी संख्या पांच है। इनके अलावा जलकलए निर्माणए उद्यान आदि विभागों की शिकायतें दर्ज कराई गई। शिकायतों के तत्काल निस्तारण के लिए नगर आयुक्त के निर्देश पर संबंधित विभागाध्यक्षों को भी संभव दिवस में उपस्थित रहने के लिए कहा गया था। संभव दिवस में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ0 संजीव सिन्हा, अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार यादव, स्वास्थ्य से डॉ0 मिथिलेश कुमार, निर्माण से चीफइंजीनियर एनके चौधरी, उद्यान से डॉ0 अनुज सिंह के अलावा बाकी के कई अन्य अधिकारी भी बैठक मे मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने संभव में आई शिकायतों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश दिए।

गाजियाबाद-नोएडा में गणेश चतुर्थी की धूम

पीएनएस। गाजियाबाद/नोएडा

गाजियाबाद और नोएडा में मंगलवार को जगह-जगह धूमधाम से गणेश चतुर्थी मनाई जा रही है। शहर के तमाम गली.मुहल्लों, घरों और सोसाइटीज में भगवान गणेश की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। किसी ने दो दिन, पांच दिन, सात दिन और किसी ने 9 दिन के लिए गणपति विराजमान किए हैं। अगले एक हफ्ते गणपति की धूम रहेगी।
भजन.कीर्तन के लिए पंडाल लगाए गए हैं। शहर के प्राचीन दूधेश्वर नाथ महादेव मंदिर में आज सुबह गुरुकुल के छात्रों व आचार्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ भगवान गणेश की छह फुट ऊंची मूर्ति विराजमान की। इसके साथ ही भगवान गणेश को लड्डू का भोग लगाया गया। शाम को यहां पर भजन संध्या होगी। दिव्यांश सोसाइटी.1 में भी रेजिडेंट्स ने गणेश मूर्ति स्थापित की है। पंचशील सोसाइटी में भी भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना के दौरान पूजा.अर्चना हुई। गाजियाबाद के इंदिरापुरम, वैशाली, वसुंधरा, राजेंद्रनगर आदि इलाकों में भी गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाई जा रही है। गणेश मूर्ति विसर्जन गाजियाबाद में हिंडन नदी और मुरादनगर गंगनहर पर होगा। इसके लिए पुलिस.प्रशासन ने अस्थायी घाट बना दिए हैं। वहां साफसफाई, पथ.प्रकाश, पानी, शौचालय आदि की व्यवस्था नगर निकायों की तरफसे कराई गई है।

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित संपूर्ण पैरामाउंट सिंफनी सोसायटी परिवार ने धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाई। सोसायटी की तरफ से आयोजक मंडल में पायल त्रिपाठी और लक्ष्मी अग्रवाल समेत काफी तादाद में श्रद्धालु मौजूद थे।

क्रासिंग रिपब्लिक के संपूर्ण पैरामाउंट सिंफनी सोसायटी में सजी भगवान गणेश जी की प्रतिमा।

किसान की पीट-पीटकर की गई थी हत्या

गाजियाबाद। मोदीनगर के थाना क्षेत्र में गांव खंजरपुर में चार दिन पहले हुए किसान नेपाल सिंह की संदिग्ध मौत के मामले में मंगलवार को नया मोड़ आ गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में किसान की पीट पीटकर हत्या करने की बात सामने आई है। अभी कुछ तक इस मामले कोई तहरीर नहीं आई है। पुलिस जल्द हत्याकांड के खुलासा करने की बात कह रही है।

पुलिस ने इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। गांव खंजरपुर निवासी नेपाल सिंह अपने परिवार के साथ रहते थे। खेती करके परिवार का लालन.पालन करते थे। शनिवार को नेपाल सिंह खेत में काम करने के लिए गए थे।

स्कूल कालेजों को निगम ने जारी की यूजर चार्ज नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● निगम के टैक्स विभाग ने स्कूलों को थमाया लाखों का बिल

निगम के टैक्स विभाग का एक और नया कारनामा सामने आया है। निगम ने स्कूलों पर हाउस टैक्स से अधिक यूजर चार्ज लगाकर उन्हें लाखों रुपये के बिल थमा दिए। इसको लेकर अब स्कूल वाले परेशान है। वहीं स्कूल वाले निगम के चक्कर भी लगा रहे है। मगर कोई सुनवाई नही हो रही है।

नगर निगम प्रशासन की ओर से इंजीनियरिंग कॉलेज को तीन से चार लाख तक यूजर चार्ज का बिल भेजा जा रहा है। इसी तरह से कई स्कूलों को भी निगम कई कई लाख रुपये यूजर चार्ज के बिल थमाया है। यूजर चार्ज के लाखों के बिलों को लेकर अब स्कूल और कॉलेज के प्रबंधन विभाग की टेंशन बढ़ गई है।

दूसरी ओर नगर निगम के यूजर चार्ज प्रभारी अधिकारी संजीव सिन्हा का कहना है कि बायलोज में प्रत्येक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे को एक युनिट मानकर यूजर चार्ज लगाया गया है। इस कारण कई कई लाख के यूजर चार्ज के बिल आ रहे है।

हिंडन की नहीं हुई सफाई, जीएम विधान परिषद समिति में तलब

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंडन नदी की सफाई को लेकर विद्यान परिषद की आश्वासन समिति ने जलकल विभाग के अफसरों को तलब किया है।

इस मामले में लखनऊ जीएम आनंद त्रिपाठी को भेजा गया है। जहां उन्हें बताना होगा कि कृष्णा नदी और हिंडन नदी की सफाई को लेकर निगम ने आश्वस्त किया था कि इसकी साफसफाई के लिए कदम उठाए जाएंगे। दरअसल शहरी एरिया में करीब 11 नाले इस नदी में पड़ रहे है। इन को बंद करने के लिए एनजीटी में भी केस दायर किया गया था। बाद में हाईकोर्ट ने भी वर्ष 2012 में नगर निगम को निर्देश दिया था कि वह हिंडन नदी में पड़ रहे सभी नालों को बंद करे या फिर उन सभी नालों के पानी को ट्रीट करने के लिए प्लांट लगाए। तत्कालीन पार्षद राजेन्द्र त्यागी ने भी इस मामले में हाईकोर्ट में नगर निगम के खिलाफअवमानना का केस दायर किया था। उनका आरोप था कि निगम ने हाईकोर्ट के आदेश का भी पालन नहीं किया। अब इसी को लेकर नगर निगम की टेंशन बढ़ गई है। विधान परिषद की आश्वासन समिति में पहुंची शिकायतें में कहा गया कि निगम आश्वासन देने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मोटो जीपी रेस : कुछ प्रतिभागियों अधिकारियों को वीजा का इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

भारत में होने वाली पहली मोटो जीपी में हिस्सा लेने वाले कुछ राइडर और टीम अधिकारियों को इस सप्ताहांत होने वाली रेस के लिए अब भी वीजा का इंतजार है जिसमें छह बार के चैंपियन मार्क मारक्वेज भी शामिल हैं।

रेपसोल होंडा टीम से जुड़े सूत्रों ने पीटीआई को पुष्टि की है कि उनके राइडर मारक्वेज और जोआन मीर के भारत आने में वीजा मुद्दों के कारण विलंब हो रहा है। स्पेन के इन दोनों राइडर को बुधवार को दिल्ली के समीप एक प्रचार कार्यक्रम में हिस्सा लेना था लेकिन अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है।

एक सूत्र ने बताया, वीजा मुद्दों के कारण राइडर अब तक भारत नहीं पहुंचे हैं। इसलिए कल के कार्यक्रम को रद्द करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। डोर्ना स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के आयोजक और अधिकार धारक हैं।

फेयर स्ट्रीट स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के स्थानीय प्रमोटर हैं। मोटो जीपी टीमों के सामने आ रही वीजा समस्याओं के बारे में जानकारी लेने के लिए हालांकि इन दोनों से ही संपर्क नहीं हो पाया है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो और मोटो जीपी रेस में शामिल होंगे 80 हजार वाहन, 2.5 लाख लोग

● नोएडा, ग्रेनो में 21 से 25 सितंबर तक का यातायात परामर्श जारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर 21 से 25 सितंबर तक वाहनों का सबसे अधिक दबाव रहेगा। यहां पर प्रतिदिन 80 हजार अतिरिक्त वाहनों का आवाजाही की संभावना है।

ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए तीन सुपर जोन, 12 जोन और 24 सेक्टरों में ट्रैफिक व्यवस्था को बांटकर 14 सौ ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को जिम्मेदारी दी जा रही है। इस दौरान नोएडा, ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे से होकर निकलने वाली दूसरे राज्यों की बसों को भी एनएच-24 से होकर जाना होगा।

गौतमबुद्धनगर में 21 से 25 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो और 22 से 24 सितंबर तक मोटो जीपी रेस आयोजित होगी। इस दौरान जिले में बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान और राजनीतिक, फिल्मी तथा धर्म से जुड़ी हस्तियां भी रहेंगी। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव का मानना है कि इन आयोजनों के चलते नोएडा.ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर करीब 80 हजार से अधिक गाड़ियों का बोझ बढ़ेगा। दोनों ही आयोजनों में ढ़ाई से तीन लाख लोग शामिल होने के लिए आएंगे। इसके मद्देनजर यातायात व्यवस्था के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां की गई हैं। डायवर्जन की तैयारी हो चुकी है।

मोटो जीपी में आने वाले लोगों के लिए प्लान

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ से आने वाले दर्शक एग्जिट 2ए, 2सी से उतरकर बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के विभिन्न गेटों से प्रवेश करेंगे। निर्धारित स्थल पर वाहन पार्क कर टिकट में अंकित सीटिंग स्टैंड में जा सकेंगे। आगरा, मथुरा, अलीगढ़ की ओर से आने वाले दर्शक चपरगढ़ कट से उतरकर सर्किट के साउथए ईस्ट जोन गेट से प्रवेश कर सीटिंग स्टैंड में जा सकेंगे। मोटो जीपी तक ले जाने के लिए शटल सेवा की व्यवस्था होगी।

भारी और मध्यम व्यवसायिक वाहनों का प्रवेश वर्जित

दिल्ली बार्डर से जिले में भारी और मध्यम वाहनों का प्रवेश 21 सितंबर को सुबह छह बजे से 25 सितंबर की रात 12 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज, न्यू अशोक नगर, कोंडली, झुण्डपुरा बॉर्डर, परी चौक, नालेज पार्क, नोएडा.ग्रेनो एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर आवागमन पर रोक रहेगी। एंबुलेंस, दूध, फल, सब्जी आदि के वाहन आ.जा सकेंगे। आपात स्थिति में लोग यातायात हेल्पलाइन नंबर 9971009001, 9355057381 पर कॉल कर सकते है।

गैर व्यवसायिक वाहन के लिए रूट डायवर्ट

- दिल्ली से नोएडा.ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर रोक रहेगी। ग्रेनो, मथुरा, आगरा, लखनऊ की ओर जाने के लिए गैर व्यवसायिक वाहन एनएच.9, 24, 91 से जा सकेंगे।
- नोएडा से दिल्ली-गाजियाबाद जाने वाले गैर व्यवसायिक वाहन एमपी.1, 2 व 3 और डीएससी मार्ग से न्यू अशोक नगर, झुंडपुरा, एनआईबी, छिजारसी से जा सकेंगे।
- दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़ से मथुरा, आगरा, लखनऊ वाहन एनएच 9, 24 व एनएच.91 से जा सकेंगे।
- आगरा, मथुरा, लखनऊ से नोएडा.ग्रेनो एक्सप्रेसवे होकर जाने वाले वाहन अलीगढ़ टप्पल से बुलंदशहर व मथुरा से दिल्ली होकर जाएंगे।
-ग्रेनो वेस्ट से दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़ जाने वाले वाहन किसान चौक से तिगरी, पर्थला से छिजारसी होकर जाएंगे।
-एक्सप्रेसवे से दिल्ली, गाजियाबाद जाने वाले गैर व्यवसायिक वाहन ग्रेनो वेस्ट मार्गों से किसान चौक होकर जा सकेंगे।
-फेस-2 से दिल्ली जाने वाले गैर व्यवसायिक वाहन डीएससी रोड से न्यू अशोक नगर, झुंडपुरा, सोरखा और पर्थला ओर जा सकेंगे।
- यात्री बस, डीटीसी अंतरराज्यीय और अंतर जनपदीय दिल्ली आश्रम की ओर से डीएनडी चिल्ला होकर सेक्टर.16 और 37 जाने वाली डीटीसी बस मयूर विहार कोंडली, झुंडपुरा होकर जाएंगी।
- सिटी सेंटर और सेक्टर.37 से परीचौक जाने वाली यात्री बस सेक्टर.44 गोलचक्कर से एल्डिको चौक डीपो गोलचक्कर के पास रामलीला पार्क में जा सकेंगी।
- आगरा की ओर जाने वाली बस यमुना एक्सप्रेस वे से जेवर कस्बा की ओर उतरकर सबौता अंडरपास से खुर्जा बाइपास से होकर जाएंगी।
- परी चौक से यमुना एक्सप्रेस से होकर मथुरा, आगरा, लखनऊ जाने वाली बस दनकौर बाइपास से रबूपुरा से सर्विस रोड होकर आगरा की चढ़ने वाले लूप से जाएंगी।

भौतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005.

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ भौतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	किरण उद्योग/ विवेक कुमार जैन/ अरविंद कुमार जैन/ राजीव कुमार जैन/ LBDEL00002021880	प्लॉट नंबर-7, ब्लॉक-27-बी, वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, दिल्ली-110005/ सितंबर 15, 2023	अक्टूबर 20, 2022 रु. 3,77,79,950/-	दिल्ली/ एन.सी. आर.
2.	यूनिकास्ट ऑटोटेक प्राइवेट लिमिटेड, श्री अरविंद कुमार जैन, स्वर्गीय श्री संजय जैन (उनके कानूनी उत्तराधिकारियों यानी श्रीमती लता जैन, श्री आयुष जैन और श्री समीर जैन के माध्यम से), श्री राजीव कुमार जैन और श्री विवेक कुमार जैन/ 000751000432	प्लॉट नंबर-7, ब्लॉक-27-बी, वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, दिल्ली- 110005/ सितंबर 15, 2023	जुलाई 01 2022 रु. 4,54,50, 053.17/-	दिल्ली/ एन.सी. आर.

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : सितंबर 20, 2023
स्थान : दिल्ली/एन.सी.आर.

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public at large that Mrs. Divya Khaneja W/o Mr. Kunal Khaneja R/o A-103, Madhuban, Near Nirman Vihar Metro Station, Shakarpur, East Delhi, Delhi, 110092, is the attorney of Mr. Tejveer Singh S/o Late Mr. Karam Singh and Mrs. Rajni Khaneja W/o Mr. S.C Khaneja are in possession of Residential Lease Hold Plot Bearing No. 324, area admeasuring 162 sq. mtrs., situated in Block B, Sector-105, Noida, Gautam Budh Nagar, U.P, "Said Property" by virtue of GPA dated 11.05.2011, executed by Mr. Tejvir Singh S/o Late Mr. Karam Singh in her favour duly registered as Doc No. 755, Vol No. 1920, Book No. 4, Pages 59-68, dated 11.05.2011, SRO-II, Noida and Agreement to Sell dated (without possession) 11.05.2011executed by Mr. Tejvir Singh S/o Late Mr. Karam Singh in favour of Mrs. Rajni Khaneja W/o Mr. S.C Khaneja in respect of Said Property, duly registered as Doc No. 641, Vol No. 309, Book No. 3, Pages 145-154, dated 11.05.2011, SRO-II, Noida.
Initially, an Allotment Letter dated 19.01.2004 was issued by NOIDA in favour of Mr. Karam Singh in respect of said property. Unfortunately, Mr. Karam Singh expired leaving behind his legal heirs. Later on, a Mutation Letter dated 17.06.2004 was issued by NOIDA in favour of Mr. Tejveer Singh. Thereafter, a Lease Deed dated 17.12.2008 was executed by NOIDA in favour of Mr. Tejveer Singh in respect of Said property, duly registered as Doc No. 8519, Vol No. 2234, Book No. 1, Pages 573-612, dated 17.12.2008, SRO-II, Noida. Mr. Tejveer Singh through attorney Mr. Divya Khaneja and Mrs. Rajni Khaneja intends to Sell the said property to Mrs. Sakshi Arora and there is no dispute in the sale transaction. Further **L&T Finance Ltd** is intending to create a mortgage over the Said Property. In case any person/Financial Institute/Bank/Authority/Board or any other entity have any objection or vested interest over the Said Property, they may contact the undersigned within 07days of this publication. It may be further noted that after lapse of aforesaid period no claim in any manner shall be entertained and same will be considered as waived or abandoned.

Mohd. Gulfam, Advocate
D/8779/2019
Office: Gadi & Associates, D-148, LGF, Saket, New Delhi-110017, +91-880000224

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 20 सितंबर, 2023

महिलाओं को मूर्ख बनाने वाला विधेयकः आतिशी

2024 के लोक सभा चुनाव में महिलाओं को नहीं मिलने वाला आरक्षण : आप

राजधानी में मंगलवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करतीं प्रदेश मंत्री अतिशी।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई संसद की लोकसभा में पेश हुए महिला आरक्षण बिल पर आम आदमी पार्टी ने कई आपत्तियां जताई है और केंद्र सरकार से बिल में संशोधन की मांग की है।

आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने कहा वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला वोट के लिए भाजपा महिलाओं के लिए आरक्षण का जुमला लेकर आई है। भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर एक ऐसा बिल लेकर आई है जो 2027-28 से पहले लागू ही नहीं हो सकता। भाजपा के इस जुमले की पोल खोलते हुए आतिशी ने इसे महिला बेवकूफ बनाओ बिल करार दिया है।

आतिशी ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, महिला आरक्षण के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले महिला बेवकूफ बनाओ बिल लेकर आ रही है। बिल के प्रावधानों के अनुसार पहले जनगणना और फिर परिसीमन के बाद ही लागू होगा आरक्षण यानि कि 2024 के चुनाव में महिलाओं को नहीं मिलने वाला आरक्षण। ऐसे में भाजपा जिस महिला आरक्षण बिल का ढिंढोरा पीट रही है। वर्ष 2027-28 से पहले उसका क्रियान्वयन नहीं होने वाला है। बिल के प्रावधानों से साफ है कि 2024 के चुनाव से पहले वोट माँगने के लिए भाजपा देश की महिलाओं को बेबकूफ बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी की नियत साफ है तो 2024 के चुनाव में ही महिलाओं को आरक्षण क्यों नहीं देते है। जनगणना और परिसीमन का इंतजार क्यों कर रहे है। यदि पीएम मोदी को महिलाओं की चिंता है तो लोकसभा चुनाव में लोकसभा की 543 सीटों पर लागू हो बिल अन्यथा महिलाओं को बेवकूफ न बनाए। उन्होंने कहा कि, पीएम मोदी महिलाओं की बेहतरी को लेकर कोई चिंता नहीं है। भाजपा बृजभूषण वाली, महिला विरोधी पार्टी है और देश की महिलाएँ इनके जुमले में फँसने वाली नहीं है।

आतिशी के अनुसार, ऐसे में अब संसद में, विधान सभाओं में महिलाओं को एक तिहाई समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि, आम आदमी पार्टी ने इस बिल का स्वागत किया और कहा कि वह संसद में और विधानसभाओं में भी महिलाओं के आरक्षण का स्वागत करती हैं लेकिन जबतक बिल व उसके प्रावधानों को नहीं देखते तब तक इसपर टिप्पणी नहीं कर सकते है।

आतिशी ने कहा कि, ये बिल महिला बेबकूफ बनाओ बिल इसलिए है क्योंकि इस बिल के सेक्शन-5 के अनुसार 2024 के चुनाव में महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलने वाला है। ये बिल जब पास होगा तो उसके बाद जो जनगणना होगी और उसके आधार पर परिसीमन होगा, उस परिसीमन के आधार पर महिलाओं को आरक्षण दिया जायेगा। ऐसे में इस बिल के क्रियान्वयन में कई साल लग जाएंगे।

उन्होंने कहा कि, जनगणना होने में कम से कम एक साल का समय लगता है। उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी। अब एमसीडी जैसे छोटे चुनाव के लिए परिसीमन करने में जब चुनाव आयोग को 6 महीने का समय लए थे तो पूरे देश में परिसीमन कमेटी को कम से कम 2-3 साल का

महिलाओं की शासन में बढ़ेगी भागीदारी : वीरेंद्र सचदेवा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने महिला आरक्षण विधेयक को सराहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के संसद में पेश किए गए महिला आरक्षण विधेयक का प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि लोगों को इस बात पर गर्व है कि केंद्र सरकार ने भारत के राजनीतिक इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण विधेयक को नई संसद के पटल पर पहले विधेयक के रूप में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है। वह भी शुभ गणेश चतुर्थी के दिन 19 सितंबर।

भाजपा नेता ने कहा कि वह पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार थी जिसने 1998 से 2003 के बीच चार बार महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सहयोगियों ने सरकार के प्रयासों को विफल कर दिया था। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में बेहतर प्रतिनिधित्व देने के लिए गणेश चतुर्थी का दिन चुना है।

राजधानी के द्वारका सेक्टर -25 स्थित दुनिया के सबसे बड़े सम्मेलन व प्रदर्शनी स्थलों में से एक यशोभूमि का विहंगम दृश्य। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर को इसे देश को समर्पित किया था। (फाइल फोटो)

नवनिर्मित यशोभूमि में दो साल में होंगे दो सौ से अधिक कार्यक्रम : डीपीआईआईटी

डिजिटल नवाचार, आतिथ्य, मनोरंजन, स्वास्थ्य सेवा, वाहन, बुनियादी ढांचा, यात्रा और पर्यटन से संबंधित है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

द्वारका सेक्टर-25 स्थित यशोभूमि में अगले दो साल में 200 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह आयोजन डिजिटल नवाचार, आतिथ्य, मनोरंजन, स्वास्थ्य सेवा, वाहन, बुनियादी ढांचा, यात्रा और पर्यटन तथा स्मार्ट विनिर्माण से संबंधित हैं। यशोभूमि का उद्घाटन 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

किनेक्सिन कन्वेंशन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, कोरिया इंटरनेशनल एक्जिबिशन सेंटर (किनटैक्स) और ईसैंग नेटवर्क्स कंपनी लिमिटेड का एक गठजोड़ यहां कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए दुनियाभर में विपणन पहल कर रहा है। किनटैक्स को 20 साल के लिए आयोजन स्थल के प्रबंधन के लिए प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र के संचालक के रूप में नियुक्त किया गया है। मोदी ने रविवार को आईआईसीसी के 5,400 करोड़ रुपए के चरण-एक का अनावरण किया था। उन्होंने दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट लाइन के विस्तार का भी उद्घाटन किया। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि यह भारत का सबसे बड़ा परिसर है। यह केंद्र भारत में बढ़ते एमआईसीई (बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी) उद्योग को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

सिंह ने कहा कि अब आईआईसीसी परियोजना के दूसरे चरण में भाग लेने के लिए निजी कंपनियों को आकर्षित किया जाएगा। हम इसे सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में आगे बढ़ाएंगे। हम जल्द ही इसके लिए बोली शुरू करेंगे। हम इसे चरणबद्ध तरीके से शुरू करेंगे। हम होटल से शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि चरण-2 परियोजना के तहत कुल नौ तीन सितारा और पांच सितारा होटल तथा खुदरा बिक्री स्थल विकसित करने की योजना है।

केजरीवाल के बंगले विवाद में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने लोक निर्माण विभाग के छह अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने के एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन अधिकारियों को मुख्यमंत्री केजरीवाल के सरकारी आवास के नवीनीकरण में नियमों में उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

सतर्कता निदेशालय और विशेष सचिव (सतर्कता) वाईवीजे राजशेखर द्वारा दायर अपील में उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के 15 सितंबर के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को छात्रों का समर्थन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष पद प्रत्याशी तुषार डेढ़ा, उपाध्यक्ष पद सुशांत धनखड़, सचिव अपराजिता, संयुक्त सचिव सचिन बैसला द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय में होने वाले छात्रसंघ चुनाव के मद्देनजर प्रचार मंगलवार को भी जारी रहा, डीयू में अलग-अलग कॉलेजों में एबीवीपी के प्रत्याशियों का छात्रों का समर्थन मिल रहा है। एबीवीपी द्वारा साउथ कैंपस व नार्थ कैंपस के पास डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार किया गया, डोर टू डोर कैंपेन में एबीवीपी ने 2000 से ज्यादा जगहों पर जाकर दस हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को डूसू के लिए अपने मुद्दों को बताते हुए समर्थन मांगा। एबीवीपी चुनाव में इन्फ्रास्ट्रक्चर, महिला सुरक्षा तथा कैंपस से जुड़े अन्य मुद्दों पर वोट डालने की अपील छात्रों से कर रहा है।

जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइट और साफ सफाई के निर्देश

नई दिल्ली। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने चमेलियन रोड, बाड़ा हिन्दू राव-टायर मार्केट एरिया का दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री ने क्षेत्र में खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने, जलापूर्ति और साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही क्षेत्र में ब्लैक स्पॉट को समाप्त करने के लिए अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जल निकासी के लिए बने नालों को जाली से ढकने के भी निर्देश दिए।

व्यापारियों की खरीदारी उत्सव आयोजन की योजना

नई दिल्ली। चांदनी चौक शॉपिंग फेस्टिवल के बाद अब दिल्ली के व्यापारियों के संगठनों ने विभिन्न उत्पादों के लिए खरीदारी उत्सव आयोजित करने की योजना बनाई है। इन उत्पादों में फर्नीचर, खिलौने, वाहन और कपड़ा शामिल हैं। स्थानीय व्यापारियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) और चांदनी चौक के व्यापारियों ने रविवार को रंगपुरी में शॉपिंग फेस्टिवल का आयोजन किया था। दिन भर चले इस उत्सव में दिल्ली-एनसीआर से 3,000 से अधिक खरीदार शामिल हुए।

कर्मचारियों के वेतन, पेंशन के प्रति गंभीर नहीं सरकार : बिधूड़ी

राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को त्याग कर दिल्ली पर ध्यान दें केजरीवाल : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा ने दिल्ली परिवहन निगम में काम करने वाले मार्शलों को पिछले पांच महीने से वेतन नहीं मिलने पर दिल्ली सरकार को घेरा है। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार डीटीसी में काम करने वाले मार्शलों को पांच महीने से वेतन नहीं दे रही। पिछले चार महीने से डीटीसी के 21 हजार कर्मियों को पेंशन नहीं दे रही। हजारों कांट्रेक्ट कर्मचारियों और गेस्ट टीचर्स को पक्का करने का वादा भी पूरा नहीं किया गया।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सीएम से अनुरोध किया है कि वह अपनी राजनीतिक आकांक्षाओं को कुछ दिन के लिए स्थगित करते हुए इन कर्मचारियों की तरफ ध्यान दें क्योंकि वेतन और पेंशन न मिलने से लाखों परिवार प्रभावित हो रहे हैं।

बिधूड़ी ने कहा कि 844 रुपए प्रतिदिन पाने वाले कभी 13 हजार वालंटियरों को दिल्ली सरकार ने मार्शल के पद पर तो रख लिया लेकिन हैरानी की बात यह है कि उन्हें पांच महीनों से वेतन नहीं दिया जा रहा। राज्य सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि जिस योजना के आधार पर वह लोगों से वोट मांग रही है, कम से कम उस योजना को जारी रखने के लिए तो प्रयास करे। मार्शल केवल वेतन ही नहीं बल्कि भविष्य निधि, ईएसआई, जॉब सिक्योरिटी और एक्सीडेंटल सिक्योरिटी की भी मांग कर रहे हैं। बाकी समस्याएं तो दूर, अभी उन्हें परिवार पालने का संकट दूर करना है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह पिछले चार महीने से डीटीसी के 21 हजार रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन नहीं मिली। ये कर्मचारी परिवहन मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक का दरवाजा खटखटा चुके हैं लेकिन आश्वासन देने के बावजूद इन कर्मचारियों को पेंशन नहीं मिली। गेस्ट टीचर्स भी लगातार अपनी समस्याओं से सरकार को अवगत कराते रहे हैं लेकिन किसी भी मांग पर सरकार गंभीर नजर नहीं आ रही।

डीयू के एमए हिंदू अध्ययन में प्रवेश शुरू

विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा में पीजी डिप्लोमा और चीनी अध्ययन प्रोग्रामों में प्रवेश शुरू किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू अध्ययन केंद्र के शैक्षणिक सत्र 2023-24 से हिंदू अध्ययन में एम.ए. में दाखिला शुरू हो गया है। इसके साथ ही, विश्वविद्यालय ने साइबर सुरक्षा, कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एमए चीनी अध्ययन प्रोग्रामों में भी प्रवेश शुरू कर दिया है।

प्रो. प्रेरणा मल्होत्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए दाखिला केवल आहर्ता डिग्री में मेरिट के आधार पर होगा। न्यूनतम स्कोर के साथ किसी भी विषय में स्नातक डिग्री धारक इस प्रोग्राम में आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। उन्होंने कहा https://pg-merit.uod.ac.in पर दाखिले के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण मंगलवार से शुरू हो गए हैं और 30 सितंबर तक किए जा सकते हैं। विवरण के लिए, उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट (www.admission.uod.ac.in) पर प्रकाशित पीजी-मेरिट आधारित सूचना बुलेटिन देखना होगा। इसके साथ ही, विश्वविद्यालय ने साइबर सुरक्षा और कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एमए चीनी अध्ययन प्रोग्रामों में भी दाखिला प्रक्रिया शुरू

कर दी है। इन प्रोग्रामों में प्रवेश की पात्रता और प्रक्रिया के संबंध में विशिष्ट विवरण भी विश्वविद्यालय की एडमिशन वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।

प्रो. मल्होत्रा ने बताया कि हिंदू अध्ययन में मास्टर ऑफ आर्ट्स अपनी तरह का पहला स्नातकोत्तर प्रोग्राम है, जिसमें कंप्यूटर विज्ञान, डेटा एनालिटिक्स, वाणिज्य, राजनीति विज्ञान आदि के ज्ञान क्षेत्रों में भी माइनर कोर्स का प्रावधान किया गया है जोकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के प्रगतिशील प्रावधानों के साथ शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान में नवाचार और व्यावहारिक अभिविन्यास के लिए ज्ञान प्रसार में बहु-विषयक दृष्टिकोण की परिकल्पना करता है। डेटा साइंस और एनालिटिक्स, कंप्यूटर साइंस, कॉमर्स, पॉलिटिकल साइंस आदि जैसे चुने गए माइनर विषय को एमए हिंदू अध्ययन में मास्टर डिग्री में शामिल किया जाएगा।

हिंदू अध्ययन के साथ-साथ चुने हुए माइनर विषय के साथ मेजर में आवश्यक क्रेडिट के साथ एमए डिग्री प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी मेजर विषय में आगे शोध और अध्ययन करने के लिए पात्र होंगे।

उन्होंने बताया कि माइनर के साथ हिंदू अध्ययन में एमए का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदू दर्शन और दृष्टिकोण से संबंधित पारंपरिक ज्ञान के साथ भविष्य के लिए रोजगार योग्य कौशल प्रदान करना है। यह प्रोग्राम हजारों वर्ष पुराने हिंदू लोकाचार और समकालीन कैरियर लक्ष्यों की गहरी समझ पर केंद्रित होगा।

कार से कुचलकर सब इंस्पेक्टर की मौत

जांच के दौरान हुआ हादसा, पिकअप चालक भी गंभीर से घायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में तेज रफ्तार कार ने मंगलवार सुबह दिल्ली पुलिस के उपनिरीक्षक को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल एसआई को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना में एक पिक-अप वाहन का चालक भी उक्त कार की चपेट में आ गया और उसे गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह पुलिस नियंत्रण कक्ष को फोन पर सूचना मिली कि एक पुलिसकर्मी सड़क हादसे का शिकार हो गया है। घटना के समय उपनिरीक्षक गंगाशरण और सहायक उपनिरीक्षक अजय तोमर एक जिप्सी से गश्त लगा रहे थे। जिप्सी तोमर चला रहे थे। सुबह साढ़े पांच बजे के आसपास दोनों ने एक पिक-अप वाहन को जांच के लिए रोका, जिसके बाद गंगाशरण जिप्सी से, जबकि पिक-अप वाहन का चालक रामगोपाल अपने वाहन से बाहर आए।

गंगाशरण और रामगोपाल सड़क पर खड़े थे, तभी गाजियाबाद की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने दोनों को पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक तोमर पिक-अप वाहन के चालक के सहायक राजकुमार की मदद से गंगाशरण और रामगोपाल को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले गए, जहां गंगाशरण ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। गंगाशरण के परिवार में उनकी पत्नी और पांच बच्चे हैं। बाहरी दिल्ली के नांगलोई में रहने वाले रामगोपाल को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी चालक फरार है और वारदात के लिए जिम्मेदार कार की पहचान के लिए जांच की जा रही है। विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

व्यक्ति ने सिर में गोली मारकर की आत्महत्या

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में एक व्यक्ति ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटनास्थल से एक तमंचा, खाली कारतूस सहित तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस की जांच जारी है और तिगरी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के भिंड जिले के निवासी राजेश तोमर के रूप में हुई है। वह वर्तमान में संगम विहार के बी-ब्लॉक में रह रहा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार की देर रात सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने खुद को गोली मार ली है। पुलिस टीम को व्यक्ति का खून से लथपथ शव मिला, जिसके सिर पर गोली लगी थी।

जीजीएसआईपीयू में खाली सीटों पर दाखिले को एलजी ने दी मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए बीए, एलएलबी, बीबीए एलएलजी में खाली सीटों पर दाखिले की अनुमति दी है। एलजी जीजीएसआईपीयू के कुलाधिपति भी हैं।

एलजी ने इन कोर्सों के लिए कॉमन लॉ एप्टीट्यूड टेस्ट (यूजी)) की मेरिट लिस्ट खत्म होने के बाद शेष रिक्त सोटों पर प्रवेश सीयूईटी स्कोर, जिसमें तीन विषयों (अंग्रेजी, कानूनी अध्ययन और सामान्य परीक्षा) में आए कुल नंबर शामिल हैं, के आधार पर प्रवेश करने की मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को संबोधित करते हुए फाइल पर टिप्पणी कर चिंता व्यक्त की, कि उनसे इस विषय में शैक्षणिक सत्र शुरू होने के काफी देर से अनुमति मांगी गई है। जिसकी वजह से प्रवेश पाने वाले इच्छुक छात्रों को बेवजह परेशानी हो रही है।

उपराज्यपाल ने अपने नोट में अनावश्यक देरी से बचने और शैक्षणिक गतिविधियों को समय पर शुरू करने के लिए भविष्य में ऐसे प्रस्तावों की प्रक्रिया को समय पर सुनिश्चित करने की सलाह दी।

स्यूडोडिमेंशिया और मेमोरी लॉस की चपेट में युवा

काम के अत्यधिक दबाव, तनाव से बढ़ रही बीमारी, हर माह आ रहे 50 से अधिक मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के 30-40 साल की युवा आबादी में स्यूडोडिमेंशिया और यादाश्त खोने (मेमोरी लॉस) के मामले बढ़ रहे हैं। चिकित्सकों के पास हर महीने 50 से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। चिकित्सकों के मुताबिक इसका मुख्य कारण युवाओं में अत्यधिक तनाव, डिप्रेशन और काम का अधिक दबाव जिम्मेदार है।

चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक मरीज में स्यूडोडिमेंशिया को न्यूरोसाइक्ट्रिक विकारों में परिभाषित किया गया है। ऐसे मरीज अक्सर यादाश्त में कमी और एकाग्रता में कठिनाई के साथ अवसादग्रस्त के लक्षणों से इनकार करेंगे। फोर्टिस

मेमोररयल रिसर्च इंस्टीट्यूट गुरुग्राम के न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. प्रवीण गुप्ता के अनुसार, युवा आबादी में स्यूडोडिमेंशिया के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हर महीने लगभग 50 मामले मिल रहे हैं। इन मामलों में 50 साल से कम उम्र के युवा यादाश्त में कमी और स्यूडोडेमेंशिया में मदद मांग रहे हैं। उन्होंने बताया कि करियर, काम के अत्यधिक दबाव लेने से मस्तिष्क को पूरी तरह से प्रोसेस करने से रोकता है, जिसके कारण यह स्थायी यादाश्त तक नहीं पहुंच पाता है। जिसके कारण यादाश्त में कमी आती है।

गुरुग्राम में कॉपोरेट नौकरी करनेवाली दिल्ली की 35 वर्षीय निधि लोगों के नाम भूलने की परेशानी लेकर डॉ. प्रवीण गुप्ता के पास आईं थी। वह भूल जाती थी कि घर-कार की चाबियां कहां रखी हैं। डॉक्टरों ने पाया कि अत्यधिक काम के दबाव, मल्टीटॉस्किंग, ऑफिस और घर के कामों संतुलन बनाने में दिक्कत हो रही है।

निवेश बैंकर अनिकेत काम के कारण अक्सर बाहर की यात्रा पर रहते हैं, वे लोगों के नाम भूलने और याद नहीं रख पाने की समस्या लेकर आए थे। चिकित्सकों ने पाया कि काम के बीच संतुलन नहीं रख पाने के कारण यादाश्त में कमी आ रही है।

डॉ. प्रवीण गुप्ता ने आगे कहा कि उच्च स्तर का तनाव होने से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जिसके कारण स्मृति लोप की समस्या हो सकती है।

मेदांता अस्पताल के सीनियर कंसलटेंट न्यूरोसाएकिट्रिस्ट डॉ. विपुल रस्तोगी ने कहा, तनाव स्यूडोडिमेंशिया का प्रमुख कारण है। अधिकांश युवा तनाव ग्रस्त हैं, यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और जानकारी के साथ उचित प्रबंधन से इससे निजात पाया जा सकता है।

पार्क में मोबाइल टावर लगाने पर एनजीटी ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पश्चिमी दिल्ली के एक उद्यान में मोबाइल टावर लगने पर पर्यावरणीय मानदंडों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए एमसीडी आयुक्त और डीपीसीसी सहित अन्य प्राधिकार को नोटिस जारी किया है। मामले को सुनवाई 20 अक्टूबर को होगी।

एनजीटी हरीनगर के कल्याण संघ (आरडब्ल्यूए) की याचिका पर सुनवाई में कहा गया है कि इंडस टावर कंपनी ने पूर्वानुमति के बगैर तिकोना पार्क में मोबाइल टावर लगाया है। याचिका में दावा किया कि मोबाइल टावर से होने वाले शोर से बुजुर्गों और बच्चों को दिक्कत के साथ तिहाड़ जेल के पास है जिससे सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है।

कनाडा उच्चायोग पर पुलिस का कड़ा पहरा

ऐहतियातन अर्धसैनिक बल व दिल्ली पुलिस के जवान तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद के बीच अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि मध्य दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायोग के बाहर एहतियाती उपाय के तौर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भारत ने खालिस्तान समर्थक एक अलगाववादी नेता की हत्या के तार संभवत: भारत से जुड़े होने के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और निहित स्वार्थों से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया और इस मामले को लेकर एक भारतीय

राजधानी स्थित कनाडा उच्चायोग के बाहर तैनात सुरक्षाबल। फोटो : रंजन डिमरी

अधिकारी को कनाडा द्वारा निष्कासित किए जाने के जवाब में एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को देश से निष्कासित कर दिया।

भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरून मैके को विदेश मंत्रालय ने तलब किया और वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करने के फैसले के बारे में सूचित किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, उच्चायोग के बाहर एहतियात के तौर पर अर्धसैनिक बल के साथ दिल्ली पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गत 18 जून को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गुरुग्राम में महाराष्ट्र से लाते हैं पर्यावरण के अनुकूल गणेश जी की मिट्टी की मूर्ति

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-27 स्थित डीएलएफफेज-4 के सामुदायिक केंद्र में गणेश उत्सव के दौरान पूजन करते महाराष्ट्र के लोग।

श्रद्धा के नाम पर ना तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना चाहिए और ना ही प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग होना चाहिए। इसी सोच के साथ मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में गणेश उत्सव मनाते हैं महाराष्ट्र के लोग। पर्यावरण के अनुकूल काम करते हुए वे महाराष्ट्र से मिट्टी की गणेश जी की प्रतिमा लाते हैं। यहां कृत्रिम तालाब में मूर्ति का विसर्जन करके उस पानी को पौधे, पार्कों में उपयोग करते हैं।

यह सही है कि समय के साथ हमें अपने तीज-त्योहारों को मनाने में भले ही कुछ बदलाव की जरूरत ना हो, लेकिन अपने पर्यावरण का ख्याल रखना हमारी प्राथमिकताओं में होना चाहिए। इस पर विशेष ध्यान सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति रख रही है। पहले जहां प्लास्टर ऑफ पैरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियां स्थापित की जाती थी। पूजन के बाद उनका नहरों में, झील में विसर्जन होता था। अपनी आस्था को पूर्ण करने के लिए भक्त मूर्तियों का विसर्जन तो कर देते थे, लेकिन नहरों, झीलों में वे मूर्तियां ज्यों की त्यों पड़ी रहती थी। मूर्तियों से सिर्फ रंग ही उतरता था। पीपीओ के कारण पानी भी प्रदूषित होता था और नहरों में तो पानी का बहाव भी रुक जाता था, धीमा हो जाता था। पर्यावरण, प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति ने 10 साल पहले महाराष्ट्र से मिट्टी की मूर्तियां लानी शुरू कर दी। गणेश उत्सव पूरा होने के बाद इस मूर्तियों को समिति अभी तक नहरों या झीलों में विसर्जित करने के लिए नहीं ले जाया जाता। समिति अपने स्तर पर कृत्रिम तालाब तैयार करके उसमें मूर्ति विसर्जित करती है। जब पानी में मूर्ति पूरी तरह से घुल जाती है तो उस पानी को पौधों, पार्क में सिंचाई के लिए डाल दिया जाता है। इस तरह से महाराष्ट्र के लोग पयाज्वरण बिना कोई नुकसान पहुंचाए ही गणेश उत्सव को पूरी आस्था, श्रद्धा के साथ मना लेते हैं। समिति के लोगों का कहना है कि प्रशासन को उन्होंने इस बाबत सूचना भी दी है कि वे मिट्टी की मूर्ति को विसर्जित करते हैं। इसलिए उन्हें नहर, झील में मूर्ति विसर्जन करने की अनुमति दी जाए। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई अनुमति नहीं दी गई है।

अब सामुदायिक केंद्र में बड़े स्तर पर होता है उत्सव : हर साल की तरह इस साल भी गुरुग्राम में गणेश उत्सव की धूम शुरू हो गई है। यहां डीएलएफ फेज-4 के सामुदायिक केंद्र में गणपति बप्पा को विराजमान कराया गया है। 19 से 24 सितम्बर तक चलने वाले गणेश उत्सव में धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विधि-विधान से गणेश पूजन किया जाएगा। गुरुग्राम में रह रहे साढ़े 3 हजार से अधिक महाराष्ट्रीयन गणेश पूजा में लग गए हैं। सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के उपाध्यक्ष शांता राम कहते हैं कि 30 साल से गुरुग्राम में गणेश जी की धूमधाम से पूजा होता है। गणेश उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाने का मकसद भी यही है कि सभी समुदाय एक साथ आए अपने त्योहार मनाएं। सभी के यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जाते हैं। हरियाणा, महाराष्ट्र की संस्कृतियों को यहां मिलकर प्रदर्शित किया जाता है। शुभांगी माड़ेकर कहती हैं कि गुरुग्राम में 30 साल पहले गणेशोत्सव की शुरूआत करने वाली टीम में वे शामिल रही हैं। पहले सेक्टर-14 में यह उत्सव छोटे पैमाने पर मनाया जाता है। जैसे-जैसे महाराष्ट्र के लोग बढ़ते गए तो इसे बड़े स्तर पर मनाया जाने लगा। हिंदी, मराठी मिलकर इस त्योहार को मनाते हैं। गणेश उत्सव के दौरान 158 कुंडीय हवन-यज्ञ भी किया जाता है। इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों का पूरा सहयोग मिलता है।

समाजसेवा के कार्यों पर तीन संस्थाओं ने सीकरी का किया सम्मान

गणेश चतुर्थी पर गणेश जी की प्रतिमा भी की गई स्थापित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

समाजसेवा के कार्यों के लिए बोधराज सीकरी का स्वागत करते लोग।

आर्य केंद्रीय सभा, पालम विहार रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन प्रताप नगर ने समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी बोधराज सीकरी का अभिनंदन किया। समाज में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की।

पालम विहार जे एवं के ब्लॉक के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव चुटानी एवं शेखर तनेजा ने सेक्टर-23ए में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी को कार्यकारिणी समेत आमंत्रित किया। पुष्प गुच्छ एवं दोशाला भेंट कर उनका स्वागत किया। एसोसिशन के पदाधिकारियों ने कहा कि बोधराज सीकरी जो सभी बिरादरियों को लेकर समाज के हित के लिए पिछले करीब दो वर्ष से कार्य कर रहे हैं, वह अति सराहनीय है। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से व पालम विहार सेक्टर-23 की ओर से भी विश्वास दिलाते हैं कि हम हमेशा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे।

पंजाबी बिरादरी की ओर से धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, यदवंश चुग, एमके कुमार, गजेंद्र गोसाईं, किशोरी लाल डुडेजा अनिल कुमार उपस्थित रहे। ठाकुर विक्रम सिंह अभिनंदन तथा वेद निधि समारोह में भाग लेने के लिए दो बसों में 110 लोग शामिल हुए।

आर्य केन्द्रीय सभा गुरुग्राम एवं गुरुग्राम के सभी आर्य समाज के अधिकारी व सदस्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बसें दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम के लिए रवाना हुई।

बसों को ओम ध्वजा दिखाकर हरियाणा प्रांत सीएसआर हरियाणा के उपाध्यक्ष बोध राज सीकरी ने रवाना किया। प्रताप नगर रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान रमेश चुटानी की अगुवाई में गणेश जी की स्थापना की गई। इस कार्य का श्रीगणेश पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी के कर कमलों द्वारा हुआ।

सिन्दरपुर बढ़ा में स्कूली बच्चों को दिलवाई स्वच्छता की शपथ

सिकंदरपुर बढ़ा गांव के स्कूल में बच्चों को स्वच्छता की जानकारी देते सरपंच सुंदर लाल।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत मंगलवार को मानेसर नगर निगम क्षेत्र के गांव सिन्दरपुर बढ़ा के सरकारी स्कूल में निगम की सेनिटेशन विंग की ओर से स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान निगम के क्षेत्रिय कराधान अधिकारी देवेंद्र कुमार ने स्कूली बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई। निगम की सेनिटेशन टीम बुधवार को गांव रामपुरा और नखड़ोला में स्वच्छता अभियान चलाएगी। इंडियन स्वच्छता लीग 2.0 के अंतर्गत कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंगलवार को निगम क्षेत्र के दो गांव सिन्दरपुर बढ़ा और नवादा फतेहपुर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

क्षेत्रीय कराधान अधिकारी देवेंद्र कुमार ने बतौर नोडल अधिकारी ने गांव सिन्दरपुर बढ़ा के गर्वनमेंट हाई स्कूल में स्वच्छता कार्यक्रम किया। स्कूल प्रांगण में निगम के अधिकारियों ने गांव के अन्य गणमान्य लोगों के साथ मिलकर झाड़ू भी लगाई। मानेसर नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन की कंसल्टेंट जेनिथ चौधरी ने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि बच्चे आज ही से यह प्रण लें कि अपने घरों में गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग डालेंगे।

फ्रेस्का जूस ने फ्रेस्का गोल्ड आम का रस लॉन्च किया, कीमत सबसे कम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फ्रूट जूस मार्केट में नया धमाका करते हुए इस मार्केट के बड़े प्लेयर फ्रेस्का जूस ने अपना गेम-चेंजर उत्पाद फ्रेस्का गोल्ड आम का रस' बाजार में पेश किया। इसमें अल्फांसो आम का स्वाद है और 200 मिलीलीटर एसेप्टिक पैक वाले इस ड्रिंक की कीमत मात्र 20 रुपये है। इस उत्पाद की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह कीटाणुनाशक लेमिनेटेड कार्टन कलर पैक में है जो बाजार में पहली बार आया है। इसकी पैकिंग पर होलोग्राफिक स्टैम्पिंग वाला मैजिक है, जो ग्राहकों के लिए प्रामाणिकता और सुरक्षा की गारंटी है और उन्हें आम का रस खरीदने के लिए बाध्य करेगा।

इस बारे में फ्रेस्का जूसेज के एमडी अखिल गुप्ता ने कहा, फ्रेस्का जूसेज के रूप में हमारी प्रतिबद्धता, गुणवत्ता और प्रामाणिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए अपने ग्राहकों को असाधारण मूल्य प्रदान करना है। फ्रेस्का गोल्ड आम का रस इस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो अभूतपूर्व कीमत पर एक अद्वितीय आम का स्वाद देता है। यह नवाचार और ग्राहक संतुष्टि के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है।'

उन्होंने आगे कहा, उत्तर भारत के राज्यों और 5 लाख से अधिक खुदरा दुकानों तक फैले वितरण नेटवर्क के साथ फ्रेस्का गोल्ड आम का रस जल्द ही कश्मीर से लेकर वाराणसी तक हर घर का पसंदीदा बन जाएगा।

दरअसल, भारत का फ्रूट ड्रिंक एवं फ्रूट जूस मार्केट बहुत बड़ा है, जिसका मूल्य 15,000 करोड़ रुपये है। कंपनी का दावा है कि वह बाजार में सबसे अलग हटकर है। और क्षेत्रीय या राष्ट्रीय स्तर पर कोई भी दूसरा ब्रांड इस अविश्वसनीय कीमत पर इतनी उच्च गुणवत्ता वाला आम रस मुहैया नहीं करा पा रहा है।

सीएम विंडो के स्कोर के मामले में प्रदेश में पहले स्थान पर गुरुग्राम

गुरुग्राम जिला में 8615 शिकायतों में से हुआ 8285 का निपटारा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में सीएम विंडो की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य के सलाहकार (सिंचाई एवं सीएम विंडो) देवेंद्र सिंह।

मुख्यमंत्री के सलाहकार (सिंचाई एवं सीएम विंडो) देवेंद्र सिंह सेवानिवृत आईएएस ने कहा कि सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि शिकायतकर्ता को उसकी समस्या का त्वरित समाधान मिले। वे यहां सीएम विंडो पर लंबित शिकायतों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित समीक्षा बैठक के एजेंडे में शामिल लंबित शिकायतों की सुनवाई कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए देवेंद्र सिंह ने कहा कि सीएम विंडो की शिकायतों को यदि कोई अधिकारी व कर्मचारी बिना किसी कारण के पेंडिंग रखता है तो उसको नोटिस जारी कर उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। यदि कोई शिकायत ज्यादा पेचीदा है तो एक्सटेंशन ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी शिकायत पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही हो चुकी है तो उसकी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जाए।

देवेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सख्त निर्देश है कि सीएम विंडो पर जो भी शिकायतें पेंडिंग है उनका प्राथमिकता के साथ निपटान किया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो पर दर्ज किसी भी शिकायत पर जांच होने के बाद फील्ड से रिपोर्ट आने पर मुख्यालय स्तर पर उस पर तुरंत फैसला लिया जाए। उन्होंने इस दौरान नगर निगम गुरुग्राम व जीएमडीए से जुड़े अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करने की रिपोर्ट भी भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों के समाधान होने पर शिकायतकर्ता अथवा संबंधित क्षेत्र के एमिनेंट व्यक्ति के हस्ताक्षर अवश्य लें। शिकायतकर्ता का संतुष्ट होना जरूरी है।

सड़क हादसे में घायल वृद्ध 72 घंटे से बेहोश

सोहना। पलवल-सोहना मार्ग पर गांव सिलानी के पास टैक्टर-ट्राली की टक्कर से ऑटो सवार वृद्ध गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल वृद्ध को पहले नूंह के नल्हड़ तथा बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में दाखिल कराया है।

जहां पर घायल वृद्ध को घटना के 72 घंटा बीत जाने के बाद भी होश नहीं आया है। जिला पलवल का गांव मिण्डकौला निवासी संजू ने सोहना सदर थाना पुलिस को बताया कि शनिवार को वह अपने पिता सतपाल के साथ सोहना से अपने गांव मिण्डकौला जा रहे थे। सिलानी से वे ऑटो में बैठ गए थे तथा उसका पिता सतपाल ऑटो चालक के साथ दाहिने तरफ बैठ गया था। उसी समय मिण्डकौला की तरफ से तेज और उछलता हुआ सीधा आता हुआ ऑटो का टक्कर मार दी। उसका पिता सतपाल ऑटो से नीचे सडक पर गिर गया। जिससे उसके मुंह, हाथ, पैर व सिर में गंभीर चोटें लगी। सतपाल को गंभीर हालत में नूंह के नल्हड़ अस्पताल में दाखिल कराया। जहा से डॉक्टरों ने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

डेंगू बुखार से दिल्ली में एक बड़ा खतरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रोसवॉक हॉस्पिटल की डॉ. निकिता सभरवाल ने मानसून की बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा उपाय साझा किये

डेंगू बुखार, मच्छरों से फैलने वाली एक वायरल बीमारी, दिल्ली शहर में एक बड़ा खतरा बनी हुई है। मध्यम वर्षा के बावजूद, स्थानीय अस्पतालों में पिछले दो से तीन सप्ताह में डेंगू के रिपोर्ट किए गए मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस उछाल ने सभी आयु समूहों और जनसांख्यिकी के लोगों को प्रभावित किया है।

डॉ. निकिता सभरवाल, यूनिट हेड, रोसवॉक हॉस्पिटल द्वारा बताए गए प्रमुख लक्षणों में मुख्य रूप से शरीर में दर्द और बुखार शामिल है। डेंगू के मामलों के लिए ज़िम्मेदार सर्कुलेटिंग स्ट्रेन गंभीर टाइप 2 स्ट्रेन है, जिसे टेस्ट के अधीन अधिकांश नमूनों में पहचाना गया है। बारिश ने बड़े पैमाने पर पर्यावरण प्रदूषण में योगदान दिया, जिससे न केवल सांस लेने वाली हवा, बल्कि पीने वाले पानी और हमारे द्वारा ग्रहण किए जाने वाले खाने पर भी असर पड़ा है। यह प्रचलित संदूषण बाद में शरीर की प्रतिरक्षा सुरक्षा को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर वायरस के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। इससे बच्चो को खासकर मच्छर जनित बीमारियों के होने का खतरा अधिक होता है क्यूंकि उनका इम्यून सिस्टम पूरी तरह से विक्सित नहीं हो पाता । रोसवॉक हॉस्पिटल की डॉ निकिता सभरवाल ने मानसून की बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपाय साझा किये। (1) मच्छर निरोधकों का उपयोग करके और सुरक्षात्मक कपड़े पहनकर मच्छर जनित बीमारियों की संभावना को कम करें। (2) बार-बार हाथ धोने और व्यक्तिगत स्वच्छता मानकों को बनाए रखकर संक्रमण की रोकथाम को बढ़ावा देना। (3) मानसून के मौसम के दौरान, फंगल संक्रमण की संवेदनशीलता को कम करने के लिए नंगे पैर चलने से बचें। उपयुक्त जूते पहने। (4) पानी जमा होने वाली जगह या कंटेनर को खाली कर दें, क्योंकि रुका हुआ पानी मच्छरों के लिए प्रजनन स्थल के रूप में काम करता है। (5) संभावित संदूषण और संबंधित स्वास्थ्य खतरों के कारण बाढ़ के पानी में खेलने से बचें।

(6) उबला हुआ पानी पीना और घर में होना वाटर फिल्ट्रेशन सिस्टम होना जरूरी है। (7) मच्छर जनित बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए कीट निरोधकों और मच्छरदानियों का उपयोग करें। (8) देर तक काम करने से बचें और उचित नींद की आदतें बनाए रखें, क्योंकि खराब नींद के पैटर्न से मानसून अवधि के दौरान फ्लू और सर्दी जैसे लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।

ड्रूम स्टडी : एमजी हेक्टर डीजल प्रदान करती है सर्वोत्तम रीसेल वैल्यू, हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, टाटा हैरियर, महिंद्रा एक्सयूवी 700 और महिंद्रा एक्सयूवी 300 को छोड़ा पीछे

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

भारत के प्रमुख ऑटोमोबाइल ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ड्रूम ने एक अध्ययन किया, जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि कौन सी एसयूवी बेस्ट रीसेल वैल्यू (सर्वोत्तम पुनर्विक्रय मूल्य) प्रदान करती है। इस तुलनात्मक विश्लेषण में, एमजी हेक्टर डीजल विजेता रही, जिसने हुंडई क्रेटा, टाटा हैरियर, महिंद्रा एक्सयूवी 700, महिंद्रा एक्सयूवी 300, किआ सेल्टोस और हुंडई अल्कज़ार जैसे प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सफलता हासिल की।

इसने सामान प्राइस रेंज के अन्य कारों की तुलना में असाधारण 85 फीसदी रीसेल वैल्यू हासिल किया है। साथ ही, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी एसयूवी सेगमेंट में एक इंडस्ट्री लीडर के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। यह अंतर व्हीकल की सर्वश्रेष्ठ विरासत के बारे में बहुत कुछ बताता है। अपनी विश्वसनीयता के लिए प्रसिद्ध, एमजी हेक्टर डीजल को समय की कसौटी पर खरा उतरने के लिए तैयार किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आने वाले वर्षों तक इसका मूल्य बरकरार रहेगा।

कारण: हेक्टर बेस्ट रीसेल वैल्यू में क्यों अगणी रहा

1. हुड के नीचे एक पावरहाउस है। एक 2.0 लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन, जो प्रभावशाली 170 हॉर्स पावर और 350 एनएम का टॉर्क देता है। आपके पास निर्बाध 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन या सहज 6-स्पीड ऑटोमैटिक के बीच विकल्प है, जो आपके ड्राइविंग अनुभव को परफेक्ट बनाता है। साथ ही, हेक्टर डीजल एक विशाल, आरामदायक और सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया इंटीरियर प्रदान करता है।

2. कार्यक्षमता /कुशलता... एमजी हेक्टर डीजल की एक और उपलब्धि है। 21 किमी प्रति लीटर' तक के उल्लेखनीय हाईवे माइलेज के साथ, यह आसानी से अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे निकल जाती है। इसकी तुलना में क्रेटा और हैरियर जैसी गाड़ियां लगभग 18 किमी प्रति लीटर हासिल करते हैं। यह ईंधन-कुशल प्रदर्शन न केवल आपके कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है, बल्कि एक रोमांचक ड्राइविंग अनुभव भी सुनिश्चित करता है। 3. एमजी हेक्टर डीज़ल एक व्हीकल से कहीं अधिक है। यह शक्ति/पॉवर और कॉन्सियस लग्जरी के मिश्रण का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

सुल्तानपुर पक्षी विहार में जुटेंगे देश के प्रसिद्ध शिल्पकार

गुरुग्राम। अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में सुल्तानपुर स्थित पक्षी विहार में हरियाणा प्रांत और दूसरे राज्यों के सुप्रसिद्ध शिल्पकार जुटेंगे। वे यहां पक्षियों के सुंदरतम शिल्प कलात्मक ढंग से उकेरेंगे। गुरुग्राम जिला के लिए यह मूर्ति कला शिविर पर्यटन की नई संभावनाएं लेकर आएगा। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में खग, संग तराश प्रसंग-2023 नाम से अंतरराष्ट्रीय आधुनिक मूर्तिकला शिविर सुल्तानपुर पक्षी विहार में आयोजित किया जा रहा है। अक्टूबर माह के आखिरी सप्ताह में इसका आयोजन हो सकता है, जो कि 30 दिन का होगा। भाग लेने वाले सभी मूर्तिकार यहीं रहकर अच्छी गुणवत्ता के पत्थरों पर साइबेरियन सा, सारस, रोजी फेलिकन, गोरैया, बाज, बुलबुल, कोयल, गुरशल, मैना आदि पक्षियों की नयनाभिराम आकृतियां तैयार करेंगे। इस मूर्तिकला शिविर में हरियाणा समेत देश के अन्य राज्यों तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शिल्पकारों के भाग लेने की संभावना है। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के मूर्ति कला अधिकारी हृदय कौशल इस शिविर का संयोजन करने में लगे हुए हैं। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि पक्षियों की थीम पर ही इस मूर्तिकला कैंप का आयोजन किया जा रहा है। सुल्तानपुर का पक्षी विहार हरियाणा के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां रह साल सर्दियों के मौसम में विदेशों से तरह-तरह के पक्षी आते हैं। शिविर समापन के बाद स्थाई रूप से ये मूर्तियां पक्षी विहार की शोभा बनकर यहीं रखी जाएंगी। कला एवं सांस्कृतिक विभाग इस विरासत को हरियाणा राज्य के पर्यटन विभाग को सौंप देगा।

अलमारी में रखे जेवरात और साढ़े 73 हजार की नकदी चोरी

सोहना। खंड के गांव खेड़ला में लोहे की अलमारी में से जेवरात व नकदी चोरी हो गई। सोहना सदर थाना पुलिस ने मकान मालिक की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरु कर दी है। गांव खेड़ला निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उसके 12 सितम्बर को मकान में रखी लोहे की अलमारी की जांच की थी। जांच के दौरान अलमारी में रखे जेवरात व नकदी सही रखें हुए थे। लेकिन चार दिन बाद उसने अलमारी को किसी काम के लिए खोला था। खेलने के दौरान उसे अलमारी का सामान बिखरा हुआ नजर आया। जांच करने पर अलमारी में रखें सोने के जेवरात व 73500 रुपये की नकदी गायब मिली। वह अलमारी के ताले की चाबी को घर के अंदर ही रखता था। अलमारी की चाबी भी उसे उसी स्थान पर रखी मिली। जहां पर वह रोजाना रखता था।

पुलिस ने चैनस्नेचिंग मामले में दो बदमाशों को दबोचा

सोहना। सोहना अपराध शाखा पांच पुलिस ने भोंडसी में महिला के गले से सोने की चैन झपटकर भागने के वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को सोहना की चुंगी नंबर एक पास से गिरफ्तार किया है। सोहना अपराध शाखा पांच पुलिस टीम ने सोमवार की रात को गश्त के दौरान दो बदमाशों को उस समय गिरफ्तार किया। जब वे दोनों बदमाश अपराधिक वारदात को अंजाम देने की फ्रिाक में खडें हुए थे। जिनकी पहचान पहचान जितेंद्र उर्फ जीतू व दीपक के रूप में हुई। बदमाश दीपक ने पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में लूट व चोरी की तीन वारदातें स्वीकार की है। यें तीनों ही वारदातें अलग-अगल थाना क्षेत्र की है। ज्ञात रहे कि जितेन्द्र उर्फ जीतू व दीपक ने 9 सितम्बर को भोंडसी की रेयान इंक्लेब कॉलोनी निवासी रीता सिंह के गले से सोने की चैन उस समय झपटी थी। जब रीता सिंह सुबह साढ़े 7 बजे वह अपने बेटा को स्कूल बस में बैठाने के लिए आई थी। जैसे ही रीता सिंह ने बेटा को बस बैठाने के बाद घर के लिए चलने लगी। तभी बाइक पर सवार होकर आए जितेंद्र उर्फजीतू व दीपक ने योजना बनाकर रीता सिंह के गले से सोने की चैन को झपटने के बाद बाइक को तेजी से दौड़ते हुए सोहना की तरफभाग गए थे।

फेक आईडी से महिलाओं की अश्लील फोटो बनाने वाले दो दबोचे

गुरुग्राम। इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाकर लड़कियों, महिलाओं की फोटो को अश्लील बनाने, मार्फिंग कर फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को काबू किया है। उनके पास से वारदात में प्रयोग किए गए 1 टैब व 4 सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके पूछताछ की जा रही है। पुलिस थाना साईबर अपराध पश्चिम की पुलिस टीम को 2 शिकायतें मिली थी। जिसमें कहा गया कि सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाकर उनकी फोटो को अश्लील बनाने/मॉर्फिंग कर फोटो को वायरल किया गया है। इन शिकायतों की पुष्टि करने उपरान्त पुलिस थाना साईबर अपराध पश्चिम में केस दर्ज किए गए। इसके बाद थाना प्रबंधक इंस्पेक्टर सवित के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से आरोपियों तक पहुंचने का काम शुरू किया। जांच-पड़ताल के बाद पुलिस टीम ने पालम विहार से दो आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की। इन दोनों की पहचान अभिषेक निवासी गांव औरों जिला नवादा बिहार व राहुल खान निवासी भागू की ढाणी तहसील किशनगढ़ जिला खैरथल राजस्थान के रूप में हुई है। ये ही लड़कियों और महिलाओं के अश्लील फोटो तैयार करके वायरल करते थे। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर फेक आई बनाकर फोटो को अश्लील बनाने/मॉर्फिंग कर वायरल किया था। आरोपी राहुल खान ने इंस्टाग्राम अकाउंट को हैक करके फोटो अश्लील बनाकर वायरल किए थे। आरोपियों ने पीड़िताओं, शिकायतकर्ताओं को परेशान करने के लिए उनके फोटो को मॉर्फ/एडिट करके अश्लील बनाया। फिर उन अश्लील फोटो को सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इस मामले में पुलिस आगे भी जांच कर रही है।

वजीराबाद गांव में सफाई का बुरा हाल

गुरुग्राम। स्वच्छता में टॉप10 में आने के लिए नगर निगम आम जनता से स्वच्छता की उम्मीद रखता है, खुद काम करने की नीयत नहीं है। स्वच्छता के नाम पर मिलेनियम सिटी में खानापूर्ति हो रही है। गांव के धर्म सिंह यादव, जगत यादव, धर्मवीर, पवन, जगदीश, मामचंद, रामानंद ने कहा कि गांव में चारों तरफ गंदगी फैली पड़ी है। गाय गंदगी खा रही है। सफाई के नाम पर खानापूर्ति ही हो रही है। यहां जगह-जगह पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। गंदगी फैलती ही जा रही है। उसे उठाने के लिए कुछ नहीं हो रहा। स्वच्छता के दावे तो नगर निगम करता है, लेकिन हकीकत कहीं नजर नहीं आती। सूरजभान, बलराम, विजय आदि ने बताया कि सफाई के लिए नगर निगम बहुत लापरवाह है। कूड़ा उठाने के लिए कहीं सक्रियता नजर नहीं आती। गांव की गलियों में गंदा पानी बहता रहता है। पैदल निकलना दुभर है। गदंगी से उठने वाली बदबू से लोग परेशान हैं। लोगों का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। गदंगी से बीमारियां पैदा होने का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने कहा कि जिस हम गौ माता कहते हैं, वह गाय गंदगी में मुंह मारती रहती है। गायों को गौशालाओं में ले जाने के लिए कोई नहीं आता। मानव आवाज संस्था के संयोजक एडवोकेट अभय जैन ने कहा कि नगर निगम यह जवाब दे कि करोड़ों रुपये खर्च नगर निगम कर रहा है, फिर भी सफाई का बुरा हाल है। अधिकारी कुछ सुन नहीं रहे। कुछ नहीं कर रहे। अधिकारी कभी फील्ड में जाकर भी नहीं देखते। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। अभय जैन ने कहा कि जिस मिलेनियम सिटी को दिखाकर सरकार विदेशों से पूंजी निवेश कराती है, उस शहर की खुद हकीकत जाने।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत शहर में बनेंगे स्मार्ट शौचालय

वाईफाई, सीसीटीवी और मोबाइल चार्जर की होगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वच्छ भारत अभियान के तहत शहर में जल्द ही स्मार्ट शौचालय बनेंगे। शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से गठित टीम ने स्मार्ट सिटी अहमदाबाद का दौरा कर स्मार्ट शौचालयों पर रिपोर्ट तैयार कर ली है। जल्द ही रिपोर्ट प्रदेश सरकार को दी जाएगी। अहमदाबाद में लगे स्मार्ट शौचालयों में वाईफाई, सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल चार्जर और सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें मिली हैं। ऐसे ही स्मार्ट शौचालय शहर में लगाए जाने हैं।

प्रदेश सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट टॉयलेट लगाने की योजना पर काम कर रही है। इसके तहत स्मार्ट सिटी अहमदाबाद में लगे स्मार्ट शौचालयों की तर्ज पर प्रदेश के कुछ जिलों में शौचालय लगाने की योजना है। इसे लेकर करनाल नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा और नगर निगम फरीदाबाद के कार्यकारी अभियंता मुख्यालय नितिन कादियान बीते सप्ताह अहमदाबाद गए थे। दोनों अधिकारियों ने अहमदाबाद में लगे छह स्मार्ट शौचालयों को देखा। इसमें साइबर कैंटोनमेंट रोड, हवाई अड्डा के पास, नमस्ते सर्कल

स्वामीनार मंदिर, मानेक चौक न्यू रानीपुर, वी सिंधु बावन रोड और गोटीला गार्डन शामिल हैं। इसमें तीन शौचालय दो साल पहले लगे थे और शौचालयों का रखरखाव बेहतर मिला। हालांकि ऐसे शौचालय अहमदाबाद शहर में 31 स्थानों पर एक निजी कंपनी की मदद से स्थापित किए गए हैं। इनके निर्माण में बीस फीसदी स्मार्ट सिटी और 80 फीसदी निजी एजेंसी द्वारा भुगतान किया गया है। अहमदाबाद के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में एक शौचालय बनाने की कीमत करीब 20-25 लाख रुपये आ रही है। स्टेनलेस स्टील शौचालयों में महिला स्वच्छता के लिए सेनिटरी पैड वेंडिंग मशीन है और पैड प्रयोग करने के लिए पांच रुपये का सिक्का देना होगा। इसके अलावा ऑडियो युक्त सीटीवी कैमरे, वाईफाई समेत अन्य सेवाएं उपलब्ध हैं। टीम ने पाया कि शौचालय प्रयोग के लिए एक रुपये, दो रुपये, पांच रुपये लिए जा रहे हैं।

स्मार्ट शौचालय नीला रंग पुरुषों और पिंक कलर का महिलाओं के लिए है। एक यूनिट में दो टॉयलेट का इंतजाम किया गया है। सभी शौचालय अच्छे और साफ-सुथरा पाए गए। टीम ने इसकी रिपोर्ट तैयार कर ली है और जल्द ही सरकार को सौंप दी है। टीम का मानना हैं कि स्मार्ट शौचालय समय की मांग हैं और ऐसे शौचालय कम जगहों पर भी लगाए जा सकते हैं।

फरीदाबाद से गोवा ले जाई जा रही 20 लाख की शराब पकड़ी

102 पेटी अंग्रेजी शराब सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच एनआईटी प्रभारी नरेंद्र कुमार व उनकी टीम ने अवैध शराब तस्करी करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अनुमानित करीब 20 लाख से अधिक कीमत की अवैध अंग्रेजी शराब सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रोहन, पंकज तथा बिन्नू का नाम शामिल है। आरोपी रोहन फरीदाबाद के सेक्टर 21बी में रहता था, वहीं पंकज तथा बिन्नू उत्तर प्रदेश के आगरा के रहने वाले हैं, जो आगरा की पंडित ट्रांसपोर्टर कंपनी में ड्राइवरी का काम करते हैं। क्राइम ब्रांच की टीम रात को बजे गश्त कर रही थी

कि सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी अवैध अंग्रेजी शराब को गाड़ी में भरकर गोवा सप्लाई करने की फिराक में है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच टीम डबुआ मंडी पहुंची, जहां पर आरोपियों को केंटर में अवैध शराब सहित काबू कर लिया। केंटर में से 102 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। जिसमें 77 पेटी रेड लेबल, 21 पेटी ब्लैक लेबल तथा चार पेटी द ग्लेनलिवेट की शामिल थी। पुलिस ने केंटर में भरी अवैध शराब को पुलिस कब्जे में ले लिया और आरोपियों को डबुआ थाने लाकर उनके खिलाफ अवैध शराब अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले में पूछताछ शुरू की।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि यह शराब फरीदाबाद के रहने वाले करण नाम के ठेकेदार की है, जो इसे गोवा सप्लाई करना चाहता था। गोवा में यह शराब महंगी मिलती है, इसलिए इसे यहां से तस्करी करके गोवा ले जाने का प्लान था, ताकि अवैध शराब गोवा में बेचकर मोटा पैसा कमाया जा सके। इसके लिए करण ने अपने साथी रविंदर को गाड़ी बुक करने के लिए कहा। रविंद्र ने आगरा के पंडित ट्रांसपोर्ट कंपनी से एक केंटर बुक किया।

केंटर चालक पंकज तथा बिन्नू डबुआ मंडी में अपना केंटर लेकर पहुंचे, जहां पर रोहन ने केंटर में शराब लोड करवाई। पूछताछ में सामने आया कि इसमें करण का एक अन्य साथी कमलजीत भी शामिल है। आरोपी करण, रविंद्र तथा कमलजीत अभी फरार चल रहे हैं, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में गहनता से पूछताछ करने के लिए आरोपी रोहन को पुलिस रिमांड पर लिया जा रहा है और वहीं आरोपी ड्राइवर पंकज तथा बिन्नू को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में जांच जारी है और पूछताछ के बाद कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों को मिली 20 साल की कैद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सामूहिक दुष्कर्म करने के तीन आरोपियों को अदालत ने मंगलवार को 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही एक आरोपी पर 60 हजार व दो आरोपियों पर 40-40 हजार का जुर्माना भी लगाया है। तीन लोगों ने वाईएमसीए चौक से महिला को अपहरण कर सारन गांव में दुष्कर्म किया था।

जानकारी के अनुसार 27 वर्षीय महिला पलवल के स्पा सेंटर में काम करती थी। 22 दिसंबर 2021 को वह ऑटो से पलवल से फरीदाबाद जा रही थी। वाईएमसीए चौक के पास से पीड़ित महिला को मथुरा निवासी आरोपी राजू, नीरज व भरतपुर निवासी रिंकू जोकि सारण गांव में किराए पर रह रहे थे, उसे अपहरण कर गांव के मकान में ले गए। वहीं दोषियों ने पीड़िता से सामूहिक दुष्कर्म किया। महिला ने आरोपियों से छूटने के बाद फरीदाबाद पुलिस को मामले की जानकारी दी। पीड़ित महिला की शिकायत पर 24 दिसंबर 2021 को मामला दर्ज किया। एक साल आठ महीने चली अदालती कार्रवाई के बाद फरीदाबाद की अतिरिक्त सत्र न्यायधीश ज्योति लांबा की अदालत ने तीनों आरोपियों को अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म का दोषी पाया व 20 साल की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी राजू पर 60 हजार रुपये का जुर्माना तथा नीरज व रिंकू पर 40-40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने पर अदालत ने सुनाई 10 साल की सजा

फरीदाबाद। मंगलवार को 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने पर दोषी को फरीदाबाद की अदालत ने 10 साल की सजा व 55 हजार का जुर्माना लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची सात मई 2018 को जब सामान खरीदने के लिए बाजार गई थी तो राजकुमार उर्फ राजा उसे अपने घर काम करवाने के बहाने ले गया।

संक्षिप्त समाचार

संजीव मंगल की पुण्यतिथि पर लगाया रक्तदान शिविर

पलवल। संजीव मंगल फाउंडेशन तथा भारत सेल्स के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को भारत सेल्स सैमसंग कैफे पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पलवल इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष संजीव मंगल एडवोकेट की पुण्यतिथि में आयोजित शिविर में 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर अपना ब्लड बैंक के अध्यक्ष डॉक्टर प्रशांत गुप्ता ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई पुनीत कार्य नहीं है। संजीव मंगल ने जीते जी पलवल शहर में रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक कर एक ऐसी मुहिम चलाई, आज इस इलाके में रक्तदान के प्रति लोगों में काफी जागरुकता है। उनके प्रयासों से ही जिले में सरकारी रक्त बैंक की स्थापना हुई। उनकी दूरगामी सोच तथा प्रयासों का नतीजा है कि आज पलवल में रक्त बैंक खुले हुए हैं तथा लोग लगातार रक्तदान कर रहे हैं। हमें उनके प्रयासों को उनकी सोच को आगे बढ़ना चाहिए तथा हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। भारत सेल्स के संचालक दिनेश आर्य ने कहा कि वह तथा उनकी पूरी टीम रक्तदान के प्रति लोगों को जागरुक कर रही है तथा लगातार रक्तदान शिविर कर लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। संजीव मंगल फाउंडेशन के अध्यक्ष अनुभव मंगल ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि पलवल में ज्यादा से ज्यादा रक्तदान शिविर लगाए जाएं। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार तेवतिया, पूर्व अध्यक्ष सुनील डगर, आर्य समाज के पूर्व अध्यक्ष यशपाल मंगल, पूर्व पार्षद अनीता मंगल, रितु मंगल, मनजीत डागर, जितेंद्र गुप्ता सहित काफी लोग मौजूद थे। इससे पूर्व यज्ञ का आयोजन किया गया तथा जिला नागरिक अस्पताल में मरीजों को भोजन कराया गया।

फ्रेशर पार्टी में विद्यार्थियों ने दिखाई बहुमुखी प्रतिभा

पलवल। मंगलवार को एनआईटी-86 विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता यशवीर डागर के कॉलेज रत्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट पलवल में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ उपमहापौर फरीदाबाद देवेंद्र चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विशेष अतिथि के रूप रत्न ग्रुप के डायरेक्टर अरूण डालमिया, भाजपा जिला आईटी सेल के प्रमुख अमित मिश्रा, एनआईट-86 विधानसभा से संतोष धनखड़, तिलक कथूरिया, महेंद्र रावत, वीरेंद्र सरपंच, लुकेंद्र सिंह, मेजर सतबीर सिंह, सतीश दलाल, सुंदर लाल चुग, विजेंद्र यादव, अशोक पंडित, हर्ष कथूरिया मौजूद रहे। यह कार्यक्रम रत्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा के नेतृत्व में किया गया। जिसमें डिपार्टमेंट के टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ रहा। कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थी मौजूद रहे।

जेसीबी से दीवार तोड़कर लाखों की नकदी व सामान ले गए चोर

फरीदाबाद। शहर में चोरों को हौंसले इतने बुलंद हो गए है कि जेसीबी से दीवार तोड़कर एक भवन निर्माण सामग्री के कार्यालय से तीन लाख से अधिक रुपये व लैपटॉप चुरा कर ले गए। मामला पर्वतिया कॉलोनी का है। सारन थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर 56ए निवासी देवेन्द्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया पर्वतिया कॉलोनी स्थित तेवतिया पेट्रोल पंप के पास भवन निर्माण सामग्री का कार्यालय है। 16 सितंबर की शाम कार्यालय बंद कर घर चला गया था। अगले दिन सुबह आकर देखा उनके कार्यालय की दीवार टूटी हुई थी। अंदर से एक लैपटॉप और तीन लाख से अधिक नकदी गायब थी। अपने स्तर पर जांच करने पर पाया आरोपियों ने उनके यार्ड में खड़ी जेसीबी से ही कार्यालय की दीवार तोड़ी थी। आरोपियों ने यार्ड में खड़े ट्रैक्टर को भी नुकसान पहुंचाया। आरोप हैं ट्रैक्टर और जेसीबी से काफी मात्रा में डीजल भी चोरी किया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

नियमित योग व पौष्टिक आहार स्वस्थ जीवन की कुंजी

फरीदाबाद। महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग की ओर से एनआईटी-2 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। आयुष विभाग से योग शिक्षक विकास यादव द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को योग की बारीकियां सिखाएं गई। इस दौरान परियोजना अधिकारी सुरेखा देवी ने 0-6 माह के बच्चों के लिए मां के दूध के महत्व के विषय में महिलाओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नियमित योग व पौष्टिक आहार स्वस्थ जीवन की कुंजी है। अधिकारी सुरेखा ने कहा कि पोषण माह के तहत विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें कुपोषण से पीड़ित बच्चों और महिलाओं को जागृति मिलेगी और वे अपनी खुराक की ओर पूरा ध्यान देंगे, जिससे जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि यदि कोई बच्चा पोषण लेने के लिए प्रतिबद्ध होगा तो निश्चित रूप से वे इसकी जानकारी अपने परिवार में साझा करेंगे, जिससे परिवार के अन्य सदस्यों को भी प्रेरणा मिलेगी। यदि कोई समस्या महसूस हो रही हो तो स्थायी निवासियों से संपर्क करना चाहिए। हर महिला स्वस्थ बच्चे को जन्म देना चाहती है। इसके लिए गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार का सेवन पर्याप्त मात्रा में करना अत्यंत आवश्यक है। गर्भवती महिला को ऐसा आहार ग्रहण करना चाहिए जो उसके गर्भस्थ शिशु का पोषण करे। इस अवसर पर सुपरवाईजर कमला दलाल, स्मिता धीमान, रेनू चौधरी सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

सीमा त्रिखा ने एनआईटी में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया

फरीदाबाद। बड़खल विधानसभा क्षेत्र के लोगों को विधायक सीमा त्रिखा ने एक और बेहतरीन सौगात भेंट की। एनआईटी दशहरा ग्राउंड के पीछे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया। जिसकी क्षमता दो एमएलडी पानी की है। इसमें एनएच-3 रिहायशी क्षेत्र के सीवर का पानी आएगा। इस पानी का प्रयोग बिल्डिंगों के निर्माण, पार्कों आदि में किया जाएगा। पांच साल की मेंटिनेंस के साथ इस प्लांट की पर दो करोड़ 94 लाख रुपए खर्च होंगे। विधायक ने कहा कि बड़खल विधानसभा क्षेत्र के लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या से दो-चार नहीं होना पड़ेगा। चाहे सीवर की समस्या हो, पीने के पानी की समस्या हो, जल भराव, बिजली, सड़क या पार्कों की। आने वाले समय में बड़खल विधानसभा का एक अलग स्वरूप उभरकर लोगों के सामने आएगा। निश्चित रूप से जब कार्य चलते हैं तो लोगों को परेशानियां उठानी पड़ती हैं। मगर जब यह काम पूर्ण हो जाएंगे, तो बड़खल विधानसभा क्षेत्र विकास के मामले में अव्वल होगा। दशहरा ग्राउंड के पीछे बनाया गया एसटीपी प्लांट बहुत हद तक क्षेत्र के लोगों के सीवरेज पानी की समस्या को दूर करने में सहायक सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त इसके पानी का इस्तेमाल मकानों के निर्माण, पार्कों में लगे पौधों में पानी छिड़कने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़खल विधानसभा क्षेत्र में कई जगह अधूरे पड़े कार्यों के चलते लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं।

एमवीएन विश्वविद्यालय में फार्माकोविजिलेंस पर व्याख्यान हुआ

पलवल। एमवीएन विश्वद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस वीक के दूसरे दिन एक्सपर्ट लेक्चरर का आयोजन किया। जिसमें डॉक्टर विवेकानंदन कलाईसेलवन, सीनियर प्रिंसिपल साइंटिफिक ऑफिसर भारतीय भेषज संहिता आयोग ने फार्माकोविजिलेंस में करियर बनाने के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि फार्माकोविजिलेंस पूरी तरह से दवाइयों से होने वाले दुष्प्रभावों को नियंत्रित करता है। उन्होंने बताया कि फार्माकोविजिलेंस में बहुत सारी नौकरियां उपलब्ध हैं, सिर्फ हमें इस क्षेत्र को समझने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि फार्माकोविजिलेंस हमें कर्मचारी बनने के साथ साथ उद्यमकर्ता बनने का भी अवसर प्रदान करती है। विश्वविद्यालय के प्रबंधक संचालक कांता शर्मा, कुलाधिपति वरुण शर्मा, कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग, उप कुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, प्रोफेसर विवेक आहूजा, कुलसचिव डॉक्टर राजीव रतन ने इसकी सराहना की और कहा कि इस प्रकार के एक्सपर्ट लेक्चरर विद्यार्थियों को समझाते हैं कि इंडस्ट्रीज विद्यार्थियों से नौकरी के दौरान क्या चाहती हैं। जिससे विद्यार्थियों को अच्छी इंडस्ट्रीज में नौकरी मिलना आसान हो जाता है।

मेगा सफाई अभियान के दौरान 450 टन कूड़ा भेजा बंधवाड़ी

फरीदाबाद। नगर निगम ने मेगा सफाई अभियान के तहत 450 टन कूड़ा बंधवाड़ी भेजा है। नगर निगम की ओर से 15 सितंबर से दो अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। निगम आयुक्त ए मोना श्रीनिवास ने इसे सफल बनाने के लिए नगर निगम की संयुक्त आयुक्त अलका चैधरी को प्रभारी नामित किया गया है। इस मुहिम के तहत एक व दो अक्टूबर को स्वच्छता समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सफाई कर्मचारियों और स्वयंसेवकों, आरडब्ल्यूए व एनजीओ आदि में से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करते हुए पुरस्कार दिए जाएंगे। निगमायुक्त ने बताया कि वार्ड 35, एमवीएन स्कूल, सीही रोड़, पंजाबी धर्मशाला, झारसेतली फ्लाईओवर, कार बाजार, वार्ड 12, वैष्णो देवी मंदिर के आसपास, कोतवाली, राजकीय विद्यालय मुजेसर वार्ड-2, मुजेसर मंदिर वार्ड-2, मुजेसर सब्जी मंडी, मुजेसर नाला की सफाई कराई।

सोशल मीडिया कार्यशाला में प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीट जीतने पर जोर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीजेपी के सोशल मीडिया कार्यशाला में प्रदेश की सभी दस लोकसभा सीट जीतने और तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने पर रणनीति बनी। इसमें सोशल मीडिया टीम को प्रचार-प्रचार करने के टिप्स भी दिए गए। कार्यशाला में 200 लोगों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि आज के डिजिटल युग को देखते हुए साल 2024 की जीत में सोशल मीडिया भाजपा का मुख्य हथियार बनेगा।

बीजेपी सोशल मीडिया नेटवर्क को धार देने के लिए शंखनाद अभियान के तहत जिला स्तर पर सोशल मीडिया कार्यशालाओं का आयोजन किया रही है। पार्टी कार्यालय में हुए कार्यक्रम में जिला महामंत्री और सोशल मीडिया प्रभारी मूलचंद मित्तल ने कहा कि भाजपा सोशल मीडिया के कार्यकर्ता संगठन के महत्वपूर्ण कार्यकर्ता हैं, जो पार्टी के लिए दिन रात समर्पित होकर दिन सक्रिय रहते हैं और विरोधियों के

दुष्प्रचार और गलत नेरेटिव का मुकाबला करते हैं। कार्यशाला में सोशल मीडिया के माध्यम से जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग को देखते हुए साल 2024 की जीत में सोशल मीडिया भाजपा का मुख्य हथियार बनेगा। जिला मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुख विनोद गुप्ता ने बताया कि साल 2024 चुनाव को लेकर भाजपा सोशल शाखा को ज्यादा मजबूत करने के लिए देश और प्रदेश भर में शंखनाद अभियान चलाया हुआ है। जिसके तहत भी जिलों में लगातार जिला कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में राष्ट्रीय और प्रदेश टीम से आए सोशल मीडिया के लोग कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। संयोजक अमित मिश्रा ने कहा कि आज की राजनीति में सोशल मीडिया की अहम भूमिका है। प्रशिक्षण एक निरंतर प्रक्रिया है और संगठन लगातार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के माध्यम से अपडेट करते रहते हैं। कार्यशाला में जिले के डिजिटल योद्धाओं को सोशल मीडिया के अलग अलग विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई ताकि 2024 के लोकसभा चुनाव जीतें।

मानव रचना में चिकित्सा क्षेत्र में नवीत प्रगतियों पर चर्चा हुई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मानव रचना सेंटर फॉर हेल्थ इनोवेशंस ने द इंडियन मेडिकल एसोसिएशन फरीदाबाद के सहयोग से डॉक्टर कांक्लेव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरीन नवाचारों के साथ बदलाव लाने के लिए चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों से विशेषज्ञ एक मंच पर एकजुट हुए। कांक्लेव में चिकित्सा क्षेत्र में तकनीकी प्रगति और सहयोगों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत में सीएचआई की निदेशक प्रोफेसर डॉ. मनीषा सिंह ने स्वास्थ्य सेवा नवाचार पर विचार सांझा किए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नई तकनीकों की जरूरत पर बात करते हुए कहा कि सीएचआई एक सहयोगी मंच है, जोकि बेहतर स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्रदान करने के लिए तमाम विधाओं से जुड़े उद्यमियों को साथ लाने का काम करता है। सीएचआई के अध्यक्ष और उद्योगपति प्रोफेसर

डॉ. प्रशांत झा ने सीएचआई के उद्देश्यों और दृष्टिकोण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह सेंटर चिकित्सा पेशेवरों, इंजीनियरों और प्रबंधन से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाकर स्वास्थ्य क्षेत्र में जरूरी बदलावों के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा उद्योग के लिए रचनात्मक और नवीन समाधानों को बढ़ावा देना है। डॉ. वीणा सिंह ने वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य पर आधारित तकनीकी प्रगति पर ज्ञानवर्धक जानकारी दी। उन्होंने रोगियों को बेहतर देखभाल और उपचार प्रदान करने के लिए इन प्रगति से हुए प्रभावों के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम के दौरान आईएमए फरीदाबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. दिनेश गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सभी को संबोधित करते हुए उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की बात कही। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. हर्ष ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम स्वास्थ्य देखभाल समुदाय के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में उठाए जाने बेहद जरूरी है। सेंटर फॉर हेल्थ इनोवेशंस (सीएचआई) एक सहयोगी मंच है जो बेहतर स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े समाधान प्रदान करने के लिए इंजीनियरों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को एक मंच पर लेकर आता है।

सीएचआई मुख्य रूप से पांच नवाचारों के लिए कार्यरत है- जिनमें मातृ एवं शिशु देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य, सस्ते चिकित्सा उपकरण, स्वास्थ्य डेटा इंटेलिजेंस और खेल व कल्याण शामिल हैं। डॉक्टर्स कांक्लेव ने चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की प्रतिबद्धता को पेश किया। इसमें भरोसा जताया गया।

युवा समारोह की तैयारियों के लिए 29 कॉलेज के प्रतिनिधियों की हुई बैठक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की ओर से खेड़ी गुजरान राजकीय महाविद्यालय में 26 अक्तूबर से तीन दिवसीय क्षेत्रीय युवा समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर सोमवार को फरीदाबाद, झज्जर और पलवल के 29 कॉलेज के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इस दौरान रंग मंच संगीत नृत्य साहित्य तथा ललित कलाओं सहित 43 कार्यक्रमों का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। महाविद्यालय परिसर में छह स्टेज तैयार किए गए है। इस दौरान हरियाणवी कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान रहेगा।

क्षेत्रीय युवा समारोह की तैयारी को लेकर हुई बैठक में फरीदाबाद, झज्जर तथा पलवल के 29 कॉलेज के प्राचार्य एवं संस्कृति गतिविधियों के प्रभारियों ने हिस्सा लिया। इसकी अध्यक्षता खेड़ी गुजरान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता मलिक ने किया। उन्होंने बताया कि छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर महिला कॉलेज में अलग से विंग बनाया जाएगा। वहां, सुरक्षा का विशेष इंतजाम किया जाएगा। उत्सव के दौरान केवल उन्हीं विद्यार्थियों को प्रवेश होगा जो महाविद्यालय का पहचान पत्र लेकर आएंगे।

युवा समारोह का आयोजन 26, 27 और 28 अक्तूबर को किया जाएगा। बैठक में रंगमंच संगीत नृत्य साहित्य तथा ललित कलाओं को लेकर 43 कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस बार वेस्टर्न सोलो इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक को जोड़ा गया है। इस मौके पर विश्वविद्यालय की ओर से सहायक निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रताप राठी एवं डॉ. शमशेर सिंह अहलावत, रणवीर सिंह, डॉ. रितिका गुप्ता तथा अन्य मौजूद रहे।

विशेष सत्र

पहला दिन

संसद के विशेष सत्र का पहला दिन पुराने संसद भवन का अंतिम दिन था। अब यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि एजेंडे पर काफी रहस्य के बाद शुरू हुए संसद के विशेष सत्र में कुछ खास नहीं है। महत्वपूर्ण सुर्खी केवल यह है कि संसद के सत्र अब नये संसद भवन में हुआ करेंगे। सरकार मानसून सत्र नये भवन में करना चाहती थी, पर वह तब तक तैयार नहीं था और इसी कारण पांच दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। एक प्रकार से यह नये संसद भवन को दिखाने और पुराने भवन को अलविदा कहने का समय था जो अब एक संग्रहालय के रूप में काम करेगा। जहां अधिकांश सांसद पुरानी इमारत से विदाई के समय यादों में डूबे थे, वहीं उनको नये अद्यतन व शानदार संसद भवन में काम करने का अवसर मिलने पर खुशी भी थी। विशेष सत्र का प्रारम्भ लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण से हुआ जिसमें उन्होंने पुराने परिसर में घटी कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में बातें कीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुराना भवन अपनी समृद्ध विरासत से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपनी सरकार द्वारा पास महत्वपूर्ण विधेयकों की ओर संकेत करते हुए कहा कि पुराने परिसर में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए तथा काफी समय से लंबित समस्याओं का समाधान किया गया। मोदी ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, 'सदन हमेशा गर्व करेगा कि उसके कारण अनुच्छेद 370 समाप्त किया गया। यहां जीएसटी पास किया गया। इस सदन ने वन रैंक वन पेंशन को पास किया। पहली बार बिना किसी विवाद के देश में आर्थिक रूप से गरीब तबकों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया।'

इसके पहले संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सांसदों को सूचित किया था कि 'पूरे दिन भारतीय संसद की 75 वर्ष की यात्रा पर चर्चा होगी।' लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बजाय पूरा दिन सत्तापक्ष व विपक्ष, खासकर कांग्रेसी नेताओं के भाषणों में लग गया। विपक्ष के नेता मल्लिार्जुन खड़गे ने सीधे-सीधे सरकार पर यह कह कर हमला बोला कि विपक्ष के स्वर दबाने के लिए कथित रूप से सीबीआई-ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है। नेहरू का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा, उनका विश्वास था कि मजबूत विपक्ष के अभाव में व्यवस्था में कुछ कमियां आ जाती हैं। यदि विपक्ष मजबूत नहीं होगा तो यह ठीक नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि अब जब विपक्ष मजबूत है तो उसे ईडी व सीबीआई के माध्यम से कमजोर करने का प्रयास हो रहा है। विशेष सत्र में पांच दिन में पांच बैठकें होंगी तथा आठ विधायी मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही '75 वर्ष की संसदीय यात्रा' पर भी चर्चा होगी जिसमें उपलब्धियों, अनुभवों, स्मृतियों व सबकों को याद किया जाएगा। हालांकि, देखना होगा कि सदन में कितना वास्तविक कामकाज होता है। हालांकि, अब भी संभावना है कि सरकार कुछ आश्चर्य पैदा करे, पर हर गुजरते मिनट के साथ यह संभावना धूमिल होती जा रही है। अधिकांश सांसदों का मानना है कि हमें पूर्वाग्रहों में जकड़े रहने के बजाय 'पुराने के स्थान पर नया आने' का उत्सव मनाना चाहिए। जनता को उम्मीद है कि नये व शानदार संसद भवन में सांसद ज्यादा जिम्मेदारी से व्यवहार करेंगे, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करेंगे तथा संसद के कामकाज में बाधा नहीं डालेंगे। आशा है कि यह परिवर्तन केवल पुराने संसद भवन से नए संसद भवन में स्थानान्तरण न होकर संसद के कामकाज में गुणात्मक सुधार का आधार बनेगा।

एक देश, एक चुनाव: महत्वपूर्ण विचार

'एक देश, एक चुनाव' का विचार अतीत की गूंज लगता है। लेकिन रास्ते की अनेक बाधाओं के बावजूद इसे लागू करने का समय आ गया है। यह भारत में ऐतिहासिक व सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनाव सुधार होगा।

माहिनकांत दुबे
(लेखक, विधि विशेषज्ञ हैं)

भले ही यह विचार सार्वजनिक विमर्श में नया लगता हो, पर वास्तव में यह अवधारणा भारतीय लोकतांत्रिक परिवेश के शुरुआती वर्षों में पूरी तरह लागू रही है। 1952 से लेकर 1967 तक एकसाथ चुनाव सामान्य बात रही है जिसने राजनीतिक व प्रशासनिक क्षेत्रों में एक संगति व निरंतरता सुनिश्चित की थी। लेकिन संगति के इस काल में 1968 और 1969 के बीच क्षरण शुरू हो गया जिसका कारण अनेक राज्य विधानसभाओं का समय के पहले भंग होना था। इसके प्रभाव से चुनावों का समय अपरिहार्य रूप से बाधित हुआ। हालांकि, एकसाथ चुनाव के लाभ व हानि पर जोरदार बहस हुई है, पर यह स्वीकार करना जरूरी है कि न्यायपालिका ने परोक्ष रूप से राजनीतिक स्थायित्व की आवश्यकता पर सहमति जताई जो 'एक देश, एक चुनाव' के पीछे महत्वपूर्ण तर्क है। 1992 में किहोटो होल्लोहान बनाम जाचिलू एवं अन्य तथा 1994 में एसआर बोम्मई बनाम भारत सरकार मामलों में फैसले इस संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, इन मामलों में सीधे एकसाथ चुनाव का मुद्दा विचारणीय नहीं था, पर इन फैसलों के प्रभाव दूरगामी रहे। सर्वोच्च न्यायालय ने किहोटो होल्लोहान मामले में दलबदल-विरोधी कानूनों की संवैधानिकता को सही ठहराया और इस प्रकार विधायी स्थायित्व पर जोर दिया। इसी प्रकार एसआर बोम्मई मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कैबिनेट की सलाह पर अनुच्छेद 356 का प्रयोग कर राष्ट्रपति शासन लागू करने पर सवाल उठाए। उसने लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राज्य सरकारों की पवित्रता पर जोर दिया। मूल रूप से इन उल्लेखनीय फैसलों ने राजनीतिक स्थायित्व पर न्यायपालिका का दृष्टिकोण स्पष्ट किया। इस प्रकार इसने अंतर्निहित रूप से 'एक देश, एक चुनाव' का विचार सही ठहराया जिसका लक्ष्य ज्यादा स्थिर व अनुमान योग्य राजनीतिक परिवेश बनाना है।

अलग-अलग चुनाव के वित्तीय प्रभाव बहुत अधिक होते हैं। लोकसभा व राज्य विधानसभा चुनावों के लिए आंकड़े आश्चर्यजनक हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो स्पष्ट होता है कि 2014 में आम चुनाव पर सरकारी खजाने से 3,870 करोड़ रुपये खर्च हुए। इस धनराशि से आसानी से अनेक महत्वपूर्ण समाज कल्याण कार्यक्रम चलाए जा सकते थे, जबकि कुल खर्च लगभग 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंचा। 2019 के चुनाव में खर्च और अधिक हुआ। अनुमान है कि यदि राजनीतिक पार्टियों तथा उम्मीदवारों के कुल खर्च पर गौर किया जाए तो यह 60,000 करोड़ रुपये से अधिक हुआ। यह 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अनुमानित खर्च 1998 में लगभग 10,000 करोड़ रुपये से बढ़ कर 2019 में लगभग 60,000 करोड़ तक पहुंच गया। लेकिन हमें इन वित्तीय आंकड़ों के आगे भी देखना चाहिए। जनता का ध्यान आदर्श आचार संहिता-एमसीसी पर उतना नहीं जाता है जितना जाना चाहिए। चुनावों की घोषणा होते ही एमसीसी लागू हो जाती है जिससे सभी नई विकास गतिविधियां तथा नीतिगत घोषणायें ठहर जाती हैं। यदि इस तथ्य पर गौर करें कि भारत में पूरे साल भर चुनाव होते रहते हैं, एमसीसी का प्रशासन पर दीर्घकालीन नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे ढांचागत परियोजनाओं में निरंतर विलम्ब होता है, नीतियों का क्रियान्वयन अनिश्चितताओं में फंस जाता है तथा दीर्घकालीन नियोजन ठंडे बस्ते में चला जाता है। इस प्रकार वर्तमान समय में लगातार लागू एमसीसी अनिवार्य रूप से प्रशासन को प्रभावित करता है।

देश को 'एक देश, एक चुनाव' माडल तक ले जाने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता होगी। संवैधानिक रूप से यह चुनौती बहुत बड़ी है। इसके लिए अनेक प्रकार के संशोधन करने होंगे। लोकसभा का कार्यकाल तय करने वाले अनुच्छेद 83-2 तथा राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल निर्धारित करने वाले अनुच्छेद 172 में संशोधन करने होंगे। हालांकि, संवैधानिक संशोधन परिवर्तन का आधार हैं, पर व्यावहारिक आयामों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। तार्किक रूप से इस परिवर्तन के लिए चुनावी ढांचे का व्यापक उच्चीकरण करना होगा। निर्वाचन आयोग को ज्यादा एलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों-ईवीएम तथा वोटर वैरीफाइड पेपर आडिट ट्रेल्स-वीवीपैट की आवश्यकता होगी। इस आमूल परिवर्तन का संभावित समय क्या होगा? संविधान संशोधनों को तैयार करने और पास करवाने में दो साल का समय लग सकता है जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों से विमर्श भी शामिल है। कुछ राज्यों में पायलट चरण के लिए दो साल का समय और लग सकता है। इसमें सफलता मिलने पर अगले चरण में चार से 6 साल का अतिरिक्त समय लग सकता है। इस प्रकार हमारे सामने लगभग एक दशक का समय है जिसमें अनेक चुनावी चक्र पार करने होंगे। 'एक देश, एक चुनाव' का विचार भले ही विरोधाभासी लगता हो, पर यह उस देश की आकांक्षाओं के अनुरूप है जो अपनी लोकतांत्रिक भावना व प्रशासनिक क्षमता में संतुलन बनाना चाहता है। यह एक जटिल काम है जिसमें अनेक विधिक जटिलतायें तथा लाजिस्टिक चुनौतियां शामिल हैं। इसके बावजूद इसके संभावित लाभ इसे एक ऐसी अवधारणा बनाते हैं जिस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इसमें राजकोषीय जिम्मेदारी, प्रशासनिक स्थायित्व तथा प्रशासनिक फोकस शामिल हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण एवं जटिलदेश में यह परिवर्तन व्यापक रूप से महत्वपूर्ण होगा।

'एक देश, एक चुनाव' के अनेक संभावित लाभ हैं और ये राजकोषीय बचत से आगे जाते हैं। इस विचार से भारतीय राजनीतिक परिदृश्य के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। इस स्थायित्व से प्रशासन ज्यादा जवाबदेह व पारदर्शी हो जाएगा। लेकिन इस बारे में अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य क्या है? एक उदाहरण ब्रिटेन है जहां दशकों से 'स्नैप पोल' या त्वरित चुनाव की परिघटना चल रही है। इसका कारण अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार का गिरना या सत्तारूढ़ पार्टी का निर्णय है। इसके चलते 2011 में फिक्सड टर्म पालियामेंट्स एक्ट में परिवर्तन हुआ जिसकी पैरोकारी तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड कैमरन ने की थी। इस कानून के अनुसार आम चुनाव हर पांच साल पर मई के पहले गुरुवार को होंगे। इस संविधान ने ब्रिटिश चुनावी प्रक्रिया के बारे में अनुमान लगाना संभव हुआ है। यह उन अन्य लोकतंत्रों के लिए संदर्भ है जो अपनी चुनाव व्यवस्था को सुचारु बनाना चाहते हैं। 'एक देश, एक चुनाव' विचार क्रियान्वित करने के लिए अनेक संवैधानिक प्राविधानों में तालमेल बनाना होगा। राष्ट्रपति शासन की अनुमति देने वाले अनुच्छेद 356 तथा केन्द्र सरकार के निर्देश पाजन में विफलता पर प्रयोग होने वाले अनुच्छेद 365 निर्धारित समय में चुनाव प्रक्रिया में बाधा डाल सकते हैं। इस प्रकार संविधान संशोधन के माध्यम से इन अनुच्छेदों में संशोधन जरूरी होंगे ताकि एकसाथ चुनाव कराने की मजबूत विधिक नीव डाली जा सके। इसके साथ ही भारतीय निर्वाचन आयोग में व्यापक ढांचागत व लाजिस्टिक परिवर्तन करने होंगे। इसके लिए विस्तृत पूर्व-नियोजन जरूरी होगा। एक व्यापक डेटाबेस तैयार करना तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि मतदान सूचियां सटीक हों और लगभग 130 करोड़ जनता के लिए उपयुक्त हों। इस परिवर्तन की व्यापकता को देखते हुए कोई कह सकता है कि इसके पूर्ण क्रियान्वयन के लिए एक दशक काफी नहीं है।

यथार्थ है कि 'एक देश, एक चुनाव' एक दृष्टिकोण है जिस पर गंभीरता से विचार जरूरी है। यह बड़े पैमाने का जुआ है जिसमें असाधारण परिवर्तन की संभावना है। इसके लाभों में प्रशासनिक दायित्व, राजकोषीय जवाबदेही व प्रशासनिक सुविधा सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती है। इससे भारत में व्यापक प्रशासनिक परिवर्तन आएंगे। जिस देश में हर नीति तथा हर सुधार पर व्यापक बहस व आलोचना होती है, वहां निश्चित रूप से 'एक देश, एक चुनाव' बाधाओं से भरा है। लेकिन यह ऐसा विचार है जिसका समय आ गया है। भारतीय राजनेताओं को सामूहिक विवेक से एक रोडमैप तैयार करना चाहिए जो भारतीय इतिहास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनाव सुधार का मार्ग प्रशस्त कर सके।

एक सफल नेता की विशेषताएं

सलाह को स्वीकार करते हुए, शिष्य ने बिना किसी चूक के, बिना विचलित हुए, तलवार उठा ली। अनुचर को अद्भुत चेहरे पर तलवार चलाते देख योद्धा आश्चर्यचकित रह गया।

रवि वल्लूरि
(लेखक, रेलवे विभाग से जुड़ें हैं)

एक बार एक पहाड़ी की चोटी पर एक उत्कृष्ट चाय बनाने वाला बैठा था। शिल्प में उनकी कुशलता अद्वितीय थी। जिज्ञासु दर्शकों की लम्बी कतारेंए प्रशिक्षु बनने की चाह रखने वाले युवा और चाय नामक जीवन के अमृत का स्वाद चखने के इच्छुक चाय प्रेमी उनके आवास के बाहर एक आम दृश्य थे।

एक दिन एक चिड़चिड़े समुराई ने मास्टर की चाय पीते समय अपनी जीभ काँपना शुरू कर दिया। क्रोधित और क्रोधित होकर, उसने स्वामी को द्वंद्वयुद्ध के लिए चुनौती दी। मैं रणनीति और युद्ध में अनभिज्ञ हूं। मेरा पूरा जीवन चाय बनाने की कला को निखारने में बीता है, चाय बनाने वाले ने कहा। उन्होंने अपनी विरासत और प्रतिष्ठान की बागडोर अपने पसंदीदा छात्र को सौंपने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। उसे अपनी तलवार देते हुए, उसने ग्रीनहॉर्न से उसी तरह हथियार उठाकर चुनौती देने वाले का सामना करने को कहाए जैसे उसने चाय का बर्तन उठाया था। सलाह को स्वीकार करते हुए, शिष्य ने बिना किसी चूक के, बिना विचलित हुए, तलवार उठा ली। अनुचर को अद्भुत चेहरे पर तलवार चलाते देख योद्धा आश्चर्यचकित रह गया। कहानी से पता चलता है कि कैसे अधिक प्रभावशाली दिखने के लिए कई कौशलों में महारत हासिल करने की कोशिश करने की तुलना में एक शिल्प में महारत हासिल करना अधिक महत्वपूर्ण है। निश्चित रूप से, एक व्यक्ति एक साथ कई काम कर सकता है, लेकिन केवल अपनी कला में पारंगत होने के बाद ही।

मुख्य योग्यता मायने रखती है

एक विपणन रणनीति के रूप में, टाटा और रिलायंस समूह जैसे निगमों ने अपने उत्पादों के साथ इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को तहस-नहस कर दिया है। उनकी

मूल योग्यता पर ध्यान कभी नहीं भटकता, भले ही वे विभिन्न उत्पाद श्रृंखलाओं में विविधता लाते हों। इमरान खान, कपिल देव, गैरी सोबर्स, करिश्माई चैपल बंधु और शॉन पोलक जैसे असाधारण हरफनमौला क्रिकेटरों ने अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट के खेल को सुशोभित किया है। आधुनिक भौतिकी के दो स्तंभों में से एक, अल्बर्ट आइंस्टीन को पियानो बजाने की उनकी क्षमता के बजाय उनके वैज्ञानिक योगदान के लिए अधिक जाना जाता है, भले ही वह बाद के शिल्प में एक शौकिया से अधिक थे।

कौशलों को उन्नत एवं समृद्ध करना

किसी भी विजयी नेतृत्व का खुला रहस्य विशेष विशेषज्ञता को चमकाना और फिर अज्ञात क्षेत्रों में धावा बोलना है। मनोवैज्ञानिकों ने कुछ ऐसे आकर्षक गुणों पर ध्यान केंद्रित किया है जो जश्न मनाने वाले व्यक्तियों और संगठनों को पैदल चलने वालों से अलग करते हैं। ये बौद्धिक और व्यक्तिगत कौशल हैं और रचनात्मकता को इस तरह से बढ़ाना है कि विश्व मंच पर आकर्षण का केंद्र बन सकें।

बौद्धिक और व्यक्तिगत कौशल

इन कौशलों में प्राथमिक है संबंध स्थापित करनेए सहानुभूति व्यक्त करने की क्षमता। अन्य संस्कृतियों, अनुभवों, मूल्यों, दृष्टिकोणों, लक्ष्यों और इच्छाओं में रुचि जगाने की चालाकी और योग्यता अत्याधुनिकता प्रदान करती है। असाधारण नेताओं के पास सबसे जटिल और पेचीदा समस्याओं को सुलझाने और समझने का अद्भुत कौशल होता है। यह अक्सर उनके जीवन और करियर का निर्णायक क्षण होता है। लायंस ऑफ द एमराल्ड आइलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने के धोनी के महत्वपूर्ण फैसले ने भारत को 2014 विश्व कप फाइनल में जीत दिलाई। आइकोनोक्लास्टिक स्टीव जॉब्स को एप्पल से निष्कासित कर दिया गया था, जिस कंपनी की उन्होंने सह-स्थापना की थी, फिर भी उन्होंने पिक्सर की स्थापना की जिसने एनीमेशन उद्योग की रूपरेखा को नाटकीय रूप से बदल दिया।

संचार: दोतरफा प्रक्रिया

ग्लासनोस्ट और पेरेस्त्रोइका के दृष्टिकोण से परिभाषित व्यक्तित्व विशेषताएं उपलब्धि हासिल करने वालों की केन्द्रापसारक विशेषताएं हैं। वे बोधगम्य समाधान खोजने के लिए अनुबंधों, सम्मेलनों और सिद्धांतों के दायरे से गुज़रे। निडर और साहसी व्यक्तियों या संगठनों में विचारों, भावनाओं और भावनाओं को औपचारिक और अनौपचारिक रूप से संप्रेषित करने की सर्वोत्कृष्ट क्षमता होती है। यही क्षमता उन्हें सफल नेता बनाती है।

आप की बात

नकली सामान

मध्यप्रदेश में ब्रांडेड समान की हू ब हू नकल बनाकर बेचने वाला गैंग काम कर रहा है। ये सस्ती चीजों का इस्तेमाल करके इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट असेंबल करवाता है और फिर उनपर बड़ी कंपनी की स्टांप लगा देता है। ये मोहर बिल्कुल वैसे ही होती है जैसी ओरिजिनल कंपनी की होती है। अगर दोनों प्रोडक्ट को एक साथ रख दिया जाए तो पता ही नहीं चल सकता। लेकिन नकली प्रोडक्ट में काफी चीप क्वालिटी का सामान इस्तेमाल किया जा रहा है। ज्यादा पैसा कमाने के लालच में ये गैंग काफी समय से इस तरह के प्रोडक्ट मार्केट में उतार रहा था और लोग असली समझकर इसे खरीद भी रहे हैं। ऐसे गिरोहों पर सरकार को जनता तथा निजी क्षेत्र के सहयोग से रोक लगा कर उनको कठोर दंड देना चाहिए। जनता को भी इलेक्ट्रॉनिक या अन्य कोई सामान विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदना चाहिए। असली की जगह हूबहू नकली माल ऑनलाइन खरीद में भी आने की अधिक संभावना रहती है। हालांकि, कभी-कभी निजी कंपनियों द्वारा अपना नकली माल पकड़वाने की खबरें आती हैं, पर इस प्रक्रिया को और व्यापक तथा कठोर बनाना जरूरी है। नकली सामान पर रोक लगाए बिना बिजनेस सुगमता की कल्पना नहीं हो सकती है।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

शिवपाल का बयान

सपा के राष्ट्रीय महासचिव व अखिलेश के चाचा शिवपाल यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि आज भाजपा महाभारत की कौरव सेना बन गई है, अत: आज हर किसी को आगामी चुनाव में भाजपा को हराने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कौरव सेना अनीति के साथ खड़ी थी जबकि पांडवों की सेना न्याय एवं नीति के साथ खड़ी थी। उनका यह बयान आश्चर्यजनक है। बार-बार स्वयं अपने ही भतीजे से अपमानित होने के बाद भी उन्होंने अंतत: अखिलेश का साथ देना ही उचित समझा है। लेकिन केन्द्र में नौ साल व प्रदेश में लगभग 6 साल से चल रही भाजपा सरकार पर किसी भी तरह के घोटाले का आरोप नहीं है। ऐसे में उसे कौरव सेना कहने की बात किसी के गले से उतरने वाली नहीं है। दूसरी ओर विपक्ष के अनेक नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं जो बड़े से बड़े वकील कर सर्वोच्च न्यायालय तक चक्कर लगाने के बावजूद जेल और बेल के शिकंजे से मुक्ति नहीं पा रहे हैं। शिवपाल सिंह यादव का बयान भले ही सपा को एकजुट करने के लिए दिया गया हो, पर उससे भाजपा पर कोई प्रभाव पड़ता नहीं दिख रहा है।

- मनमोहन राजावत, शाजापुर

कांग्रेस की बैठक

हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में काफी विचार मंथन हुआ। लेकिन यदि ए.एन.डी.आई.ए गठबंधन को एकजुट रखना है तो कांग्रेस को ही सर्वाधिक समझौते करने होंगे। एक और तो जहां सीटों के बंटवारे को लेकर खुद कांग्रेस के भीतर ही खींचतान मची हुई है। वहीं गठबंधन के अन्य सदस्यों और अन्य दलों से बागी होकर सीट पाने की मंशा में कांग्रेस में शामिल हुए लोगों के लिए प्रबल दावेदार अपनी सीट छोड़ने के बजाय बगावत करना अधिक पसंद करेंगे। भले ही यह गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए हुआ हो। मगर जैसे-पूत के पांव पालने में नजर आ जाते हैं, वैसे ही आगामी पांच राज्य में होने वाले चुनाव से आई.एन.डी.आई. ए गठबंधन का भविष्य नजर आ जाएगा। यदि इन चुनावों में यह गठबंधन एकजुट नहीं रहा तो लोकसभा चुनाव में उसे इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। आप व माकपा की बगावत सामने आ गई है, अत: भविष्य में कांग्रेस का सिरदर्द और बढ़ेगा। बीजेपी के पास मोदी जी के साथ-साथ धरातल पर किए गए ठोस कार्यों और विश्व में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि चमकाने जैसे ट्रंप कार्ड हैं।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

मोदी का संबोधन

सरकारें-पार्टियां आएँगी जाएँगी, बनेंगी-बिगड़ेंगी, लेकिन देश बढ़ते रहना चाहिए। अटल जी के इन विचारों के साथ पुराने संसद के आखिरी सम्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित नेहरू, लालबहादुर शास्त्री, इंदिरागांधी, राजीव गांधी व मनमोहन सिंह की तारीफ़ की। उन्होंने कहा इस संसद ने कई उतार-चढ़ाव देखे, किन्तु हमारा देश आगे बढ़ता रहा। इससे जुड़ी यादें और प्रेरणाएं हमें देश को और आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि अटल जी का कथन संसद का मूल उद्देश्य भी है। सबका साथ. सबका विकास की राह पर हमारा देश विश्वमित्र बनता जा रहा है। देशवासियों और दुनिया के मित्रों के सहयोग से अवश्य हमारा देश और आगे बढ़ेगा तथा हमेशा नए आयाम छुएगा। प्रधानमंत्री मोदी का यह संबोधन उनके पद की गरिमा के अनुकूल है। उन्होंने संसद की 75 साल की यात्रा का समग्र मूल्यांकन करते हुए बिना पक्षपात या अनुराग-द्वेष के बिना अपनी बात रखी। लेकिन विडंबना है कि विपक्ष के कुछ नेताओं ने अवसर के अनुकूल व्यवहार नहीं किया।

शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां वही कार्य करती हैं, जो कभी यशोदा मां ने किया था: योगी

मुख्यमंत्री ने तीन गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व तीन बच्चों का किया अन्नप्राशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोक भवन में राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान तीन गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा तीन बच्चों का अन्नप्राशन किया। कुछ गर्भवती महिलाओं को उपहार स्वरूप दवाएं और पौषटिक खाद्य सामग्री भेंट की। साथ ही 'संभव' अभियान के तहत कुपोषित से सुपोषित श्रेणी में आए तीन बच्चों के अभिभावकों को सीएम योगी ने सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने प्रतीक स्वरूप चार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को यूनीफॉर्म के रूप में दो-दो साड़ी भेंट कीं।

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत काल का यह प्रथम वर्ष है। भारत अनेक उपलब्धियों को लेकर के चल रहा है। हम सबको 2027 तक भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 यानी जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, उस समय के लिए एक लक्ष्य निर्धारित किया है कि देश को विकसित भारत बनाना है। इसके लिए हमें देश को स्वस्थ, साक्षार और समर्थ बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां बच्चों को अच्छे से प्रशिक्षित करतीं हैं। बच्चे आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों के मार्गदर्शन में जीवन की प्रारम्भिक पाठशाला में प्रशिक्षित होते हैं। उनके सुपोषण की व्यवस्था भी की जाती है। यह कुपोषण से बचाव के साथ ही, बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण होने वाली अन्य बीमारियों से बचाव का बेहतर प्रयास हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सम्बन्ध में कहा था कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां वही कार्य करती हैं, जो कभी यशोदा मां ने किया था। यदि बच्चा सुपोषित और हृष्ट.पुष्ट है तो वह किसी भी बीमारी से लड़ सकता है। इसके लिए एक बड़ा दायित्व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों पर है। यदि सुपोषित भारत, साक्षर भारत होगा, तो समर्थ और सशक्त भारत स्वयं ही बन जाएगा। सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां भारत की नींव को मजबूत बनाने का कार्य कर रहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह-2023 के अन्तर्गत जिन विभिन्न विषयों का चयन किया गया है, उनमें प्रभावी स्तनपान व सम्पूरक आहारए एनीमिया स्तर में सुधार हेतु परीक्षण, उपचार व संवाद आदि सम्मिलित हैं। राष्ट्रीय पोषण माह का कार्यक्रम सात अलग-अलग विषयों को लेकर आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र, विकासखण्डए जनपद व प्रदेश स्तर पर स्वस्थ बालक प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए तथा पुरस्कार व इन्सेन्टिव की व्यवस्था की जानी चाहिए।

सशक्त एवं स्वर्णिम भविष्य का शाश्वत प्रतीक बनेगा नया संसद भवनः मुख्यमंत्री

- योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों को दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे भारत ने मंगलवार को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर नया इतिहास बनते देखा। संसद के विशेष सत्र के दूसरे दिन संसद की कार्यवाही को पुराने संसद भवन से नव निर्मित संसद भवन में शुरू कर दिया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों को बधाई दी। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर सीएम योगी ने लिखा, 140 करोड़ भारतीयों के संवैधानिक अधिकारों का प्रतिनिधित्व करता 'नया संसद भवन' मानवीय मूल्यों की स्थापना के साथ ही हमारे सशक्त एवं स्वर्णिम भविष्य का शाश्वत प्रतीक बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास हैए यह संसद भवन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अविराम यात्रा को और गति प्रदान करेगा। देश वासियों को हार्दिक बधाई।

सीएम योगी ने मातृशक्ति को दी बधाई कहा, ये पीएम का कालजयी निर्णय

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को बताया युगांतरकारी कदम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नए संसद भवन का पहला ही दिन देश की मातृशक्ति को समर्पित रहा। लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रस्तुत करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे युगांतरकारी कदम बताया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि भारत का महान लोकतंत्र आज सच्चे अर्थों में गौरवभूषित हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज लोक सभा में प्रस्तुत किया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए समूची मातृशक्ति को हार्दिक बधाई देते हुए लिखा है कि देश की आधी आबादी को उनका हक देने तथा भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत व सहभागी बनाने वाला यह कालजयी निर्णय श्विकसित भारतश् के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाएगा। सीएम योगी ने अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए : सपा प्रमुख

लखनऊ। महिला आरक्षण विधेयक संसद में पेश किए जाने के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। सपा प्रमुख यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, महिला आरक्षण लैंगिक न्याय और सामाजिक न्याय का संतुलन होना चाहिए। इसमें पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी (पीडीए) की महिलाओं का आरक्षण निश्चित प्रतिशत रूप में स्पष्ट होना चाहिए। इससे पहले सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने पीटीआई-भाषा से कहा, जहां तक इस (महिला आरक्षण) विधेयक का सवाल है, हमारा रुख यह है कि इस विधेयक के तहत पिछड़ों को कितना आरक्षण मिलेगा। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा जब यह विधेयक पेश किया गया था तो हमने इसका विरोध किया था और आज जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे ला रही है, तो हम (उनसे) पूरी तरह सहमत नहीं हैं। चौधरी ने कहा, हम महिलाओं के साथ न्याय चाहते हैं और उनके लिए आरक्षण भी चाहते हैं। लेकिन पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों के लिए कितना आरक्षण होगा?

महिला आरक्षण बिल में पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को शामिल न करना अन्यायः अजय राय

- कांग्रेस ने कहा, भाजपा के मूल में है महिला विरोध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा में मंगलवार को भाजपा सरकार द्वारा पेश किए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला आरक्षण बिल को चुनावी जुमला बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि नौ वर्षों से अधिक का समय बीत जाने के बाद चुनावी वर्ष में यह बिल लाना देश एवं महिलाओं के साथ धोखा है एवं मोदी सरकार का एक और चुनावी जुमला है। बिल के अनुसार अधिनियम लागू होने के लिए दशकीय जनगणना एवं परिसीमन जरूरी है। मोदी सरकार 2021 की जनगणना कराने में असफल रही है। यह जी-20 का अकेला देश है जो जनगणना नहीं करा पाया। ऐसे में आनन-फानन में इस बिल को लाना हैडलाइन मैनेजमेंट जैसा है।

राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं को राजनैतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सदैव प्रयत्नशील रही है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने 1989 में ही संविधान संशोधन के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकाय में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पारित कराया था, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने 1992-93 में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर लागू किया था। आज विभिन्न वर्गों की महिलाएं इसके माध्यम से प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख एवं मेयर बनने में सफल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए की तत्कालीन चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार महिला आरक्षण लागू कराने के लिए तत्पर रही, उन्हीं के प्रयासों से 2010 में महिला आरक्षण बिल राज्यसभा में पारित हुआ था। मोदी सरकार में भी कई बार महिला आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए देश के प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत बिल में पिछड़े वर्ग की महिलाओं के साथ अन्याय करते हुए उनके आरक्षण का प्रस्ताव नहीं किया गया है, यह भाजपा के पिछड़ा वर्ग विरोधी चेहरे को उजागर करता है।

आबादी के हिसाब से महिलाओं का 50 प्रतिशत आरक्षण रहे तो अच्छाः मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महिला आरक्षण बिल को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती का बयान सामने आया है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि हम इस बिल के साथ हैं। साथ ही एससी, एसटी, ओबीसी कोटा भी सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आबादी के हिसाब से 50 प्रतिशत आरक्षण रहे तो अच्छा है। पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि मुझे संसद के दोनों सदनों में आने का मौक़ा मिला है जो कि यह मेरे लिये सौभाग्य की बात है, तो वही दूसरी तरफ आज से वहां नवनिर्मित संसद भवन की भी शुरूआत की गई है, जिसका हमारी पार्टी दिल से स्वागत करती है। साथ ही आज इस नये संसद भवन में केन्द्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण बिल प्रस्तुत किया जायेगा, जैसाकि मीडिया में काफी आम चर्चा है तथा जिसके पक्ष में बीएसपी सहित अधिकतर पार्टियां अपना मत देने की संभावना है। ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी को पूरी उम्मीद है कि चर्चा के बाद इस बार यह महिला आरक्षण बिल जरूर पास हो जायेगा, जो यह अभी तक लम्बे अरसे से लटका हुआ था। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी की ओर से एक बार नहीं बल्कि अनेकों बार संसद में यह कहा था कि हमारी पार्टी तो यह चाहती है कि देश की महिलाओं को लोकसभा व राज्य की विधानसभाओं में आरक्षण 33 प्रतिशत देने की बजाय यदि उनकी आबादी को भी ध्यान में रखकर 50 प्रतिशत दिया जाता है तो इसका भी हमारी पार्टी पूरे तहेदिल से स्वागत करेगी, जिसके बारे में भी सरकार जरूर सोच-विचार करे। लेकिन इसके साथ-साथ मैंने यह भी कहा था कि महिलाओं को जो भी आरक्षण दिया जाता है उसमें से एससी, एसटी व ओबीसी वर्गों की महिलाओं का आरक्षण का कोटा अलग से सुनिश्चित किया जाना चाहिये। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो फिर इन सभी वर्गों की पिछड़ी महिलाओं को यहां सामान्य सीटों पर जल्दी से मौका नहीं मिल पायेगा। ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी यह चाहती है कि इन वर्गों की महिलाओं को आज पेश किये जाने वाले महिला आरक्षण बिल में इनके लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था जरूर की जानी चाहिए।

भाजपा अपनी अकर्मण्यता को छुपाने के लिए करती रहती है नए तमाशे और इवेंटः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा ने विकास के दावे तो बहुत किए पर जमीन पर उसकी कहीं छाया तक नहीं दिखाई देती है। भाजपा का एजेंडा जनता के हितों और समस्याओं से सम्बन्धित नहीं होता है। नतीजतन महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ने से हर ओर अराजक स्थिति पैदा हो रही है। हर कोई परेशान है। जनहित में कोई कदम उठाने के बजाय भाजपा अपने पुराने वादों और अपनी अकर्मण्यता को छुपाने के लिए नए तमाशे और इवेंट करती रहती है ताकि जनता उनकी चकाचौंध में बहकी रहे। भाजपा सरकार की कुनीतियों के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं।

बीते पांच साल में 47 प्रतिशत भारतीयों ने अपनी जीवन बीमा पॉलिसी या तो सरेंडर की या फिर उसे रिन्यू नहीं कराया है। लोगों के पास बीमा कवर घटता जा रहा है। 94 प्रतिशत लोगों के पास या तो कोई बीमा नहीं है या वह अपर्याप्त है। यही स्थिति प्रदेश में किसान फसल बीमा योजना की भी है। किसानों में इसकी मांग घटती जा रही है क्योंकि इससे किसानों से ज्यादा बीमा कम्पनियों को लाभ मिल रहा है। खेती की लागत बढ़ती जा रही है। किसान को फसल का लागत मूल्य नहीं मिल रहा है। खेती किसानी के लिए आवश्यक उपकरणों तथा कीटनाशक, खाद-बीज, डीजल के दाम बढ़ने से किसान घाटे में है। किसान ओलावृष्टि, बाढ़ और सूखा से बर्बाद हो रहा है। फसल की क्षतिपूर्ति हेतु किसानों को मुआवजा न मिलने और एमएसपी के न मिलने से किसान आर्थिक रूप से कंगाल हो रहे है। भाजपा की डबल इंजन सरकार जनहित में कोई काम नहीं कर रही है। वह सत्ता में बने रहने के लिए पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं को ही लागू कर रही है। भाजपा सरकार समाजवादी सरकार के कामों को विज्ञापन जारी कर अपना बताने में लगी है। जनता अब भाजपाई खेल तमाशों से बहकने और भटकने वाली नहीं है। वह सन् 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को उसके झूठे वादों की याद न केवल दिलाएगी बल्कि झूठे वादे करने वाली भाजपा सरकार को भी हटाएगी।

सभी नागरिकों को जन्म व मृत्यु पंजीकरण अवश्य करवाना चाहिएः दुर्गा शंकर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) पर जन्म व मृत्यु के पंजीकरण की स्थिति की समीक्षा की गई। इस मौके पर मुख्य सचिव ने कहा कि सभी नागरिकों को जन्म व मृत्यु पंजीकरण अवश्य करवाना चाहिए। पोर्टल पर 21 दिन के भीतर घर बैठे परिवार का सदस्य जन्म व मृत्यु का पंजीकरण निशुल्क कर सकता है। इस बारे में लोगों को विभिन्न प्रचार माध्यमों द्वारा जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर शत प्रतिशत जन्म और मृत्यु का पंजीकरण कराया जाए। पंजीकरण की प्रक्रिया सरल व यूजर फ्रेंडली और प्रक्रिया में कम से कम ह्यूमन इंटरवेंशन (मानव हस्तक्षेप)होना चाहिए। मोबाइल से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एप भी विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीडीओएए सीएमओ सहित नगर निकाय और पंचायत विभाग के निचले स्तर तक कर्मियों को प्रशिक्षण दिलाया जाए। इसके लिए जनपद स्तर पर मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएं। प्राइवेट नर्सिंग होम और अस्पतालों को भी पोर्टल पर जन्म और मृत्यु की सूचना दर्ज करने के लिए यूजर आईडी उपलब्ध कराई जाए। अभियान चलाकर आंगनवाड़ी व प्राइमरी विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के शत प्रतिशत जन्म प्रमाण पत्र बनवाएं जाएं।

गरीब का पक्के घर का सपना हर हाल में पूरा होगाः केशव

उप मुख्यमंत्री ने डिजिटल लाभार्थियों के खाते में भेजी 111885 करोड़ की धनराशि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गरीब का पक्के घर का सपना हर हाल में पूरा होगा। डबल इंजन सरकार गांव-गरीब के विकास के लिए समर्पित है। आवास योजना के लाभार्थियों को सभी अनुमन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। ग्राम्य विकास विभाग की कई योजनाओं में उत्तर प्रदेश, देश में टाप पर है। प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र में अब तक 38.71 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें 28.55 लाख आवास महिला लाभार्थियों को दिये गये हैं एजो घर की मालकिन के रूप में भी पुकारी जायेंगी और 29.88 लाख लाभार्थियों को निशुल्क विद्युत कनेक्शन दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आवास योजना के 24 लाख लाभार्थियों के घरों में पाइप लाइन से पानी की सप्लाई दी गई है। मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में जिन 80 हजार लाभार्थियों को आज धनराशि भेजी गयी, उनमें लगभग 60 हजार दिव्यांग लाभार्थी हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्र के लाभार्थियों को अब तक 42726 करोड़ रुपए की धनराशि दी गयी है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने यह बात मंगलवार को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हाल में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को 1118.85 करोड़ रुपए की धनराशि का डिजिटल अन्तरण किया। उप मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 80 हजार लाभार्थियों को 323.24 करोड़ रुपए की प्रथम किस्त की धनराशि का डिजिटल अन्तरण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को विभिन्न किश्तों की धनराशि 795.61 करोड़ रुपए कुल धनराशि 1118.85 करोड़ रुपए की धनराशि का डिजिटल अन्तरण किया गया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आवास योजना के लाभार्थियों को निरूशुल्क विद्युत कनेक्शन, निशुल्क गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत योजना में आयुष्मान कार्ड, शौचालय के लिए 12 हजार रूपए की धनराशि 90/95 दिन की मनरेगा से मजदूरी लगभग 20700-प्रति लाभार्थी दिया जा रहा है। इसके अलावा सभी लाभार्थियों को जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना से पानी का निशुल्क कनेक्शन दिया जा रहा है, और प्रत्येक महिला लाभार्थी को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित समूहों से जोड़ा जा रहा है। यही नहीं इन सभी लाभार्थियों को राजस्व विभाग के समन्वय से स्वामित्व प्रमाण पत्र भी दिये जाने की व्यवस्था की गयी है। सभी लाभार्थियों को उन्हें सभी अनुमन्य सुविधाएं मिल गयी हैं कि नहीं, इसकी मानीटरिंग के लिए सिस्टम डेवलप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि अधिकांश लाभार्थियों को अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध करा दी गयी है, फिर भी यदि कोई वंचित रह गये होंगे, तो उन्हें भी शीघ्र ही सब अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध करा दी जायेगी। उप मुख्यमंत्री ने कई जिलों से आये लाभार्थियों आवास स्वीकृत पत्र भी वितरित किए, जिनमें अधिकांश दिव्यांगजन थे।

राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग विजयलक्ष्मी गौतम ने इस अवसर पर कहा कि सबका साथ-सबका विकास के मूल मन्त्र के साथ डबल इंजन सरकार सभी की भलाई के लिए कार्य कर रही है। गरीबों को अपना पक्का आवास होने का सपना पूरा हो रहा है।

परिवहन निगम कर्मियों को दी जाएगी साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग

- बस टिकटिंग प्रणाली को हैकर्स और साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए सरकार ने की ट्रेनिंग सेशन की पहल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने अब साइबर सिक्योरिटी सुदृढ़ीकरण की दिशा में व्यापक प्रयासों की शुरुआत कर दी है। उत्तर प्रदेश की सरकारी संस्थाओं में कॉम्प्रीहेंसिव साइबर सिक्योरिटी ऑडिट के जरिए साइबर सिक्योरिटी के स्तर का निर्धारण और उसे उचित दिशा देने के लिए तमाम सरकारी व निजी संस्थाएं कार्यरत हैं। ऐसे मेंए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की ओर से भी इस दिशा में एक सकारात्मक पहल की शुरुआत हो रही है। बस टिकटिंग प्रणाली को हैकर्स और साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए 2 दिन की हाइब्रिड मोड आधारित साइबर सिक्योरिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। 21 से 22 सितंबर के बीच उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के मुख्यालय में इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसे यूपीडेस्को की कार्यदायी संस्था मेसर्स इनोवेडर इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पूर्ण किया जाएगा। कार्यशाला कई मायनों में महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष अप्रैल में एक विदेशी साइबर हैकर द्वारा यूपीएसआरटीसी की साइट को निशना बनाकर कई लोगों की जानकारियां हैक कर ली गई थीं। ऐसे मेंए ये सारी दिक्कतें आगे से न हों और कैसे वक्त रहते कर्मचारी व अधिकारीगण इस समस्या का निस्तारण कर सकते हैं, इन सभी बातों को कार्यशाला के माध्यम से दर्शाया जाएगा। इसमें वह तकनीकें भी प्रमुख हैं जिनके जरिए कर्मचारियों को यह सिखाया जाएगा कि साइबर हैक प्रिवेंशन और डाटा रिट्रीव करने के लिए किन प्रक्रियाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है। यूं तो इस कार्यशाला का आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के सभागार में 21 व 22 सितंबर के मध्य दो दिन के लिए होने जा रहा है मगर इस कार्यशाला में प्रदेश के सभी जिलों के अधिकारी भी वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ सकेंगे। साइबर सिक्योरिटी के इतर इस कार्यशाला में टिकटिंग प्रणाली के अंतर्गत सभी आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर एप्लीकेशन व ऑनलाइन पोर्टल्स के संचालन की भी जानकारी दी जाएगी।

प्रदेश की समृद्धि का कारक बनेगा मिनरल्स

- 2022 में 3 चरणों में 4 ब्लॉक्स की नीलामी कर चुकी है योगी सरकार

चौथा चरण प्रारंभ, 11 मिनरल ब्लॉक्स की होगी नीलामी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश में मौजूद खनिज (मिनरल्स) के भंडार को प्रदेश की समृद्धि के लिए उपयोग करने के रास्ते तलाश रही है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार के भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने 15 सितंबर से मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी के चौथे चरण की शुरुआत कर दी है। चौथे चरण में कुल 11 अलग अलग मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी होगी। इसके माध्यम से न सिर्फ बड़े पैमाने पर प्रदेश सरकार को निवेश प्राप्त होगा बल्कि रोजगार का भी सृजन होगा। उल्लेखनीय है कि 2022 में भी प्रदेश सरकार ने 3 चरणों में 4 ब्लॉक्स की नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न की थी।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार लंबे अरसे तक उत्तर प्रदेश विभिन्न मिनरल्स के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। कई बार सप्लाई में भी दिक्कत होती थी। ऐसे में सरकार ने स्वयं के श्रोतों के माध्यम से अपनी और देश के अन्य राज्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का निर्णय लिया है। इससे इंपोर्ट रोकने में मदद मिलेगी जबकि एक्सपोर्ट की संभावनाओं को बल मिलेगा। साथ ही उत्तर प्रदेश मिनरल्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बन सकेगा और बड़े पैमाने पर निवेश से रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। चौथे चरण में 11 मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की जा रही है। इनमें सर्वाधिक 10 ब्लॉक्स सोनभद्र में जबकि एक ब्लॉक बुंदेलखंड के ललितपुर में है।

सोनभद्र में एंडालुसाइट के 5 ब्लॉक, स्वर्ण के 2 ब्लॉक और सिलिमिनाइट, आयरन ओर व लाइमस्टोन का 1-1 ब्लॉक सम्मिलित है। वहीं ललितपुर में आयरन ओर का एक ब्लॉक है। लाइमस्टोन का उपयोग सीमेंट बनाने में और आयरन ओर का उपयोग स्टील बनाने में किया जाता है। इससे पहले सरकार ने भारत सरकार द्वारा जारी खनिज नीलामी नियमए 2015 के प्राविधान के तहत वर्ष 2022 में तीन चरणों की नीलामी की थी जिसमें 3 ब्लॉक ललितपुर में फास्फेट उर्वरक के उत्पादन में प्रयोग होने वाले कच्चे माल के रूप में रॉक फास्फेट के थेए जबकि एक ब्लॉक सोनभद्र में स्वर्ण धातु का भी स्वीकृत किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त अक्टूबर में 4 और मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी की तैयारी की जा रही है। भारत सरकार के स्तर से उत्तर प्रदेश के जनपद ललितपुर में उपलब्ध अति बहुमूल्य प्लेटिनम समूह की धातुओं से संबंधित एक ब्लॉक, उर्वरक खनिज रॉक फास्फेट का 1 ब्लॉक तथा सोनभद्र में पोटाश उर्वरक के उत्पादन में प्रयोग होने वाले खनिज पोटाश से संबंधित 2 ब्लॉक का ग्लोबल टेंडर अक्टूबर में जारी किए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

पितृपक्ष पर इस बार विदेशी परिजनों का लगेगा जमावड़ा

- पूर्वजों की मुक्ति के लिए होता है काशीकुण्ड तीर्थ पर पिण्डदान

संवाददाता। सीतापुर

पितृ पक्ष प्रारम्भ होने में एक सप्ताह का समय शेष बचा है और काशी कुण्ड तीर्थ पर अव्यवस्थाओं की भरमार है। दरअसल विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी नैमिषारण्य का काशीकुण्ड तीर्थ वह स्थान है, जहां पिण्डदान करने के बाद ही पितरों को मोक्ष मिलता है। इस बार पितृपक्ष 29 सितम्बर से प्रारम्भ हो रहे है, एक सप्ताह बाद यहां देश के कोने कोने से ही नहीं बल्कि पड़ोसी देश नेपाल से भी भारी संख्या में परिजन अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए श्राद्ध तर्पण और पिण्डदान करने के लिए पहुंचेंगे। लेकिन काशी कुण्ड तीर्थ के जल में अभी तक काई की मोटी परत जमी हुई है। इस तीर्थ पर वैसे तो वर्ष भर पिण्ड दान का कार्य होता रहता है। लेकिन पित्र पक्ष के दिनों में पिण्डदान करने वालों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। तीर्थ का जल मौजूदा समय आचमन लायक भी नहीं है। तीर्थ के आस पास साफ सफाई के अभाव में झाड़ी घास फूस और गन्दगी का साम्राज्य फैला हुआ है। ऐसे में श्रद्धालुओं को यहां तीर्थ में गन्दा जल, परिसर के आसपास गंदगी, पेयजल जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। प्रशासन द्वारा इस तीर्थ में स्वच्छ जल की उपलब्धता और साफ सफाई के प्रति कारगर कदम न उठाने की वजह से तीर्थ के जल में स्नान आचमन करने से श्रद्धालु कतराने लगे हैं। तीर्थ में जल व्यवस्था के लिए लगा समरसेबुल इस समय भी खराब पड़ा है। बताते चलें कि जो व्यक्ति घर पर धन के अभाव में अपने परिवारीजन का विधि पूर्वक दाह संस्कार नही कर पाता है, वह यहाँ आकर विधि विधान से जौ के आटे से बने पुतले के माध्यम से कर्मकांड करते हैं जिससे मृतक की आत्मा को मुक्ति मिलती है।

भाजपा नेत्री ने कमिश्नर से लगाई गुहार, बोलीं मिल रहीं धमकियां!

- सीतापुर के कलेक्ट्रेट सभागार में मण्डलायुक्त ने सुनी समस्याएं
- कमिश्नर के समक्ष पहुंची 183 शिकायतें

संवाददाता। सीतापुर

जनता दर्शन में सीतापुर पहुंची लखनऊ मण्डल की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब उस समय खासा नाराज हो गई जब उनके सामने नालियों से संबंधित कई शिकायतें पहुंची। यह देखकर उनका पारा चढ़ गया और उन्होंने नगर पालिका सीतापुर ईओ के प्रतिनिधि को फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि नाली बनाए जाने वाले प्रकरणों को गम्भीरता से ले। मण्डलायुक्त के सामने 183 फरियादी पहुंचे जिसमें से कई फरियादियों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर भेजकर उनका निस्तारण कराया गया। अन्य शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान सबसे अधिक शिकायतें भूमि सम्बंधी और आपसी लडाई झगडें वाली पहुंची। शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की शिकायतें नाम मात्र को रही। इसके अलावा तहसील स्तर पर वरासत व भूमि अभिलेखों से सम्बधित शिकायतें प्राप्त हुई। कलेक्ट्रेट सभागार में जन शिकायतों को सुनने के बाद मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दर्ज की गई शिकायतों को त्वरित निस्तारित किया जाए। जन सुनवाई में अपर आयुक्त लखनऊ मण्डल शीलधर यादव, संयुक्त विकास आयुक्त लखनऊ मण्डल केके सिंह, डीएम अनुज सिंह, सीडीओ अक्षत वर्मा, सीएमओ डॉ. हरिपाल सिंह, एडीएम रामभरत तिवारी, डीएफओ ब्रजमोहन शुक्ला सहित सम्बन्धित विभागों को अधिकारी मौजूद रहे। भाजपा के नेता तकरीबन हर मौके पर कार्यकर्ताओं के अहम योगदान का बखान करते नहीं थकतें हैं। लेकिन पार्टी में कार्यकर्ताओं की क्या हैसियत है इसकी सच्चाई मण्डलायुक्त के जनता दर्शन के दौरान सामने आई। दरअसल भाजपा कार्यकत्री ममता डोडेजा की शहर में त्रिकोणनाथ मंदिर के पास दुकान है, उनके मुताबिक करीब 7 दशक से वहां दुकान संचालित हो रही है। उनका आरोप है कि कांग्रेस के एक नेता द्वारा दुकान दीवार को तुड़वा दिया गया और पार्टी में कार्यकर्ता होने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब के सामने फरियाद लेकर पहुंची ममता डोडेजा ने आई इंडिया को क्या बताया उसे भी सुन लीजिए। कमिश्नर के सामने विकास खण्ड परसेण्डी में विकास कार्यों के लिए कई करोड़ों के टेण्डर दो दिनों में कर दिए जाने की शिकायत भी पहुंची। जिले के नगर खैराबाद में कुत्तों के आतंक और किराए के भवन में संचालित सरकारी आयुर्वेदिक चिकित्सालय सहित कई शिकायतों का पुलिंदा लेकर खैराबाद से जिला मुख्यालय पहुंचे नदीम हसन खां आई इंडिया से क्या बोले उसे भी सुन लीजिए।

वाईडी कॉलेज में शैक्षिक समस्याओं को लेकर एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

लखीमपुर खीरी। युवराज दत्त महाविद्यालय में तमाम शैक्षिक समस्याओं को लेकर विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया और उसके बाद एक ज्ञापन प्राचार्य को सौंपा गया। नगर मंत्री शिखर तिवारी ने बताया कि कॉलेज में स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं है, कक्षाओं में लाइट की व्यवस्था नही है, इससे विद्यार्थियों का भविष्य अधर में है।

महाविद्यालय के विद्यार्थी आदित्य पांडे ने बताया विभिन्न सेमेस्टर की कक्षाएं सुचारू रूप से नहीं चल रही हैं। कॉलेज में आवारा पशुओं का आवागमन बना रहता है झाड़ियां पिछले कई महीनों से नहीं कटवाई गई हैं। जिससे जहरीले जीव जंतुओं का खतरा भी बना रहता है।

ट्रक और डंपर में आमने-सामने भिड़ंत, दोनों चालकों की मौत

संवाददाता। संडीला(हरदोई)

लखनऊ हरदोई रोड पर ट्रक और डंपर में आमने सामने टक्कर हो गयी जिससे दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गयी और ट्रक का हेल्पर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे ट्रॉमासेंटर रेफर किया गया है।

लखनऊ हरदोई रोड पर थाना कछौना के अंतर्गत ग्राम नैरा में फौजी ढाबा के पास ट्रक और डंपर में टक्कर हो गयी। बताया जाता है कि पीएनसी कंपनी द्वारा लखनऊ पलिया मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। बताया जाता है कि कंपनी का डंपर कछौना से संडीला की ओर जा रहा था जबकि एक ट्रक लखनऊ से हरदोई की ओर जा रहा था। दोनों वाहनों की गति काफी तेज थी और दोनों की आमने सामने भीषण टक्कर हो गयी। इस भीषण टक्कर से दोनों वाहनों के चालक वाहनों में ही फंस गए। बाद में वाहनों को काटकर दोनों को निकाला गया। डंपल चालक रजमान पुत्र सुबराती निवासी घरसौली जनपद मथुरा, ट्रक ड्राइवर रामवीर पुत्र अज्ञात निवासी एटवा जनपद सुल्तानपुर की मौत मौके पर ही हो गयी जबकि हेल्पर दिनेश कुमार मिश्रा

पुत्र उदय मिश्रा निवासी झुड़ापट्टी जनपद सुल्तानपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हेल्पर को अस्पताल भेजा जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे ट्रॉमासेंटर भेज दिया गया। दोनों चालकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। गौरतलब है कि जबसे हाईवे चौड़ीकरण का कार्य शुरू हुआ है, लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और अभी अनेक लोगों की दुर्घटनाओं में मौत हुई है।

अकेले बीसीपीएम के सहारे चल रहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

रमिया बेहड खीरी। विकासखंड रमिया बेहड की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक अकाउंट मैनेजर एवं बी0पी0एम0 की तैनाती न होने से ढेर सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आशा बहुओ तथा लाभार्थियों के पेमेंट में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लगभग दो माह से आशा बहूओ की प्रोत्साहन राशि नहीं मिली है, जिससे आशा बहूओ में काफी रोष व्याप्त है, उधर जे एस वाई के लाभाथियो का पैसा भी काफी समय से नहीं मिला है, जबकि शासन की मंशा है कि आशा बहूओ का मानदेय हर हाल में महीने की 7 तारीख तक उनके खाते में पहुंचा दिया जाए, कोई भी भुगतान बकाया न रहे, लेकिन अधिकारी माननीय मुख्यमंत्री योगी जी के सपनों को मिट्टी में मिलाने का कार्य कर रहे हैं।

सीतापुर विद्युत उपभोक्ताओं को मिली नई सौगात

- 300 से अधिक गांव को सीधा लाभ
- दूर होगी लो-वोल्टेज की समस्या
- बदले जाएंगे एचटी लाइन के तार
- कई जगहों पर खड़े किए जाएंगे नये पोल

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर के विकास खण्ड रामपुरमथुरा क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं को नई सौगात मिली है। सेवता विधायक ज्ञान तिवारी प्रयासों से नए फीडर निर्माण का रास्ता साफहो गया। फीडर बन जाने से जल्द ही लो वोल्टेज की समस्या से उपभोक्ओं को निजाद मिलेगी। यही नहीं विद्युत आपूर्ति और बेहतर तरीके से हो सकेगी।

सप्लाई सम्बन्धी समस्याओं से छुटकारे के लिए रामपुरमथुरा में 33/11 विद्युत उपकेन्द्र के नये फीडर निर्माण का शुभारम्भ सेवता से भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी के भाई रामेन्द्र तिवारी ने किया। कार्यदायी संस्था यूनिवर्शल कम्पनी के हेड इंजीनियर ब्रह्म देव सिंह के मुताबिक नए फीडर बनाने के साथ साथ 11 हजार वा 33 हजार के तार बदले जाएंगे। बीच बीच में खंभे लगाए जाएंगे। यह कार्य दिसंबर में पूरा कर लिया जाएगा, लगभग 2 करोड़ से कार्य काराए जाने है। नए फीडर बनने से 105 गांवों को लाभ मिलेगा। इस नए फीडर बनने के बाद विद्युत उपकेंद्र में कुल 4 फीडर हो जायेंगे जिसमे एक नबर फीडर से 100 गांवों और 2 नबर फीडर से 105 गांवों एवं 3 नबर फीडर से 110 गांवों को आपूर्ति होगी। बता दें कि 4 नबर फीडर से पहले से ही विद्युत आपूर्ति की जा रही है। शुभारम्भ के मौके पर एक्सियन महमूदाबाद जयप्रकाश, उपखंड अधिकारी प्रदीप गोयल,जेई कामता प्रसाद, हेड इंजीनियर ब्रभ देव सिंह,ठेकेदार बबलू सिंह, अनुज वर्मा, आलोक वर्मा,योगेंद्र प्रताप सिंह, प्रदीप वर्मा,सावन वर्मा,शैलेंद्र वर्मा, जहीर, सुशील कुमार, श्यामू वर्मा मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री का जन्मदिन रक्तदान करके मनाया

बरेली। भारतीय जनता युवा मोर्चा अध्यक्ष अमन सक्सेना के नेतृत्व मे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का जन्मदिन सेवा पखवाड़ा के रूप मे रक्त दान करके मनाया गया जिसमे अनेकों कार्यकर्ता ने भाजपा कार्यालय पर रक्तदान किया। इस कार्यक्रम का भाजपा ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य ने रिविन काट के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जिसमे मेयर उमेश गौतम, विधायक संजीव अग्रवाल, सोनू बाल्मीकि, नवनिर्वाचित महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, भाजयुमो ब्रज क्षेत्र महामंत्री रुद्र लक्ष्मीकांत अवस्थी, बंटी ठाकुर, विष्णु शर्मा, सुमित योगी, जयदीप चौधरी एवम सभी मंडल अध्यक्ष एवम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में 63 वा स्थान, डीएम नाराज

संवाददाता। शाहजहांपुर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने जनपद शाहजहांपुर को सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में 63 वा स्थान प्राप्त करने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने समस्त अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि समस्त अधिकारी सीएम डैशबोर्ड पर विभागीय प्रगति से संबंधित आंकड़ों को समय से फीड करना सुनिश्चित करें साथ ही साथ आइजीआरएस जनसुनवाई से संबंधित शिकायतों का निस्तारण भी समय से कराना सुनिश्चित करें । जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभाग द्वारा

संचालित समस्त परियोजनाओं की प्रगति को ट्रैक करें। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड के संबंध में आ रही समस्याओं का भी निस्तारण कराया गया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन डाटा को सीएम डैशबोर्ड पर भरना सुनिश्चित करें। लापरवाह अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अगली बैठक में उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे सीएम डैशबोर्ड को भली भांति समझ लें जिससे कि उन्हें ज्ञात रहे कि प्रदर्शन को किस प्रकार सुधारा जा सकता है।

बैठक में उपस्थित डी डी ओ पवन कुमार सिंह ने बताया कि महीने की अंतिम तारीख तक जो डाटा विभागों द्वारा भेजा जाएगा।

11 बाल विकास परियोजना कार्यालय का सीएम ने किया वर्चुअल शिलान्यास

- खीरी की 2875 आंगनवाड़ी कार्यकत्री, 2285 सहायिका को यूनिफॉर्म की सौगात
- न्यूट्रीशन गार्जियन अवार्ड से सम्मानित हुए अफसर, कार्मिक

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को ऋराष्ट्रीय पोषण माहऋ के तहत कलेक्ट्रेट में भव्य कार्यक्रम हुआ, जिसमें सीएम ने जिले के 11 बाल विकास परियोजना (सीडीपीओ) कार्यालय का वर्चुअल शिलान्यास किया।कार्यक्रम का सफल संचालन, संयोजन डीपीओ भारत प्रसाद ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल सिंह संग दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सीएम कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग हुई। अफसरों संग आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने सीएम के उद्बोधन को देखा और सुना।

डीएम ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर बच्चों को सुपोषित के साथ शिक्षित भी बनाने की जिम्मेदारी है। कुपोषण किसी व्यक्ति की नहीं बल्कि समाज की लड़ाई है। सभी को मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी। सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री तत्परतापूर्वक कार्य करें और बच्चों का भविष्य बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य और अधिक समृद्ध समाज के लिए पोषण अत्यन्त जरूरी है। शिशु व बाल मृत्यु में वृद्धि का एक प्रमुख कारण मातृ एवं शिशु कुपोषण है। कुपोषण की रोकथाम में सबसे बड़ी चुनौती समाज, परिवार एवं व्यक्ति के स्तर पर पोषण सम्बन्धी मौजूदा व्यवहारों, धारणाओं, मिथकों में परिवर्तन लाना है। डीपीओ भारत प्रसाद ने कार्यक्रम की आवश्यकता एवम् प्रासंगिकता बताई।

बताते चले कि राजधानी लखनऊ के लोकभवन सभागार में राष्ट्रीय पोषण माह (01 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2023) के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ?155 करोड़ की लागत से 1,359 आंगनबाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण/शिलान्यास, 50 करोड़ की लागत से 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास व 2.90 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं सहायिकाओं को यूनिफॉर्म (साड़ी) के लिए डीबीटी से ?29 करोड़ की धनराशि का वर्चुअल अंतरण किया।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह के साथ कुपोषित से सुपोषित श्रेणी में आने वाले बच्चों के 05 अभिभावकों को सम्मानित किया। उत्कृष्ट कामकाज वाली बाल विकास परियोजना (शहर) की 05 आंगनबाड़ी कार्यकत्री अल्का अवस्थी, नीतू सिंह, आशा देवी, उमा रानी, अजूरानी, ब्लाक कोआर्डीनेटर बाल विकास परियोजना (शहर) प्रीतकमल वर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। आंगनबाड़ी कार्यकत्री आशारानी, मीरावती को रू. 05-05 हजार व सहायिका कहकशा याशमीन, नीलम देवी को रू0 2500-2500 की धनराशि के प्रोत्साहन चेक प्रदान किया। नवजात शिशु आरती, बानी को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार एवम् गर्भवती एवं धात्री वंदना, प्रेमवती को पुष्टाहार किट देकर गोदभराई संस्कार हुआ। संपूर्ण सुपोषण अभियान के तहत सैम श्रेणी के कासिम खान, मो.कादिर को सुपोषण किट प्रदान की । डीएम ने सैम श्रेणी के बच्चों को गोद लेकर कुपोषण मुक्त बनाने के लिए एआरओ अवधेद्र सिंह, ईओ संजय कुमार, बीईओ फूलचन्द, मुख्य सेविका कीर्ति सचान को न्यूट्रीशन गार्जियन अवार्ड से सम्मानित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी भारत प्रसाद ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद खीरी की 2875 आंगनवाड़ी कार्यकत्री, 2285 आंगनवाड़ी सहायिका को 02-02 साड़ी/यूनिफार्म की सौगात दी। सीएम ने यूनिफॉर्म के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के खातों में एक-एक हज़ार रुपया खाते में अंतरित किए।

जन सुनवाई दिवस में 8 शिकायतें, 3 शिकायतो का निस्तारण

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में जनसुनवाई दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नगर क्षेत्र के जन-सामान्य ने जन सुनवाई दिवस में सम्मलित होकर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति प्रकाश बिन्दू, नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धित अपनी-अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को रखा । जन सुनवाई दिवस में नगर क्षेत्र से प्राप्त जन समस्याओं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया व जन समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुये संबन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित कर शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर ससमय निस्तारण कराया जायें। जन सुनवाई दिवस में 08 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर ही 03 शिकायत का त्वरित निस्तारण किया गया। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने नगरवासियों से अपील की कि प्रत्येक मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित होने वाले जन सुनवाई दिवस में सक्रिय प्रतिभाग कर नगर निगम शाहजहाँपुर द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं को रख सकते हैं, जिनका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जायेगा। जन सुनवाई दिवस में सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती मुख्य अभियंता सिविल एस0के0 अम्बेडकर, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी राकेश कुमार सोनकर, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार मिश्रा

सांप काटने से ग्रसित मरीजों के उपचार व देखभाल का दिया गया प्रशिक्षण

लखीमपुर खीरी। जिला पुरुष चिकित्सालय में मंगलवार को स्नेक बाइट अवेयरनेस प्रोग्राम के अंतर्गत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सीएमएस डॉ आईके रामचंदानी ने की। इस गोष्ठी के माध्यम से डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और फार्मेसी स्टूडेंट्स को स्नेक बाइट से जुड़ी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। सीएमएस डॉ आईके रामचंदानी ने बताया कि बरसात के महीना में स्नेक बाइट या फिर सांप के काटने वाले मरीज में इजाफा होता है। ऐसे में उनकी जान बचाने के लिए जो शुरुआती सावधानियां चिकित्सा पैरामेडिकल स्टाफ को बरतनी होती है उन्हें लेकर ही स्नेक बाइट अवेयरनेस प्रोग्राम के अंतर्गत गोष्ठी की गई है। इसमें जिला चिकित्सालय के फिजिशियन डॉक्टर्स, फार्मासिस्ट, पैरामेडिकल स्टाफ और फार्मेसी स्टूडेंट्स को इससे जुड़ी सावधानियां के बारे में अवगत कराया गया है। जिसमें लक्षणों की पहचान, इलाज और सावधानी सहित समय की बचत को लेकर जानकारियां दी गई है। वैसे तो ग्रामीण क्षेत्र से अमूमन ऐसे केस आया करते हैं, जिनमें कई बार देरी हो जाने के चलते और सही देखभाल न मिलने के चलते मरीज की मौत हो जाती है, परंतु अगर सही समय पर उसका इलाज सही तरीके से किया जाए तो ऐसे मरीजों को भी बचाया जा सकता है।

शाहदाना वली का सालाना उर्स पाक 16 अक्टूबर को परचम कुशाई से शुरू होगा

संवाददाता। बरेली

शाहदाना वली के उर्स को लेकर दरगाह परिसर में उर्स का पोस्टर जारी किया गया कार्यक्रम के संबंध में दरगाह के मुतवल्ली अब्दुल वाजिद खा नूरी बब्बू मिया ने बताया सरकार शाहदाना वली का सालाना उर्स से पाक 16 अक्टूबर को परचम कुशाई से शुरू होगा 17 अक्टूबर को गागर का जुलूस आएगा 18 अक्टूबर को चादरों का जुलूस आएगा,19 अक्टूबर को मेफ्लि समा 20 अक्टूबर शाम 5,30 बजे सरकार शाहदाना वली का कुल शरीफ होगा 21 अक्टूबर को हजरात केले शाह बाबा का कुल शरीफ होगा शाम 5,30 बजे, 22 अक्टूबर को सैय्यद बाबा के कुल शरीफ की फ्तह सुबह 10,30 होगी इसी के सात प्रोग्राम का समापन होगा । उर्स की तैयारी शुरू हो चुकी है, मीडिया प्रभारी वसी अहमद वारसी ने बताया सरकार शाहदाना वली के चाहने वाले दुनिया के कोने-कोने से उर्स में शिरकत करने पहुंचते हैं आने वाले जायरीनों को कोई परेशानी ना हो उसके लिए पुलिस प्रशासन का पुख्ता इंतजाम किया जाए सफाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए व बिजली पानी की व्यवस्था दुरुस्त की जाए दरगाह के आसपास जो रोड खराब है उनको ठीक कराया जाए जल्द से जल्द शामतगज पुल के नीचे जो मरकरी लाइट खराब है उनको बदलवाया जाए।प्रोग्राम में मुख्य रूप से , युसूफ इब्राहिम,गफूर पहलवान,हाजी अबरार खा,मिर्जा शाहब बेग,अब्दुल सलाम नूरी गुल्लन खा,खलील कादरी,सलीम रजा, जफर अली उर्फ बोबी,शान खा,सईद खा,इरफान गोसी, जावेद खा,गुफरान दाना,अकरम दाना,गल्लां खा,सईद अब्बासी,सलीम रजा कादरी साइहिबे आलम,भूरा सबरी आदि सहित बड़ी तादात में लोग मौजूद रहे।

बदमाशों ने प्रोफेसर की चाकू मार कर की हत्या

- घर में लूटपाट के इरादे से घुसे बदमाश

संवाददाता। शाहजहांपुर

सोमवार देर रात लूटपाट के इरादे घर में बदमाशों ने प्रोफेसर की चाकू के प्रहार कर हत्या कर दी। बदमाशों ने प्रोफेसर के अलावा घर में मौजूद 6 लोगों पर भी जानलेवा हमला किया कर उनको घायल कर दिया । वारदात के बाद जब बदमाश फरार हो रहे थे तो एक बदमाश को लोगो ने पकड़ लिया । सुचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा एसपी, एसपी ग्रामीण ने मौके पर पहुंचकर वारदात ने शामिल बदमाशों पर कठोर कार्यवाही का भरोसा दिया ।

मिली जानकारी के अनुसार थाना कटरा में रहने वाले आलोक कुमार गुप्ता सन इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर है।

सोमवार रात करीब तीन बजे चार बदमाश उनके घर में लूट की वारदात को अंजाम देने के इरादे से घुसे उसी समय आहट होने पर आलोक जाग गए और वह बदमाशों से भिड़ गए। इस बीच शोर शराबा होने पर पड़ोस के मकान में रहने वाले उनके परिवार के अन्य सदस्य भी आ गए। बदमाशों ने खुद को घिरता देखकर बदमाशों ने आलोक गुप्ता पर चाकू से सिर, पैर और सीने पर वार कर गंभीर घायल दिया । बदमाशों ने धरदार हथियार से आलोक के पिता सुधीर कुमार गुप्ता, पत्नी खुशबू गुप्ता, पुत्र-पुत्री, भाई प्रशांत गुप्ता, उसकी पत्नी रूचि गुप्ता और पुत्री को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। मकान में होने वाले शोर से पड़ोसियों ने मौके पर पहुंचकर एक बदमाश को पकड़ लिया जबकि तीन बदमाश फरार हो गए। घटना की सुचना पर एसपी, एसपी ग्रामीण ने मौके पर पहुंचकर घायल आलोक सहित परिजनों को अस्पताल भेजा रस्ते में आलोक ने दम तोड़ दिया।

एसपी,अशोक कुमार मीणा ने एसपी ग्रामीण ने छानबीन कर लोगो को कठोर कार्यवाही का भरोसा दिया पुलिस की की टीम बनाकर बदमाशों की तलाश में जुटी कई स्थानों पर दबिश दी गई घटना को लेकर लोगों में आक्रोश घटना के विरोध में बाजार बंद कर दिया गया है। आईजी ने मौका मुआयना किया है।

अपराध पर अंकुश लगाने के लिए 255 कांस्टेबलों के तबादले, 34 चर्चित कांस्टेबल लाइन हाजिर

संवाददाता। शाहजहांपुर

एसपी अशोक कुमार मीणा ने अपराध पर अंकुश लगाने के लिए 255 कांस्टेबलों के तबादले किए।

34 चर्चित कांस्टेबलों को लाइन हाजिर का फरमान सुनाया गया देर रात 255 सिपाहियों की तबादला सूची जारी कर उनको ईमानदारी के साथ अपने फर्ज को अंजाम देने का फरमान सुनाया गया शाहजहांपुर में पिछले कुछ समय से अपराध की दर में इजाफा हो रहा था जिसको रोकने के लिए यह कदम उठाया।

सूची में 255 सिपाहियों के नाम हैं, जिनको इधर से उधर किया गया। लगातार जिले में अपराध हो रहा है, घटनाएं बढ़ रही हैं। बावजूद इसके बीट के सिपाही अपराधियों को पकड़ने में कामयाब नहीं हो पा रहे। कई बार खुद आलाधिकारियों ने क्षेत्रों में जाकर खुद छापामारी करते हुए जुआं और अवैध शराब बनते और उसकी बिक्री करते पकड़ा है। इसी सूची में 34 ऐसे सिपाहियों के नाम हैं, जो पिछले काफी समय से थानेदारों का करीबी बनकर मौज काट रहे थे।

एसपी अशोक मीणा

फ्लिहाल एसपी की कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में पुलिस कप्तान के सख्त रुख की चर्चा का बाजार गर्म होगया है । एसपी अशोक कुमार मीणा के अनुसार अपराध पर अंकुश लगाने के लिए कांस्टेबलों के तबादले किए गए हैं। इसके साथ सभी को सख्त हिदायत भी दी गई है कि, सभी अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी से करें।.

अमृत महोत्सव व मेरी माटी मेरा देश अभियान को सफल बनाने का आवाहन

मोहम्मदी खीरी। रामलीला मैदान भाजपा कार्यालय पर अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विधायक की मौजूदगी में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें गांव के हर घर से मिट्टी व अक्षत लेकर पहुंचना है मंत्री एवं विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी माटी मेरा देश अमृत कलश यात्रा को हर घर से सफल आयोजन के लिए कार्यकर्ता और शासन से जुड़े लोग एकजुट हो जाए ग्रामीण स्तर तक प्रत्येक गांव के जो भी संगठन है पदाधिकारी सदस्य उत्साही स्वयं सेवी ग्रामीण जनों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य जागरूक रैली निकालकर प्रत्येक घर से मुट्ठी भर मिट्टी अथवा चुटकी भर अक्षत चावल का संग्रहण किए जाएं उन्होंने बताया एकत्रित मिट्टी को कलश में भरकर दिल्ली भेजा जाएगा इस मौके पर मुख्य अतिथि राज्य मंत्री लोकेंद्र प्रताप सिंह नगर अध्यक्ष सौरभ गुप्ता राम भरोसे वर्मा मनोज वर्माअखिलेश त्रिवेदी मनोज गुप्ता नीरज रस्तोगी संजीव मल्होत्रा आदि तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फलदार वृक्ष काटने पर दो के खिलाफ केस दर्ज

मोहम्मदी खीरी। कस्बा में नेशनल हाईवे पर अवैध रूप से फलदार वृक्षों के काटे जाने की सूचना पर वन विभाग ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वन दरोगा राजेश कुमार के अनुसार मंगलवार को सुबह मॉर्निंग वाक पर निकले लोगों ने बरबर रोड नेशनल हाईवे पर गैस एजेंसी के पास सड़क किनारे खड़े गूलर और आम के पेड़ काटे जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने घटनास्थल पर जांच कर वृक्षों के मालिक रामकुमार और ठेकेदार वेद प्रकाश के खिलाफ बिना परमिट पेड़ काटने पर उत्तर प्रदेश ग्रामीण वृक्ष संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए केस दर्ज कर लिया गया है।

सपाईयों ने बिजली, सड़क, महंगाई को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

बरेली। सपाईयों ने विभिन्न मांगो को लेकर चौकी चौराहा स्थित गांधी प्रतिमा पार्क में सपाईयों द्वारा जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन अपर नगर मजिस्ट्रेट को सौपा।इस दौरान जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन अस्प-व्यस्त हो गया है। खाद्य पदार्थ, महंगी सब्जी ने हर घर

का बजट बिगाड़ दिया है जिस पर लगाम लगाने हेतु प्रभावी नीतियॉ बनाना आवश्यक है। इस कड़ी में राज्य सरकार पेट्रोल-डीजल को जीएसटी दायरे में अविलम्ब लाकर इनके दामों को नियंत्रित करे ताकि आम जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके।उन्होंने कहा कि बदहाल बिजली आपूर्ति का वायदा केवल कागजी साबित हुआ है। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लोकल फाल्ट गंभीर समस्या बन चुके है,जिससे जनता त्रस्त है। बार-बार ट्रिपिंग होने के कारण इन्वर्टर तक चार्ज होना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा सडकों की स्थिति अत्यंत खराब हो गई है। जिन्हे जल्द दुरूस्त कराया जाये। धरना प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी, पूर्व विधायक विजय पाल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अगम मौर्या, पूर्व महानगर अध्यक्ष कदीर अहमद, जिला महासचिव संजीव यादव, महानगर महासचिव पंडित दीपक शर्मा, बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सोनकर, मनोहर पटेल, डॉक्टर शफीक उद्दीन, अशफाक गाजी, आदि प्रमुख पदाधिकारी गण मौजूद रहें।

लोकसभा के चुनाव में मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक होगा नारी शक्ति वंदन अधिनियम

● तपोभूमि चित्रकूट की महिलाओं ने मोदी सरकार के बिल का किया स्वागत

नारी शक्ति वंदन पर प्रतिक्रिया।

चित्रकूट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा गणेश चतुर्थी के दिन नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश कर दिया।जिसकों लेकर महिलाओं में खुशी की माहौल है। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट की महिलाओं का कहना है कि मोदी सरकार के इस अधिनियम के लागू होते ही देश की आधी आबादी को सत्ता में मजबूत भागेदारी मिलगी। साथ ही नारी शक्ति के विकास का नया अध्याय रचा जायेगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को देश की आधी आबादी के समृद्धि का प्रतीक बताते हुए वरिष्ठ समाजसेविका दिव्या त्रिपाठी एवं विश्व हिन्दू महासंघ की प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति करवरिया ने कहा कि वर्षों से सत्ता में भागेदारी बढाने के लिए महिला आरक्षण की मांग चली आ रहीं है।पूववर्ती कोई भी सरकार ने इस बिल को कानून का रूप नही दे पायी। केंद्र में जबसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी है। सबका साथ,सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर चल रही है। आज सरकार समाज के सभी जाति,धर्म और सम्प्रदाय के कल्याण के लिए कार्य कर रहीं है। मोदी सरकार के इस अधिनियम के पारित होने के बाद देश की आधी आबादी की तकदीर खुल जायेगी।महिलाओं की सत्ता में बडी भागेदारी मिलने से नारी शक्ति के विकास का द्वार खुलेगा। कहा कि नारी शक्ति वंदन बिल से राष्ट्र सशक्त और समृद्ध बनेगा।

वहीं समाजसेवी सीमा निगम एवं गीता तिवारी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊचाईयों को छू रहा है। आज भारत ग्लोबल लीडर बनकर उभरा है। पीएम मोदी ने वैश्विक स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार ही केवल महिला नेतृत्व विकास की बात करती है।नारी शक्ति वंदन बिल के पारित होने से महिलाओं का सशक्तिकरण होगा। महिलाएं आगे बढ़कर नेतृत्व कर देश के विकास में भागीदार बनेगी। महिलाएं निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में सदन में पहुंचेगी और देश हित में जो फैसले होते हैं, कानून बनते हैं, उन चर्चाओं में योगदान देगीं। उन्होने कहा कि मोदी सरकार का यह फैसला 2024 के लोकसभा चुनाव में मास्टर स्टोक साबित होगा।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत, दो घायल, छह बकरियां मरी

मौदहा, हमीरपुर। क्षेत्र के अगल अलग स्थानों में मंगलवार को आकाशीय विजली गिरने से एक महिला की मौके पर मृत्यु हो गयी.महिला समेत दो लोग बुरी घायल हो गये, छह बकरियां भी मर गयी। घायलों को जिला अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती कराया गया है। एसडीएम मौदहा आरके मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को सिसोलर गांव में सिया सखी (55) पत्नी मलखान प्रजापति व लीला पत्नी सियाराम गांव के बाहर अपनी बकरियों चल रही थी तभी बारिश शुरू होने पर दोनों बारिश से बचने के लिए एक छाते के नीचे बैठ गई उसी समय जोरदार धमाके के साथ आकाशीय बिजली उनके ऊपर गिर गई जिससे सिया सखी की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई लीला बुरी तरह जख्मी हो गयी उसे जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है इसी प्रकार उरदना गांव में बकरी चरा रहा खेरापति के पर आकाशीय विजली गिरने से घायल हो गया उसकी छह बकरिया भी मौके पर ही मर गयी।

24 घण्टे के भीतर रूरा पुलिस ने हत्यारोपी को तमंचे के साथ दबोचा

● रविवार की रात्रि जमीनी विवाद में अपौना में वृद्ध की पीट-पीटकर हत्या का मामला ● आश्रम सॅचालक सहित सात लोगों हत्या सहित अन्य आरोप लगाकर मृतक की पत्नी ने सोमवार को दर्ज करवाया था

हत्यारोपी विष्णु व बरामद लाठी, तमंचा के साथ एसओ कपिल दुबे व रूरा पुलिस बल

रूरा, कानपुर देहात। तेज तर्रार, चर्चित प्रभारी निरीक्षक कपिल दुबे के नेतृत्व में रूरा पुलिस बल ने सोमवार को थाने पर दर्ज हुये हत्या के मामले के आरोपी को देशी अवैध तमॅचे के साथ 24 घण्टे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया। आपको बताते चलें कि थाना क्षेत्र के अपौना गॉव में रविवार की देर शाम जमीनी विवाद में बडे सिंह की गॉव में ही सॅचालित अघोरी सम्प्रदाय के आश्रम सॅचालकों से मारपीट हो गयी थी, उपचार के दौरान बडे सिंह की मौत हो गयी थी, सोमवार को मृतक की पत्नी ने आश्रम सॅचालक सहित सात लोगों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया था, पुलिस घटना के बाद से ही थानाध्यक्ष कपिल दुबे के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये युद्ध स्तर पर सभी सॅभावित स्थानों पर दबिश दे रही थी। सोमवार की देर रात्रि व मॅगलवार की तडके सुबह रिन्द नदी से करीब 200 मीटर की दूरी पर मुखबिर की सटीक सूचना पर हत्यारोपी विष्णु पाण्डेय को एसओ कपिल दुबे व रूरा पुलिस की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुये पकड लिया, हत्यारोपी के पास से पुलिस ने मारपीट में प्रयुक्त हुयी टूटी हुयी लाठी व एक अवैध तमॅचा बरामद किया। पूॅछतॉछ में आरोपी ने बताया कि रविवार की शाम को धर्मेन्द्र आचार्य ने आश्रम के भीतर मुझे शराब पिलायी नशा अधिक होने पर मुझे व अन्य लोगों को साथ में लेकर बडे सिंह के पास गया वहॉ बडे सिंह व आचार्य धर्मेन्द्र के बीच झगडा हो गया इसी दौरान धर्मेन्द्र आचार्य ने डण्डों स बडे सिंह को पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया, जिसकी बाद में मृत्यु हो गयी। आरोपी की गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक कपिल दुबे के साथ, एसआई सुरजीत सिंह, आरक्षी वैभव कुमार व राहुल यादव की प्रमुख भूमिका रही।

निजी नलकूप में सो रहे किसान की निर्मम हत्या से सनसनी

● चित्रकूट जिले के अहिरी गांव की घटना

चित्रकूट। जिले के मऊ थाना क्षेत्र के अहिरी गांव में सोमवार की रात निजी नलकूप में सो रहे अधेड़ किसान की अज्ञात लोगों ने लाठी डंडों से पीट-पीट कर निर्मम हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारे मौके से भाग निकले। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है। मृतक के बेटे ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

अहिरी निवासी 57 वर्षीय किसान रामबालक का बाला पुरवा मार्ग में निजी नलकूप लगा है। वहीं पर उसकी खेती होती है। रात में रोजाना रामबालक अपने म नलकूप में जाकर सोता है और रखवाली करता है। रोजाना की तरह सोमवार की शाम खाना खाने के बाद घर से वह नलकूप गया था। रात में उसकी वहीं पर अज्ञात लोगों ने लात ही डंडों से पीट कर निर्मम तरीके से हत्या कर दी। मंगलवार को सुबह जब काफी देर तक वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने नल कूप में जाकर देखा तो वहां बिस्तर के पास ही राम बालक खून से लथपथ पड़ा था। उसकी मौत हो चुकी थी। हत्या की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों की सूचना पर थाना प्रभारी मऊ राजेश द्विवेदी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ देर बाद सीओ मऊ राजकमल ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस हत्यारों की तलाश में छानबीन कर रही है। फिलहाल हत्या की वजह सामने नहीं आई है। मृतक के बेटे आदित्य ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना के बाद मृतक की पत्नी सुआसिया का रो-रोकर बुरा हाल है।

गुणवत्ता की अनदेखी करने वाली कार्यदायी संस्था के विरुद्ध होगी कार्रवाईः डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक जिला कलेक्ट्रेट की सभागार में संपन्न। बैठक में जिलाधिकारी ने विकासखंड मऊ के बरगढ़ क्षेत्र में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के निर्माण कार्य के संबंध में उन्होंने लोक निर्माण विभाग सीडी-1 को निर्देशित किया कि इसमें बिजली कनेक्शन कराकर इसे हैंडओवर कराएं। अंतर्राज्यीय /अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 2 लेन व 4 लेने मार्ग पर गेट व प्रकाश कार्य की व्यवस्था में कहा कि प्रगति कराकर जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कराए। सराय अकिल मार्ग (महिला घाट) सेतु के निर्माण में कहा कि अक्टूबर तक पानी घट जाएगा, इसे मार्च तक पूरा कराएं। नगर पंचायत मऊ के संबंध में जिलाधिकारी में खिड़कियों से पानी अंदर जाता है छज्जा नहीं बनाया गया है इसमें किसी का एंगल का सपोर्ट लेकर

निर्देश देते डीएम अभिषेक आनंद।

छज्जा बनवाएं। उन्होंने कार्यदायी संस्था से कहा कि एक बोर्ड भी लगाएं। राजापुर में तुलसी स्मारक के पर्यटन विकास के निर्माण में उन्होंने कहा कि सोलर लाइट, बोर्ड, म्यूरल वॉल आदि का कार्य पूर्ण कराकर नगर पालिका को हैंडओवर करें। पर्यटन संग्रहालय भवन के संबंध में उन्होंने सीडीओ को निर्देशित किया कि इसमें क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी व यूपीपीसीएल की एक कमेटी बनाएं। इसमें अच्छी क्वालिटी का फर्नीचर लगाए। पर्यटन चौराहे से रामघाट एवं शिवरामपुर तक पथ प्रकाश एवं जनरेटर की व्यवस्था के संबंध में यूपीपीसीएल को निर्देशित किए कि बिजली कनेक्शन के लिए अप्लाई करे तथा जनरेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराएं कहां की इस मंथ इसे पूरा करें। यूपीटीयू तिराहे पर बन रहे फाउंटेन के संबंध में उन्होंने कहा कि जब तक इसकी डिजाइन फाइनल नहीं हो जाती है तब तक क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी इसमें फाउंटेन का कार्य को पूरा कराएं। जिला चिकित्सालय में अग्निशमन के व्यवस्था के संबंध में जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल को निर्देशित किया कि इस मंथ कार्य प्रारंभ कराएं।

भव्य व दिव्य आरती के साथ गजानन की मूर्ति की हुयी स्थापना

संवाददाता। रूरा, कानपुर देहात

कस्बे की मुख्य बाजार में सीडी गर्ल्स इण्टर कालेज के बाहर गणेश चतुर्थी के अवसर पर आयोजित पॉच दिवसीय गणेश महोत्सव का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर आकर्षक विध्न विनाशक भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना के साथआरती की गयी। चैयरमैन रामजी गुप्ता, आयोजन समिति के रामबाबू शुक्ला, लाभम गुप्ता, राजेश दीक्षित बबलू की उपस्थिति में मॅगलवार की शाम को गणेश प्रतिमा की स्थापना कर आरती की गयी। इस मौके पर नारायण प्रकाश मिश्रा, मॅजुल अवस्थी, आदेश तिवारी पिण्टू, अखिलेश गुप्ता लल्ला, अजय गुप्ता बिन्दू, प्रमोद यादव सभासद, सॅजय यादव सभासद विशाल कुशवाहा, सुरेश कुमार, अॅशुल बाजपेई, आशुतोष मिश्रा छोटे भईया व अन्य सभासद मौजूद रहे तथा उन्होने प्रथम पूज्य भगवान गणेश की आरती की।

क्विक न्यूज

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 143 प्रमाण पत्र वितरित

कुसमिलिया(जालौन)। डकोर ब्लॉक कार्यालय में एडीओ पंचायत बालवीर सेंगर की अध्यक्षता में विभिन्न ग्राम पंचायत में मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के स्वीकृत आवासों के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विकासखंड के अंतर्गत क्षेत्र 76 ग्राम पंचायत के मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत 344 आवास चिन्हित हुए जिसमें 143 लाभार्थियों को स्वीकृत प्रमाण पत्र वितरण किए गए। एडीओ पंचायत बलवीर सिंह ने कहा मुख्यमंत्री आवास योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में शामिल है। पात्रता के आधार पर गरीब परिवार, दिव्यांग, ओलावृष्टि, वाले ग्रामीणों को प्रमाण पत्र के साथ सिरजना के पौधे वितरण किए गए। प्रमाण पत्र पाकर जिससे गरीब परिवार के चेहरे खिल गए।

रूरा के पश्चिमी केबिन को बन्द करने के लिए हुई बैठक

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में निर्माणाधीन उपरिगामी सेतु रूरा के निर्माण हेतु पश्चिमी रेलवे क्रासिंग 94 बी को बॅद किये जाने के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कार्यदायी संस्था डीएफसीसीआईएल द्वारा बताया गया कि पैदल व दो पहिया अण्डरपास मार्ग तैयार किया जा रहा है और हल्के चार पहिया वाहनों के लिये रेलवे के सम्पार 96 सी इंजुआरामपुर-गेंदामऊ की मरम्मत का कार्य ॲतिम चरण में है। डीएम ने कहा कि वैकल्पिक मार्गो पर संपूर्ण तैयारी इसी सप्ताह पूरी कर ली जाये, सप्ताह के ॲत तक संपूर्ण तैयारी की रिर्पोट से अवगत कराया जाए, जिससे आगे की कार्यवाही पूरी की जा सके, डीएम ने इस मौके पर आमजनमानस को पूरी सहूलूयित देने का निर्देश दिया। क्रॉसिंग को बन्द किये जाने की दशा में इसको दुर्गा पूजा के समय लोगों से पैदल अण्डरपास मार्ग के उपयोग का आग्रह किया है। एडीएम प्रशासन जेपी गुप्ता, एडीएम वित्त केशवनाथ गुप्ता, सीओ अकबरपुर अरूण कुमार, एसडीएम अकबरपुर सुरभि शर्मा, सेतु निगम व डीएफसीसीआईएल के अधिकारी मौजूद रहे।

महिला ने लगायी फांसी, दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

मौदहा(हमीरपुर)। सिसोलर क्षेत्र के ग्राम टोलामाफमें बीती रात एक महिला ने संदिग्ध हालत में फांसी लगा आत्महत्या कर ली मृतका के पिता ने ससुराली जनों के खिलाफदहेज व हत्या का मामला दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र सिसोलर के टोला माफनिवासी वंदना(21) पत्नी जगन्नाथ निषाद की सोमवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगने से मौत हो गई। मृतका के पिता भोला निषाद निवासी टिटिहरी डांड मजरा गहरौली खुर्द कोतवाली मौदहा ने वंदना के ससुराली जनों द्वारा एक बाइक व दो लाख रुपये न मिलने पर उसे फांसी में टांग जान से मारने का आरोप लगाया है। सिसोलर पुलिस ने पति जगन्नाथ,ससुर मोतीलाल, सास निबिया,जेठ विजय व जेठानी श्रीदेवी समेत सात लोगों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली है। वंदना का विवाह दो वर्ष पूर्व हुआ था अभी उसके कोई संतान नहीं थी। इसका पति जगन्नाथ जन्म से बहरा व गूंगा था।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती के गोली लगने से हुई मौत

कायमगंज फर्रुखाबाद। युवती के गोली लगने के मामले की जांच पड़ताल करने खुद एसपी विकास कुमार मौके पर पहुंचे। और परिजनों से जानकारी ली।मौके पर पहुंचकर फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की। आपको बता दें कि कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के गांव पम्मी नगला निवासी सत्येंद्र जाटव की 18 वर्षीय पुत्री दीक्षा घर के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो है। उसका शव लहूलुहान अवस्था में घर के कमरे में पड़ा हुआ मिला। एसपी विकास कुमार ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। एसपी ने बताया कि परिजनों द्वारा आत्महत्या करना बताया जा रहा है। पुलिस को मौके से एक तमंचा भी बरामद हुआ है। प्रथम दृष्टया मामला गोली का लगना प्रतीत हो रहा है। फिर भी मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर विधि कार्रवाई की जा रही है ।

शाखा प्रबंधक की लापरवाही से लाभार्थी परेशान

कानपुर देहात। केन्द्र व प्रदेश सरकार की मॅशा जहॉ कोरोना काल में मॅदी व बेरोजगारी से जूझ रहे समाज के निचले तबके को दोबारा समर्थ बनाने के लिये पीएम स्वनिधि योजना से रेहडी व पटरी वालों को लाभान्वित करने की रही हो, परन्तु पीएम स्वनिधि के लाभार्थी रूरा एसबीआई शाखा प्रबन्धक की उदासीनता से बैंक के चक्कर लगाने के साथ अपमानित हो रहे है।

भाजपा जिलाध्यक्ष के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

फतेहपुर। भाजपा के नवांगत जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल के स्वागत में जनसमूह उमड़ पड़ा। पार्टी के जिलाध्यक्ष के स्वागत समारोह में पार्टी के विधायकों के अलावा बड़े छोटे नेताओं व कार्यकर्ताओं का समूह उमड़ पड़ा। स्वागत किसी उत्सव जैसा नज़ारा दिखाई दिया।

पूर्व ब्लाक प्रमुख राजू साहू के नेतृत्व में साहू समाज ने बाकरगंज चौराहे पर जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल का चांदी का मुकुट पहनाकर व माल्यार्पण कर ज़ोरदार स्वागत किया। आतिशबाजी के बीच जन समूह ने भी गगनचुंबी नारों के साथ जिलाध्यक्ष का स्वागत किया। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नवांगत जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल के प्रथम जनपद

आगमन के दौरान जनपद सीमा छिवली नदी के पुल से लेकर शहर के अंदर तक जगह-जगह कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। नये जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल के आगमन को लेकर कई दिनों से कार्यकर्ता तैयारियां कर रहे थे।

संगठन के सभी फ्रंटलो के उत्साहित कार्यकर्ता सुबह से ही स्वागत स्थल पर फूल-मालाओं के साथ तैयार थे। जैसे ही जिलाध्यक्ष का काफिला शहर सीमा नऊवाबाग पहुंचा। अयाह शाह विधायक विकास गुप्ता, बिंदकी विधायक जय कुमार जैकी, जहानाबाद विधायक राजेन्द्र पटेल, पूर्व मंत्री रणवेंद्र प्रताप धुन्नी सिंह, पवन मिश्रा, विमलेश साहू समेत पार्टी के कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। इसके बाद शहर के अंदर सहयोगी दल अपना दल के कार्यकर्ताओं के अलावा जगह जगह स्वागत किया गया।

डीएम ने दो बच्चों को खीर खिलाकर कराया अन्नप्राशन

उरई (जालौन)। मुख्यमंत्री द्वारा लोकभवन ऑडिटोरिएम में 'राष्ट्रीय पोषण माह' सितम्बर 2023 के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यक्रमों के विषय में संबोधन किया गया। उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलैक्ट्रेट सभागार कक्ष उरई में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा बटन दबाकर जनपद जालौन के 6 नवीन निर्मित आंगनबाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण तथा 21 निर्मित हो रहे आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों का शिलान्यास किया गया तथा डीबीटी मोड से यूनीफॉर्म (साड़ी) हेतु प्रदेश की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं के खाते में

बच्चे को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराते डीएम राजेश पांडेय।

सीधे धनराशि अंतरण की गयी। मुख्यमंत्री द्वारा संबोधित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पोषण सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है व आम-जनमानस को भी इससे जागरूक किया जा रहा है।

पेज एक का शेष

जस्टिन ट्रूडो...

ये बात कही। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मामले पर कनाडाई सरकार की 'लंबे समय से निष्क्रियता' निरंतर चिंता का विषय रही है। बयान में कहा गया है, कि कनाडा के राजनीतिक हस्तियों ने खुले तौर पर ऐसे तत्वों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की है जो गहरी चिंता का विषय है। कनाडा में हत्या, मानव तस्करी और संगठित अपराध सहित कई अवैध गतिविधियों को जगह देना कोई नई बात नहीं है। इसमें कहा गया है कि हम भारत सरकार को इस तरह के घटनाक्रम से जोड़ने के किसी भी प्रयास को खारिज करते हैं। हम कनाडा सरकार से अपनी धरती से संचालित होने वाले सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इसी तरह के आरोप ट्रूडो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी लगाए थे और उन्हें 'पूरी तरह से खारिज' कर दिया गया। मोदी और ट्रूडो के बीच 10 सितंबर को दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक हुई थी। सीबीसी न्यूज ने एक अज्ञात कनाडाई सरकारी सूत्र के हवाले से कहा कि ट्रूडो ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित कनाडा के कुछ करीबी सहयोगी देशों के नेताओं को मामले के बारे में जानकारी दी है। 10 सितंबर को ट्रूडो के साथ अपनी बातचीत में, मोदी ने कनाडा में चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों को जारी रखने के बारे में भारत की मजबूत चिंताओं से अवगत कराया क्योंकि वे अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं और वहां भारतीय समुदाय को धमकी दे रहे हैं। जुलाई में, भारत ने कनाडा के दूत को तलब किया और कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों पर एक डिमार्शे जारी किया, जिसके कुछ दिनों बाद कनाडा में सेवारत भारत के वरिष्ठ राजनयिकों के नाम वाले पोस्टर उस देश के कुछ क्षेत्रों में सामने आए। जून में, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया जिसमें इंदिरा गांधी की हत्या का चित्रण दिखाया गया था। यह कथित तौर पर उस परेड का हिस्सा था जो ब्रैम्पटन में कुछ खालिस्तानी तत्वों द्वारा आयोजित की गई थी। खालिस्तानी टाइगर फोर्स और सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) की कनाडाई शाखा का नेतृत्व करने वाले हरदीप सिंह निज्जर की जून में सरे में एक गुरुद्वारे के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जालंधर का रहने वाला निज्जर 1997 में कनाडा चला गया। वह भारत में एक आतंकवादी समूह, खालिस्तानी टाइगर फोर्स का 'मास्टरमाइंड' होने के कारण भारत में वांछित था। पिछले जुलाई में, भारतीय आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने पंजाब के जालंधर में एक हिंदू पुजारी की हत्या के मामले में निज्जर पर 10 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित किया था। निज्जर पर 2007 में पंजाब के एक सिनेमाघर में हुए बम विस्फोट का भी आरोप था। एनआईए कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में भारतीय राजनयिक मिशनों पर हुए हालिया हमलों की भी जांच कर रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री ट्रूडो के बयान के तुरंत बाद, अमेरिका ने कहा कि वह आरोपों को लेकर 'चिंतित' है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने एक ईमेल बयान में कहा कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों से अमेरिका बहुत चिंतित है। वॉटसन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि कनाडा की जांच आगे बढ़े और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। ब्रिटेन सरकार ने कहा कि कनाडा में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या पर लगे 'गंभीर आरोपों' का भारत के साथ उसकी चल रही व्यापार वार्ता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रवक्ता ने इस मुद्दे के भारत-ब्रिटेन संबंधों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही।

महिला आरक्षण...

आंकड़ों के अनुसार, राज्यसभा में भी महिलाओं का प्रतिनिधित्व लगभग 14 प्रतिशत है। संविधान (128वां संशोधन) विधेयक के प्रावधान यह स्पष्ट करते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक के कानून बनने के बाद आयोजित जनगणना के आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए परिसीमन अभ्यास या निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के बाद ही प्रभावी होगा। विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने विपक्ष के शोर-शराबे के बीच संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023 पेश किया। इस विधेयक को पूरक सूची के माध्यम से सूचीबद्ध किया गया था। नए संसद भवन में पेश होने वाला यह पहला विधेयक है। मेघवाल ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह महिला सशक्तीकरण से संबंधित विधेयक है और इसके कानून बन जाने के बाद 543 सदस्यों वाली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मौजूदा 82 से बढ़कर 181 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके पारित होने के बाद विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि विधेयक में फिलहाल 15 साल के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है और संसद को इसे बढ़ाने का अधिकार होगा। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की आरक्षित सीट में भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण होगा। मेघवाल ने 2010 में महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा में पारित होने के बाद उसे लोकसभा से पारित न कराने को लेकर तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार की मंशा पर संदेह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में पारित होने के बावजूद महिला आरक्षण विधेयक लोकसभा में पारित नहीं कराया जा सका, यह तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार की नाकामी को दर्शाता है। मेघवाल ने कहा, राज्यसभा में 2010 में यह विधेयक पारित हुआ था और इसे लोकसभा को भेज दिया गया था। उसके बाद यह विधेयक निम्न सदन की प्रोपर्टी हो गया, लेकिन इसे पेश नहीं किया जा सका। पंद्रहवीं लोकसभा के भंग होने के साथ ही संबंधित विधेयक निष्प्रभावी हो गया। मेघवाल के विधेयक पेश करने के बीच में ही अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को अवगत कराया कि विधेयक पर चर्चा बुधवार को शुरू होगी। इससे पहले मेघवाल जैसे ही विधेयक पेश करने के लिए खड़े हुए, विपक्षी सदस्यों ने सरकार पर विधेयक की प्रति नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए शोर-शराबा करना शुरू कर दिया। इस पर मेघवाल और संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने सदस्यों को बताया कि नई प्रौद्योगिकी से लैस स्क्रीन पर सब कुछ अपलोड किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि विधेयक की जानकारी पूरक सूची में अपलोड की गई है। विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच अध्यक्ष ने हस्तक्षेप किया और सदस्यों से कहा कि वे अपनी-अपनी सीट से लगे यंत्र के जरिए इस विधेयक को देख सकते हैं। शोर-शराबे के बीच ही मेघवाल ने विधेयक पेश किया। मेघवाल ने इस दौरान महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वह महिला-नीत विकास को प्रश्रय देते रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण के प्रावधान वाले नारीशक्ति वंदन विधेयक को कानून बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। मैं देश की माताओं, बहनों और बेटियों को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

पंजाब के...

घर के अंदर भी गोलियाँ मारी जा रहीं हैं। बताया जा रहा है कि इस हत्या की जिम्मेदारी कनाडा स्थित खालिस्तानी आतंकी अर्श दल्ला ने ली है। यह जिम्मेदारी उसने हत्या के कुछ घंटों बाद की गई एक फेसबुक पोस्ट के जरिए ली।

स्थापत्य का...

लिए किया जाता है और इसे ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। सार्वजनिक प्रवेश द्वार तीन दीर्घाओं की ओर ले जाते हैं- संगीत गैलरी, जो भारत के नृत्य, गीत और संगीत परंपराओं को प्रदर्शित करती है, स्थापत्य गैलरी जो देश की स्थापत्य विरासत को दर्शाती है, और शिल्प गैलरी जो विभिन्न राज्यों की हस्तशिल्प परंपराओं को प्रदर्शित करती है। चार मंजिला संरचना का निर्मित क्षेत्र 64,500 वर्ग मीटर है। भवन नियोजकों ने मंदिरों और धर्मग्रंथों से प्रेरणा ली है। इसमें एक दीवार है, जन जननी जन्मभूमि, जिसे जमीनी स्तर के कलाकारों द्वारा चित्रित किया गया है। संगीत, शिल्प और वास्तुकला को प्रदर्शित करने के लिए तीन गैलरी भी हैं। यह इमारत देश भर के कारीगरों और मूर्तिकारों के योगदान के साथ, देश की गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित करती है। नए संसद भवन में प्रदर्शित कला के हजारों टुकड़े- पेंटिंग, दीवार पैनल, मूर्तियां, धातु कला- सनातन परंपरा और वास्तु शास्त्र पर आधारित हैं। इसके निर्माण में सभी राज्यों के शिल्पकारों और कलाकारों ने योगदान दिया है। 'मेड इन इंडिया' पहल के अनुरूप, संसद भवन के निर्माण में नागपुर से सागौन की लकड़ी और राजस्थान के सरमथुरा से लाल और सफेद बलुआ पत्थर जैसी विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग किया गया है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर के कालीन और राजस्थान के पत्थर की नक्काशी का भी उपयोग किया गया है। इसके अलावा, फर्श में अजमेर के पास लाखा से लाल ग्रेनाइट और राजस्थान के अंबाजी से सफेद संगमरमर का भी उपयोग किया गया है। एपिटोम बांस की लकड़ी के फर्श की आपूर्ति बोधजंगनगर, त्रिपुरा के मुथा इंडस्ट्रीज द्वारा की गई थी। नए संसद भवन की एक महत्वपूर्ण विशेषता 'सेनगोल' है, जो तमिलनाडु में बना एक ऐतिहासिक राजदंड है और एक शासक से दूसरे शासक को सत्ता हस्तांतरित करने के लिए चोल साम्राज्य युग के सेनगोल से प्रेरित है। यह सत्ता के हस्तांतरण का प्रतिनिधित्व करने के लिए अंग्रेजों द्वारा प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दिया गया था। चोल काल के दौरान, सेनगोल को अधिकार के एक पवित्र प्रतीक के रूप में देखा जाता था, जो एक शासक से दूसरे शासक को सत्ता के हस्तांतरण का प्रतिनिधित्व करता था। नए भवन में मंत्रिपरिषद के कार्यालयों के रूप में उपयोग के लिए छह नए समिति कक्ष और 92 कमरे भी हैं। प्रत्येक संसद सदस्य के पास पुनर्विकसित श्रम शक्ति भवन में 40 वर्ग मीटर का कार्यालय स्थान होगा, जो 2024 तक पूरा हो जाएगा। राष्ट्रीय अभिलेखागार भी पुराने भवन से नए भवन में स्थानांतरित हो जाएगा। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा नए संसद भवन में नवीनतम साइबर सुरक्षा प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इमारत में सुरक्षित, एन्क्रिप्टेड नेटवर्क बुनियादी ढांचा है। नया संसद भवन पुराने संसद भवन से तीन गुना बड़ा है, जो 64,500 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है और इसमें 888 लोग रह सकते हैं। पुराना संसद भवन गोलाकार था जबकि नया भवन त्रिकोणीय है। पुरानी इमारत में लोकसभा की 543 सीटें थीं। नई बिल्डिंग में लोकसभा में एक साथ 888 लोग बैठ सकेंगे. पुराने संसद भवन में राज्यसभा की 250 सीटें थीं। वहीं नए भवन में राज्यसभा सीटों की संख्या बढ़कर 384 हो रही है।

अनंतनाग में...

हैं कि वे इस क्षेत्र में न जाएं। एडीजीपी ने कहा कि सुरक्षा बलों को रिपोर्ट मिली थी कि वहां दो से तीन आतंकवादी हैं। कुमार ने कहा, संभावना है कि तीसरा शव कहीं हो। तलाश पूरी होने के बाद इसका पता चलेगा।

हम जी-20 की अध्यक्षता के लिए भारत और पीएम मोदी के आभारी हैं : अमेरिका

भाषा। न्यूयॉर्क (अमेरिका)

अमेरिका जी20 की सफल अध्यक्षता के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी है तथा राष्ट्रपति जो बाइडन दिल्ली में समूह के शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद बहुत सकारात्मक और आशावान महसूस कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। रणनीतिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के समन्वयक जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में पीटीआई-भाषा के सवाल के जवाब में कहा, बाइडन जब जी20 सम्मेलन से लौटे, तो वह बेहद सकारात्मक और आशावान महसूस कर रहे थे। मेरा मतलब है कि जी20 में बहुत अच्छा काम किया गया है। हम सभी न सिर्फ समूह की अध्यक्षता के लिए, बल्कि जिस तरह से एजेंडा को क्रियान्वित किया गया, उसके लिए भी प्रधानमंत्री मोदी और भारत के आभारी हैं। भारत की अध्यक्षता में गत 9-10 सितंबर को दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का जिक्र करते हुए किर्बी ने कहा, यह बहुत ही उपयोगी दो दिन थे। किर्बी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें उच्च स्तरीय सत्र के लिए अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ-साथ विदेश नीति से संबंधित अन्य मुद्दों पर सोमवार को यहां न्यूयॉर्क फॉरेन प्रेस सेंटर में संवाददाताओं को संबोधित किया। बाइडन मंगलवार को प्रतिष्ठित यूएनजीए (संयुक्त राष्ट्र महासभा) हॉल में आम बहस की शुरुआत पर 193 सदस्यीय महासभा के नेताओं को संबोधित करने वाले हैं। किर्बी ने कहा, बाइडन को जी20 एजेंडा के अलावा दिल्ली में द्विपक्षीय रूप से मोदी के साथ काफी समय बिताने का मौका मिला। इसलिए मुझे बाइडन के न्यूयॉर्क में रहने के दौरान उनके एजेंडे पर भारत-केंद्रित किसी विशेष बैठक के बारे में जानकारी नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुतारेस ने सुरक्षा परिषद में सुधार पर जोर दिया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने आज की दुनिया के अनुरूप और समानता के आधार पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का मंगलवार को आह्वान किया और नेताओं से कहा कि 15 देशों का यह संगठन 1945 की राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है। गुतारेस ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र में अपने संबोधन में वैश्विक नेताओं से कहा, "हमारी दुनिया अव्यवस्थित होती जा रही है। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है। वैश्विक चुनौतियां बढ़ रही है। और हम इनसे निपटने के लिए एक साथ आने में असमर्थ दिख रहे है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बहुध्रुवीय दुनिया को मजबूत और प्रभावी बहुपक्षीय संस्थानों की जरूरत है, फिर भी वैश्विक शासन पुराने समय के हिसाब से चल रहा है। गुतारेस ने कहा, ज्यादा दूर न जाएं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को देखें।

संयुक्त राष्ट्र में बाइडन का ध्यान अमेरिकी मतदाताओं, वैश्विक नेताओं को अपने नेतृत्व के बारे में संदेश देने पर होगा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में अपने वार्षिक संबोधन का इस्तेमाल विश्व नेताओं और 2024 के चुनाव के वास्ते अमेरिकी मतदाताओं को यह बताने के लिए करना चाहेंगे कि उन्होंने वैश्विक मंच पर अमेरिकी नेतृत्व को फिर से स्थापित किया है। बाइडन लगातार यह कहते रहे हैं कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका की अहमियत वैश्विक मामलों में घटती गई। अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि बाइडन 19 महीने से जारी रूसी हमले को विफल करने के यूक्रेन के प्रयास का समर्थन जारी रखने के लिए विश्व निकाय के सदस्यों के सामने मजबूत पैरवी करेंगे। बाइडन ने सोमवार शाम को चुनाव प्रचार के लिए कोष जुटाने के अभियान की समीक्षा की और समर्थकों को बताया कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के खिलाफ खड़े रहे। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल ट्रम्प सत्ता में रहने पर यूक्रेन के भूभाग पर कब्जा करने से रूस को रोकने में मदद करते। बाइडन ने चंदा जुटाने के अभियान के दौरान अपने समर्थकों से कहा, मैं पुतिन जैसे तानाशाहों का पक्ष नहीं लूंगा। हो सकता है कि ट्रम्प और उनके मित्र झुक जाएं, लेकिन मैं नहीं झुकूंगा। महासभा के सत्र में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और पुतिन शामिल नहीं हो रहे हैं। बाइडन (80) के लिए, मंगलवार के भाषण के दौरान अधिक महत्वपूर्ण श्रोता अमेरिका के मतदाता हो सकते हैं, क्योंकि राष्ट्रपति उनके सामने यह बात रखना चाहेंगे कि उन्होंने जटिल विदेश नीति के एजेंडे को कुशलता से संभाला है। इस तरह राष्ट्रपति अपनी उम्र को लेकर चिंतित मतदाताओं के बीच- यहां तक कि उनकी अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी में भी-तर्क प्रस्तुत कर सकते हैं। बाइडन ने सोमवार को चंदा जुटाने के एक अन्य कार्यक्रम में कहा, हमने यूक्रेन का समर्थन करने और नाटो को साथ करने के लिए दुनिया को एकजुट किया, क्योंकि मैं शुरू से आश्वस्त था कि नाटो के सामने पुतिन टिक नहीं पाएंगे।

क्विक न्यूज़

दक्षिण पूर्व एशिया के देशों ने विवादित दक्षिण चीन सागर के पास पहला संयुक्त नौसैन्य अभ्यास किया

जकार्ता (इंडोनेशिया)। आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संगठन) ने मंगलवार को अपना पहला संयुक्त नौसैन्य अभ्यास ऐसे समय में शुरू किया जब कई सदस्य देश क्षेत्र में बढ़ती चीनी आक्रामकता पर अधिक मजबूती से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इंडोनेशियाई सैन्य प्रमुख एडमिरल युडो मार्गोनो ने कहा कि आसियान सॉलिडेरिटी एक्सरसाइज नाम के गैर-युद्धक अभ्यास में संयुक्त समुद्री गश्ती अभियान, खोज और बचाव अभियान तथा मानवीय व आपदा राहत शामिल है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया के नातुना जलक्षेत्र में पांच दिवसीय अभ्यास का उद्देश्य आसियान देशों के बीच सैन्य संबंधों को बढ़ावा देना और अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अभ्यास में मानवीय सहायता और आपदा सेक्टर्स में शामिल नागरिक संगठन भी शामिल हैं।

पेन की संसद में सदस्यों को कातालान, बास्क और गैलिशियन भाषा में संबोधन की अनुमति होगी

मैड्रिड। स्पेन की संसद अपने सदस्यों को मंगलवार को पहली बार सदन में देश की अल्पसंख्यक भाषाओं कातालान, बास्क और गैलिशियन का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए तैयार है। स्पेन के निचले सदन की भाषाई नीति में सुधार कातालान अलगाववादी दलों की मांग थी। जुलाई में हुए आम चुनाव में किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बीच अलगाववादी दलों ने एक समाजवादी नेता को संसद का नया स्पीकर बनाए जाने पर समर्थन देने का ऐलान किया था। कार्यवाहक प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज नई वामपंथी सरकार बनाने के लिए कातालोनिया और बास्क के अलगाववादी दलों का समर्थन पाना चाहते हैं। माना जा रहा है कि इसके चलते पहली बार सदस्यों को इन भाषाओं में संसद में अपनी बात रखने की अनुमति देने की तैयारी है। स्पेन के करीब दो तिहाई आबादी वाले क्षेत्रों के छोटे दल संसद में स्पेनिश के अलावा अन्य भाषाओं में अपनी बात रखने का अधिकार देने की लंबे समय से मांग कर रहे हैं।

किम की रूस यात्रा संपन्न, स्वदेश लौटे

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन रूस की यात्रा के बाद स्वदेश लौट आए है, जहां उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भाईचारे एवं मित्रतापूर्ण संबंधों को और मजबूत बनाया। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों ने बताया कि रूस के छह दिवसीय दौरे में किम ने रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की, लेकिन इसके लिए उठाए गए कदमों की जानकारी नही दी। यह किम की उत्तर कोरिया के नेता के रूप मे किसी अन्य देश की सबसे लंबी यात्रा रही। विदेशी विशेषज्ञो ने अटकलें लगाई है कि पश्चिमी देशो के साथ संघर्ष में उलझे दोनों देश हथियारों के हस्तांतरण का सौदा करने पर जोर दे रहे है, जो कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावो का उल्लंघन है।

संरा महासभा के सत्र में आतंकवाद के खिलाफ जंग

यूएनएससी में सुधार पर होगा भारत का जोर

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 78 वें वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र के दौरान जी20 समूह के अध्यक्ष के रूप में ग्लोबल साउथ से जुड़े अहम मुद्दों पर भारत का जोर, आतंकवाद के खिलाफ जंग, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार और वैश्विक शांति का मुद्दा नई दिल्ली की प्राथमिकताओं में शामिल होगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने यह जानकारी दी। कंबोज ने सोमवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा, यूएनजीए के इस सत्र में हमारी भागीदारी वैश्विक सहयोग, शांति और सतत विकास के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा, उस सिद्धांत से प्रेरित होकर, जो दुनिया को एक एकीकृत वैश्विक परिवार के रूप में देखता है और प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं के अनुरूप, हम सहयोगात्मक प्रयासों के लिए तत्पर हैं, जिससे न केवल हमारे संबंधित महाद्वीपों, बल्कि पूरे विश्व को फायदा होगा। यूएनजीए सत्र में आम बहस की शुरुआत की पूर्व संध्या पर कंबोज ने कहा कि महासभा के 78वें सत्र के दौरान भारत कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस बहस के दौरान कई देशों और सरकारों के प्रमुख एवं मंत्री यूएनजीए के प्रतिष्ठित मंच से विश्व को संबोधित करेंगे। सत्र के लिए भारत की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कंबोज ने देश की जी20 अध्यक्षता और नई दिल्ली में 9-10 सितंबर को आयोजित इस प्रतिष्ठित समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, सबसे पहले, जी20 के निवर्तमान अध्यक्ष के रूप में भारत जलवायु कार्वाई, वित्त और सतत विकास लक्ष्यों सहित उन मुद्दों पर जोर देना जारी रखेगा, जो ग्लोबल साउथ के देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल अक्सर विकासशील और अल्प विकसित देशों के लिए किया जाता है, जो मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। कंबोज ने कहा, हमने समसामयिक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग के महत्व को पहचानते हुए गर्व से अफ्रीकी संघ के लिए जी20 में शामिल होने के दरवाजे खोले हैं।

जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक में रूस के शामिल होने पर सवाल उठाया

न्यूयॉर्क। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र को यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस को अपनी बैठक मे शामिल होने की अनुमति देने पर जवाब देने की जरूरत है। जेलेस्की ने न्यूयॉर्क के अस्पताल में यूक्रेन सेना के घायल सदस्यो से मुलाकात करने के बाद कहा, हमारे लिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारे सभी शब्दों, हमारे संदेशों को हमारे सहयोगी सुने। संयुक्त राष्ट्र मे यदि अब भी रूस के आतंकवादियों के लिए जगह है, तो यह सवाल मेरे लिए नही है। मुझे लगता है कि यह सवाल संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यो के लिए है। अमेरिका पहुंचे जेलेंस्की दुनिया को यह समझाने की कोशिश करेंगे कि रूस के हमले को रोकने की कोशिश करने मे यूक्रेन के लिए मदद जारी रहना कितना आवश्यक है। रूस ने यूक्रेन के खिलाफ करीब 19 महीने पहले युद्ध शुरू किया था। यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियो ने उसे हथियारो और अन्य सहायता की आपूर्ति की है तथा अमेरिकी संसद 24 अरब अमेरिकी डॉलर की और सहायता प्रदान करने के राष्ट्रपति जो बाइडेन के अनुरोध पर इस समय विचार कर रही है। यूक्रेन को अतिरिक्त धन मुहैया कराने को लेकर अमेरिकी सांसदो मे मतभेद बढ़ रहा है। जेलेंस्की का बृहस्पतिवार को अमेरिकी संसद परिसर कैपिटल हिल में कुछ समय बिताने और व्हाइट हाउस में बाइडन से मिलने का कार्यक्रम है। इससे पहले जेलेंस्की मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा मे विश्व के नेताओं को संबोधित करेंगे और सुरक्षा परिषद की बैठक मे बुधवार को यूक्रेन के बारे में बोलेंगे। रूस इस परिषद का स्थाई सदस्य है और उसके पास वीटो की शक्ति है। बैठक मे रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव द्वारा टिप्पणी किए जाने की संभावना है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने मित्र देशों से यूक्रेन को और वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराने की अपील की

रामस्टीन एयर बेस (जर्मनी)। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने मंगलवार को मित्र देशों से रूसी मिसाइलों के बढ़ते हमलों का मुकाबला करने के लिए यूक्रेन को और वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराने की अपील की। मित्र देशों ने हालांकि यूक्रेन को जवाबी हमले में यथासंभव मदद देने को लेकर चर्चा की बात कही है, लेकिन वे लंबी दूरी की मिसाइल देने के वादे पर पहल करते नहीं दिख रहे हैं, जबकि यूक्रेन के नेताओं का कहना है कि उन्हें इनकी जरूरत है।जर्मनी में रामस्टीन एयरबेस पर यूक्रेन रक्षा संवाद दल की बैठक में अपने संबोधन में ऑस्टिन ने कहा, वायु रक्षा प्रणाली जिंदगियां बच रही है। इसलिए मैं इस समूह से यूक्रेन के लिए जमीन आधारित वायु रक्षा प्रणाली के वास्ते उदार बने रहने की अपील करता हूं। हमें यूक्रेन को वायु रक्षा प्रणाली और इंटरसेप्टर प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास करना चाहिए। यह समूह 50 से अधिक देशों के रक्षा एवं सैन्य नेताओं से बना है तथा यूक्रेन के युद्ध प्रयासों के वास्ते उसे हथियारों, अन्य उपकरणों की आपूर्ति एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का मुख्य मंच है।

भारत के साथ व्यापार वार्ताएं पहले की तरह जारी रहेंगी: ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को कहा कि कनाडा मे सिख अलगाववादी नेता की हत्या से संबंधित गंभीर आरोपो से भारत के साथ जारी व्यापार वार्ताओ पर प्रभाव नही पड़ेगा। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के प्रवक्ता से प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट मे इस मुद्दे के चलते भारत-ब्रिटेन के संबंधों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में पूछा गया तो उन्होने कहा कि ब्रिटेन कनाडा के अधिकारियो के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए है।

PUBLIC NOTICE

To, be known to all that my client, SONAL GUPTA D/O SHRI PURSHOTAM DAS GUPTA & W/O SHRI JAIDEEP ROY resident of FLAT NO.B-80, FOURTH FLOOR, SHREE RADHA CGHS LTD., PLOT NO.3, SECTOR-9, DWARKA PHASE-1, NEW DELHI-110077, is the allottee/owner of FLAT NO. B-80, FOURTH FLOOR, SHREE RADHA CGHS LTD., PLOT NO.3, SECTOR-9, DWARKA PHASE-1, NEW DELHI-110077. The original documents i.e. Original ALLOTMENT LETTER and POSSESSION LETTER of the above said property have been lost or misplaced by my client and is not traceable inspite of her best efforts. An F.I.R./NCR to this effect has been lodged in the Police Station, Crime Branch, Delhi (LR No. 892888/2023 dated 16.09.2023 and LR No.586600/2023 dated 24.06.2023). Any person(s) claiming any rights, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 9810358418, within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director (Group Housing) or Director (Group Housing), Vikas Sadan, New Delhi.

Naveen Aggarwal (Advocate)
Ch.No. M-7, Near SBI, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Late Harsh Datta W/o Late Satish Kumar Datta was owner of Flat No. B-602 in Brindawan Garden CGHS Ltd., Plot-10, Sector 12, Dwarka, New Delhi-110078. The deceased couple has left behind a son and a daughter.
Now their son Varun Datta has applied for membership to the society by producing the required documents in this regard. Public in general is hereby informed accordingly with the request to submit their objection, if any, to the Management of the Society immediately so that the management can take a call in the matter with in the prescribed time under RCS/DCS Rules

President / Secretary
Brindawan Garden CGHS Ltd
Plot-10, Sector-12, Dwarka, New Delhi-110078

PUBLIC NOTICE

The public in general is hereby informed that Sh. Raj Kumar S/o Sh. Jagan Nath, residing at-Flat No. 303, Abhiyan Cooperative Group Housing Society Limited, Plot No. 15, Sector-12, Dwarka, Delhi-110078 (hereinafter referred as 'Owner') is negotiating to sell to my client the property as detailed in the 'Scheduled Property' mentioned hereunder. The said owner has claimed that he is the absolute owner in actual physical possession of the Schedule Property, as the sole and absolute right, title and interest holders thereof. The Owner has also claimed that his rights are free from all encumbrances, charges, claims, etc. of whatsoever nature and that he has a clear and marketable title in respect of the 'Scheduled Property'.This public notice is issued for verification of the title of the 'Owners' with respect to the 'Scheduled Property'.
All or any persons including any banks, financial institutions or any other party or person, having any valid and legal claim, right, title, demand or interest by virtue of any sale, gift, lease, tenancy, license, exchange, partition, mortgage, charge, lien, inheritance, succession, trust, maintenance, possession, easement, agreement, lis-pendence, stay order, attachment, decree, specific performance or otherwise or any other right of whatsoever nature are required /called upon to convey their objection/s in writing at the address mentioned below, within ten (10) days from issuance of this notice, along with all supporting documents relating to such claim, failing which it shall be presumed that there is /are no claim/s and such claim/s if any, shall be considered to be waived and abandoned in respect of the 'Scheduled Property'.
All the piece and parcel of freehold residential property bearing Flat No.303, admeasuring about 118.353 Sq. Mts. built-up area, with share certificate no. 026, membership no. 232,situated on ground floor of the building Abhiyan Cooperative Group Housing Society Limited, Regn. No. 767 (GH), Plot No. 15, Sector 12, Dwarka, Delhi-78.Hence this Notice.
Delhi
Date: 20.09.2023

Sd/-
Sanjana Antil, Advocate
Office: Chamber No. 308, Lawyer's Chambers Block, Dwarka Court Complex, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075
Email: advocatesanjananatil@gmail.com, Mob:9899270061

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.
VEHICLES FOR SALE
1) SWRJ_MAZDA_SARTAJ_XM
REG. NO. DL1MA1554-YOM -2018
MINIMUM RESERVE PRICE 452446
2) ASHOK LEYLAND LIMITED - AL 1618
REG. NO. HR55AC2859- YOM - 2017
MINIMUM RESERVE PRICE 615000
UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/OFFLINE) WITHIN 15 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 05-10-2023 (PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOULD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).
BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK LTD., PLOT NO.7 INSTITUTIONAL AREA, SECTOR-125 NOIDA NEAR DELL CAMPUS NOIDA (U.P) UP-201313 OR
CONTACT : RAMAN AHUJA
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT / 8377988238
EMAIL-raman.ahuja@kotak.com

केन्या का सैन्य हेलीकॉप्टर सोमालिया के पास दुर्घटनाग्रस्त, आठ की मौत

नैरोबी। केन्या मे सोमालिया की सीमा के पास एक सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसमे सवार सभी आठ लोगो की मौत हो गई। अधिकारियो ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि तटीय केन्या के लामू काउंटी मे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। हालांकि, घटना के कारणों का तत्काल पता नही चल सका है। केन्याई रक्षा बल सोमालिया से संचालित चरमपंथी समूह अल-शबाब के हमले रोकने के लिए इस क्षेत्र मे तैनात रहते है। यह समूह अलकायदा से जुड़ा है। रक्षा विभाग ने कहा कि वायु सेना का हेलीकॉप्टर रात्रि गश्त के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसने कहा कि जांच दल को घटनास्थल पर भेजा गया है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार इवान गेर्शकोविच मॉस्को की अदालत में पेश हुए

मॉस्को। जासूसी के आरोपो मे गिरफ्तार वॉल स्ट्रीट जर्नल के संवाददाता इवान गेर्शकोविच अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ अपील करने के लिए मंगलवार को मॉस्को की एक अदालत मे पेश हुए। अमेरिकी नागरिक गेर्शकोविच (31) को मार्च मे रूस के एकातेरिनबर्ग शहर मे गिरफ्तार किया गया था। गेर्शकोविच और वॉल स्ट्रीट जर्नल ने आरोपो से इनकार किया था जबकि अमेरिकी सरकार ने कहा था कि उन्हे गलत तरीके से हिरासत में लिया गया। रूस के अधिकारियो ने जासूसी के आरोपो के समर्थन मे कोई सबूत पेश नही किया।

चीन ने दूतावासों से सभी स्थानीय कर्मियों की निजी जानकारी मांगी

हांगकांग। चीन के विदेश मंत्रालय ने हांगकांग स्थित सभी विदेशी वाणिज्य दूतावासो से अपने स्थानीय कर्मचारियो का व्यक्तिगत विवरण प्रदान करने को कहा है। बीजिंग के इस कदम को अर्ध-स्वायत्त हांगकांग पर अपनी पकड़ मजबूत करने के तौर पर देखा जा रहा है। विदेश मंत्रालय के आयुक्त कार्यालय ने वाणिज्य दूतावासो से कर्मचारियो के नाम, पदनाम, आवासीय पते, पहचान पत्र संख्या और यात्रा दस्तावेज संख्या उपलब्ध कराने को कहा है। चीन ने राजनयिक संबंधो पर वियना संधि और सामान्य अंतरराष्ट्रीय अभ्यास के अनुरूप यह विवरण प्रदान करने के लिए कहा है।

निहार को पेंगुइन रैंडम हाउस का स्थाई सीईओ नामित किया गया

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के निहार मालवीय को न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन समूह पेंगुइन रैंडम हाउस का स्थाई मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नामित किया गया है। मालवीय को इससे नौ महीने पहले अंतरिम मुख्य कार्यकारी नियुक्त किया गया था।मालवीय (48) ने एक जनवरी, 2023 को पेंगुइन रैंडम हाउस के अंतरिम सीईओ की भूमिका संभाली थी। मालवीय से पहले मार्क्स डोहले इस प्रकाशन समूह के सीईओ थे। डोहले ने पिछले साल साइमन और शूस्टर के लिए बोली मे पेंगुइन रैंडम हाउस के असफल रहने के बाद यह पद छोड़ दिया था।

यूक्रेन के ल्वीव शहर में रूसी ड्रोन हमले में एक मरा

कीव। रूस ने मंगलवार तड़के यूक्रेन के ल्वीव शहर मे बड़ा ड्रोन हमला किया जिसकी चपेट मे आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियो ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस हमले के कारण एक गोदाम को काफी नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि उसके देश ने बीती रात कुल 30 मे से 27 ड्रोन रोके। गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने कहा कि लेकिन जो ड्रोन वायु रक्षा प्रणालियों को भेदने मे सफल रहे ।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद यूट्यूब ने रसेल ब्रांड को स्ट्रीमिंग साइट से पैसा कमाने से रोका

लंदन। गूगल के स्वामित्व वाले वीडियो स्ट्रीमिंग मंच यूट्यूब ने मंगलवार को कहा कि हास्य कलाकार से सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बने रसेल ब्रांड अब यूट्यूब से पैसे नहीं कमा पाएंगे। ब्रांड पर कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यूट्यूब ने कहा कि ब्रांड (48) के खिलाफ गंभीर आरोपों के बाद उसके खाते का मुद्रीकरण निलंबित कर दिया गया है। उसके यूट्यूब चैनल पर तकरीबन 66 लाख सब्सक्राइबर हैं। कंपनी ने कहा, "यह निर्णय उन सभी चैनलों पर लागू होगा जो रसेल ब्रांड के स्वामित्व या उनके द्वारा संचालित किए जाते हैं। ब्रांड ने चैनल 4 के टेलीविजन वृत्तचित्र, द टाइम्स और संडे टाइम्स अखबारों में चार महिलाओं द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से इनकार किया है। आरोप लगाने वालों मे एक महिला भी शामिल है, जिसने कहा था कि जब वह 16 साल की थी तब उसके साथ रिश्ते के दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया गया था। एक अन्य महिला ने कहा कि ब्रांड ने 2012 में लॉस एंजिलिस में उसके साथ दुष्कर्म किया था। ब्रांड पर लगाए गए चारों आरोप 2006 और 2013 के बीच के हैं।

ईरान से छोड़े गए अमेरिकी स्वदेश पहुंचे

भाषा। वाशिंगटन

ईरान में वर्षों से हिरासत में रखे गए अमेरिकी नागरिक मुक्त होने के बाद मंगलवार को स्वदेश पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने अपने परिजनों को गले लगाया और आजादी की घोषणा की। ईरान में बंद इन अमेरिकियों की रिहाई के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने फ्रीज (लेन-देन पर रोक) की गई करीब छह अरब अमेरिकी डॉलर की ईरानी पूंजी को जारी करने पर सहमति जताई है। ईरान की कैद से छूटे अमेरिकी नागरिक तालियों की गूंज के बीच मंगलवार भोर में वर्जीनिया के फोर्ट बेल्वोइर में उतरे। विमान से उतरने वाले पहले व्यक्ति सैमक नमाजी एक पल के लिए रुके, अपनी आंखें बंद कीं और विमान छोड़ने से पहले गहरी सांस ली। बंदियों के प्रियजनों में से कुछ के हाथों में अमेरिका के झंडे थे। इन लोगों ने उन्हें गले लगाया और अंग्रेजी तथा ईरान की मुख्य भाषा फारसी में शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। नमाजी के भाई बाबाक ने हवाई अड्डे पर कहा, आखिरकार दु:स्वप्न खत्म हो गया। उन्होंने अपने भाई और पूर्व में ईरान की हिरासत से रिहा किए गए अपने पिता बकर को गले लगाते हुए कहा, आठ साल से अधिक समय से हमें यह क्षण नहीं मिला है। यह अविश्वसनीय है। पूर्व कैदियों ने बाद में अपने परिवारों के साथ एक समूह तस्वीर खिंचवाई, और चिल्लाते हुए कहा: आजादीउ अमेरिकी कैदियों की रिहाई संभव बनाने के लिए उनके परिवारों ने बाइडन के प्रति बहुत आभार जताया है, लेकिन राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने के दावेदारों और अन्य विरोधी नेताओं ने इस समझौते के तहत ईरान से हुई मौद्रिक व्यवस्था की आलोचना की है।

स्कूल में अपनापन असफलताओं से निपटने में मददगार

भाषा। न्यू साउथ वेल्स

शैक्षणिक चुनौतियां और कठिनाइयां स्कूली जीवन का अपरिहार्य हिस्सा हैं - छात्र इसी तरह सीखते हैं। इसलिए शोधकर्ता लंबे समय से इस बात में रुचि रखते रहे हैं कि छात्र इन चुनौतियों से कैसे निपटें और उन्हें बेहतर तरीके से निपटने में कैसे मदद करें। हाल के शोध ने शैक्षणिक उत्साह या स्कूल में रोजमर्रा के लचीलेपन की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित किया है। यह छात्रों की रोजमर्रा की असफलताओं और चुनौतियों से निपटने की क्षमता के बारे में है। इसमें मूल्यांकन पर नकारात्मक प्रतिक्रिया या प्रतिस्पर्धी अध्ययन की समय सीमा और स्कूलवर्क की कठिनाइयों का सामना करना शामिल हो सकता है।शोध में पाया गया है कि चुनौतियों के अनुसार खुद को ढाल लेने वाले छात्रों के शैक्षणिक परिणाम अधिक सकारात्मक होते हैं। इनमें अपने काम के साथ अधिक प्रयास करना, बेहतर अध्ययन कौशल रखना और ऐसा न कर पाने वाले छात्रों की तुलना में स्कूल का अधिक आनंद लेना शामिल है। शोध से यह भी पता चला है कि लचीलापन आत्मविश्वास जैसे व्यक्तिगत गुणों पर आधारित होता है। लेकिन हमें इस बारे में अधिक समझने की आवश्यकता है कि छात्रों के लचीलेपन में स्कूल से संबंधित कौन से कारक शामिल हैं और स्कूल अपने छात्रों के लचीलेपन को बनाने के लिए क्या कर सकते हैं।हमारे अध्ययन ने न्यू साउथ वेल्स के आसपास के स्कूलों में हाई स्कूल के छात्रों का सर्वेक्षण किया ताकि यह देखा जा सके कि कौन से अन्य कारक छात्रों के लचीलेपन को प्रभावित करते हैं। हमारा शोध-यह अध्ययन 292 एनएसडब्ल्यू सरकारी स्कूलों में 71,861 हाई स्कूल के छात्रों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित था, जिन्होंने राज्य के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक टेल देम फ्रॉम मी छात्र सर्वेक्षण पूरा किया था।छात्रों की प्रतिक्रियाएँ एक वर्ष के अंतराल पर दो बिंदुओं पर एकत्र की गईं: एक बार 2018 स्कूल वर्ष की शुरुआत में जब छात्र 7 से 11 वर्ष में थे और फिर एक साल बाद 2019 में जब वे 8 से 12 वर्ष में थे। स्कूल महानगरीय, ग्रामीण और क्षेत्रीय इलाकों में थे।हमारा एक मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या उनके स्कूल में विभिन्न प्रकार के समर्थन के बारे में छात्रों की धारणा एक वर्ष बाद उनके लचीलेपन को प्रभावित करेगी।

छात्रों ने जानी डिजिटल साक्षरता

रांची। छात्रों को उपयोगी जानकारी प्रदान करने वाले सत्रों में ऑनलाइन सुरक्षा, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग, साइबर ग्रूमिंग, ऑनलाइन खतरे जैसे कई आवश्यक विषयों की जानकारी दी गई । लखनऊ, दिल्ली, पटना, बेंगलुरु, रांची, दरभंगा और नवादा सहित देश के सात प्रमुख शहरों में 900 से अधिक छात्रों को एक ख़ास वर्कशॉप के आयोजन से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया नामक एनजीओ द्वारा विभिन्न नागरिक समाज संगठनों तथा सरकारी संस्थानों के सहयोग से वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों के क्षमता विकास पर भी चर्चा हुई । पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया में टेक्नोलॉजी एंड कम्युनिकेशन के प्रमुख, तेजविंदर सिंह आनंद कहते हैं, ये वर्कशॉप दर्शाती हैं की ऑनलाइन माध्यमों से होने वाली बातचीत में सहमति का कितना महत्व है। ये समझती है की निजी जानकारी की सुरक्षा क्यों आवश्यक है और धोखेबाजों और दूसरों को अपना शिकार बनाने वालों के साथ जुड़ने के क्या संभावित नतीजे हो सकते हैं । वर्कशॉप की ये पहल की गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित एक चैटबॉट, स्नेह एआई की मदद से जो फेसबुक मैसेंजर और व्हाट्सएप पर उपलब्ध है । पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा युवाओं को एक सुरक्षित, निजी और निष्पक्ष परामर्श की सुविधा हिंगलिश में उपलब्ध कराने के लिए यह चैटबॉट बनाया गया है। यहाँ ऑनलाइन सुरक्षा के साथ-साथ यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य और खुशहाली के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है । छात्रों के साथ-साथ शिक्षक भी इस चैटबॉट के माध्यम से सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, निजी डेटा की सुरक्षा की अहमियत तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं दूसरों को अपना शिकार बनाने वाले लोगों से बचने के तरीकों के बारे में सीख सकते हैं।

कोरोना से संक्रमित भारतीय मूल के नागरिक को मास्क ठीक से न पहनने के जुर्म में जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में कोरोना वायरस से संक्रमित भारतीय मूल के 64 वर्षीय व्यक्ति को 2021 में अपने घर से बाहर निकलने के दौरान मास्क ठीक से नहीं पहनने के अपराध में सोमवार को दो हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, तमिलसेल्वम रामैया जानता था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित है, बावजूद इसके उसने मास्क से नाक-मुंह को सही तरीके से नहीं ढंका और जानबूझकर मास्क हटाकर अपने सहकर्मियों की तरफ चेहरा करके खांसा। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, सजा सुनाए जाने के दौरान दो अन्य आरोपों पर विचार किया गया। अदालत को सूचित किया गया कि घटना के वक्त तमिलसेल्वम लियोंग हुप सिंगापुर कंपनी में सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत था। खबरों के मुताबिक, 18 अक्टूबर 2021 की सुबह 6 सेनोको वे में काम पर पहुंचने के बाद तमिलसेल्वम ने सहायक रसद प्रबंधक से कहा कि वह अच्छा महसूस नहीं कर रहा है।

DEBT RECOVERY TRIBUNAL, DELHI
4th FLOOR, JEEVAN TARA BUILDING, PARLIAMENT STREET, NEW DELHI-110001

SALE NOTICE

The under mentioned Assets will be sold through auction on **"AS IS WHERE IS BASIS"** and **"AS IS WHAT IS BASIS"** for recovery of dues as per court orders, in the following cases:-

CASE DETAILS	Asset Details	Reserve Price	EMD AMOUNT
ICICI BANK LTD VS BANSIWALA ROAD LINES, TA/2504/2022	Vehicle No. RJ52GA4260 Make & Model- MAHINDRA & MAHINDRA LTD BLAZO- 49, Manu Year-2018	Rs. 5,20,000/-	Rs. 52,000/-
	Vehicle No. RJ52GA4261 Make & Model- MAHINDRA & MAHINDRA LTD BLAZO- 49, Manu Year-2018	Rs. 5,20,000/-	Rs. 52,000/-
	Vehicle No. RJ52GA4262 Make & Model- MAHINDRA & MAHINDRA LTD BLAZO- 49, Manu Year-2018	Rs. 5,20,000/-	Rs. 52,000/-
	Vehicle No. RJ52GA4263 Make & Model- MAHINDRA & MAHINDRA LTD BLAZO- 49, Manu Year-2018	Rs. 5,20,000/-	Rs. 52,000/-

Auction Date: September 27, 2023 From 11:00 am to 02:00 pm.
Auction Type: Online Auction
Auction Portal Name & URL Link: Bid Karohttps://bidkaro.net
Contact Person- Swapnil Upadhyay (8126013708)/ Rajeev Ranjan (8584874809)

Note: DD/PO of EMD amount is to be made in favour of ICICI BANK LIMITED payable at Delhi and Bidder has to deposit original EMD with KYC before 5 pm on dated September 26, 2023

Terms of Sale

The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids.
Successfully bidder shall have to deposit sale amount within 5 days from the auction date by the way of pay order/demand draft/RTGS/NEFT. In case if you fail to make the remaining sale amount within 5 days, your EMD amount will be forfeited.
The intending bidders may visit at ICICI Bank Ltd, SHAL TOWERS, Plot No 23, New Rohtak Road, Karol Bagh Delhi- 110005 for details and inspection of the said hypothecated vehicles.

नारी शक्ति को जितनी सुविधाएं दी जाएंगी, उतना ही सामर्थ्य दिखाएंगी : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आज की नारी शक्ति के मन में किंतु-परंतु का युग खत्म हो चुका है और उन्हें जितनी सुविधाएं दी जाएंगी, वे उतना ही सामर्थ्य दिखाएंगी। नए संसद भवन में राज्यसभा की कार्यवाही आरंभ होने के बाद अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कही। उन्होंने लोकसभा में महिला आरक्षण संबंधी विधेयक पेश किए जाने का उल्लेख करते हुए सदन के सदस्यों से इसे सर्वसम्मति से पारित किए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भरोसा जताया कि देश जब आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएगा तो वह विकसित भारत होगा। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि पुराने संसद भवन में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना और नए संसद भवन में वह दुनिया की तीन शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। मोदी ने कहा, नया संसद भवन सिर्फ एक नई इमारत नहीं है बल्कि एक नई शुरुआत का प्रतीक भी है। अमृत काल की शुरुआत में ही इस भवन का निर्माण होना और हम सब का प्रवेश होना अपने आप में हमारे देश के 140 करोड़ नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं में एक नई ऊर्जा भरने वाला बनेगा। नई आशा और विश्वास पैदा करने वाला बनेगा। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि नए संसद भवन में एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक फैसला लिया गया है और महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का प्रयास जीवन जीने की सुगमता और जीवन जीने की गुणवत्ता में सुधार का रहा है और जब यह बात की जाती है तो उसकी पहली हकदार महिलाएं होती हैं।मोदी ने कहा, नारी शक्ति के मन में आज किंतु-परंतु का युग खत्म हो चुका है। हम उन्हें जितनी सुविधा देंगे, हमारी बहनें और बेटियां उतना ही अपना सामर्थ्य दिखाएंगी। उन्होंने कहा, इसके लिए नारी शक्ति वंदन विधेयक संविधान संशोधन के रूप में सरकार लोकसभा में लेकर आई है। कल लोकसभा में इस पर चर्चा होगी और उसके बाद यह राज्यसभा में आएगा। मैं आज राज्यसभा के सभी साथियों से आग्रह करने आया हूं कि जब भी यह विधेयक हमारे सामने आए, तो आप सब सर्वसम्मति से उस पर निर्णय करें। नारी सशक्तीकरण की दिशा में केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत महिला सशक्तीकरण से महिला नीत विकास की ओर बढ़ा है और अब जी20 के माध्यम से दुनिया भर में पहुंचा है।

संख्या बल नहीं होने के बावजूद सरकार राज्यसभा की उदार सोच के कारण कडे निर्णय कर पाई

नई दिल्ली। भारत के संसदीय लोकतंत्र में राज्यसभा के योगदान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उच्च सदन के सदस्यों की उदार सोच के कारण ही यह संभव हो पाया कि संख्या बल नहीं होने के बावजूद उनकी सरकार पिछले नौ वर्ष में कुछ कड़े निर्णय कर पाई। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात नए संसद भवन में राज्यसभा की पहली बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज का दिवस यादगार भी है और ऐतिहासिक भी। उन्होंने भारत के संसदीय लोकतंत्र में राज्यसभा के योगदान की चर्चा करते हुए हुए कहा कि संविधान निर्माताओं का यह आशय रहा है कि राज्यसभा राजनीति की आपाधापी से ऊपर उठ कर गंभीर बौद्धिक विचार-विमर्श का केंद्र बने और देश को दिशा देने का सामर्थ्य यहीं से निकले। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में संघवाद की सुगंध भी है। उन्होंने कहा कि नया संसद भवन केवल एक नई बिल्डिंग नहीं है बल्कि एक नई शुरुआत का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा, हमें तय समय सीमा में लक्ष्यों को पूरा करना है क्योंकि देश ज्यादा प्रतीक्षा नहीं कर सकता। उनहोंने कहा, हम अपने आचरण, अपने व्यवहार से संसदीय शुचिता के प्रतीक के रूप में देश की विधानसभाओं को, देश की स्थानीय स्वराज संस्थाओं को, बाकी सारी व्यवस्थाओं को प्रेरणा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा के सदस्यों की उदार सोच का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके कारण सरकार पिछले नौ साल में संख्या बल नहीं होने के बावजूद कुछ कड़े निर्णय कर पाई।उन्होंने कहा, जब हम आजादी की शताब्दी मनाएंगे तो वह विकसित भारत की स्वर्ण शताब्दी होगी। पुराने संसद भवन में हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में पहुंचे थे और नए संसद भवन में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे।

त्वित्क न्यूज

कनाडा सरकार के कदम से द्विपक्षीय संबंध प्रभावित होंगे: रॉ के पूर्व प्रमुख

नई दिल्ली। भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख ए.एस. दुलत ने मंगलवार को कहा कि कनाडा द्वारा एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित किए जाने का द्विपक्षीय संबंधो पर असर पड़ेगा। कनाडा ने एक खालिस्तानी चरमपंथी की हत्या मे भारत सरकार का हाथ होने के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपो की जांच के बीच शीर्ष भारतीय राजनयिक को देश से निष्कासित कर दिया है। ट्रूडो ने संसद मे कहा कि कनाडा की खुफिया एजेंसियां खालिस्तान समर्थक सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मे भारत सरकार का हाथ होने के आरोपो की जांच कर रही है। निज्जर को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे मे एक सिख सांस्कृतिक केंद्र के बाहर 18 जून को गोली मार दी गई थी। कनाडा के कदम के कुछ ही घंटे बाद भारत ने एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करने की मंगलवार को घोषणा की। दुलत ने पीटीआई-वीडियो सेवा से कहा, इस तरह का निष्कासन या किसी राजनयिक को अवांछित व्यक्ति करार देने की घटना होती रहती है। यह अजीब है कि कनाडाई प्रधानमंत्री ने संसद मे इसकी घोषणा की। खुफिया ब्यूरो मे लंबा अनुभव रखने वाले दुलत ने कहा, हम ऐसी चीजे नही करते है। मै स्पष्ट कर दूं कि हम लोगो की हत्या नही करते है। दुलत ने कनाडा के प्रधानमंत्री द्वारा संसद मे दिए गए इस बयान पर चिंता व्यक्त की कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत सरकार के एजेंट की भूमिका के बीच संभावित संबंध के पुख्ता आरोपो की पूरी सक्रियता से जांच कर रही है। उन्होने कहा कि भारत भी राजनयिको को निष्कासित करता है लेकिन हमने संसद मे कभी इसकी घोषणा नही की है। दुलत ने कहा, आम तौर पर, संबंधित व्यक्ति को शांतिपूर्वक स्वदेश वापस भेज दिया जाता है।

आईपीएस अधिकारी कुलदीप द्विवेदी को सीबीआई का डीआईजी नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी कुलदीप द्विवेदी को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मे उप महानिरीक्षक (डीआईजी) नियुक्त किया गया। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश मे यह जानकारी दी गई। वह वर्तमान मे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के उप महानिदेशक के पद पर तैनात है। आदेश के मुताबिक, कार्मिक मंत्रालय ने 17 जनवरी 2026 तक आईटीबीपी के डीआईजी पद पर तैनात द्विवेदी को मौजूदा पद से हटाकर सीबीआई के उप महानिरीक्षक पद पर स्थानांतरित करने की मंजूरी दे दी है।

उपभोक्ता अदालतों में लंबित मामलों को निपटाने के लिए एआई के इस्तेमाल पर काम कर रही है सरकार

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलो के मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि वह देश मे विभिन्न उपभोक्ता अदालतो मे लंबित मामलो को कम करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग पर काम कर रही है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने अगस्त मे 854 मामलो का सफलतापूर्वक समाधान किया है, जो चालू साल मे सबसे ऊंची निपटान दर है। बयान मे कहा गया है कि यह एनसीडीआरसी द्वारा उठाए गए सक्रिय कदमो, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओ और ई-दाखिल जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी के कारण संभव हुआ, जिससे मामलो को पहले से कहीं अधिक तेजी से निपटारा करने मे मदद मिली। मंत्रालय ने कहा, मामलो के निपटान की इसी गति को बनाए रखने के लिए विभाग ने उपभोक्ता आयोगो मे ई-दाखिल के माध्यम से मामले दायर करना अनिवार्य कर दिया है और जल्द ही ई-दाखिल पर वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंस) की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इसमे कहा गया है कि जैसे-जैसे कृत्रिम मेधा का दायरा तेजी से बढ़ रहा है, मंत्रालय राष्ट्रीय, राज्य और जिला उपभोक्ता आयोगो मे लंबित मामलो को कम करने के लिए एआई सुविधाओ का उपयोग करने पर भी काम कर रहा है। बयान मे कहा गया है कि उपभोक्ता आयोगो मे दायर मामले का एआई के माध्यम से विश्लेषण किया जाएगा और इसका सारांश तैयार किया जाएगा। मामले के निपटान के लिए एआई के माध्यम से कई और कदम भी उठाए जाएंगे। मंत्रालय के मुताबिक, एनसीडीआरसी ने वर्ष 2023 मे आयोग मे उपभोक्ता मामलो के निपटान मे काफी सुधार किया है।

कुर्मी आंदोलन के कारण झारखंड, ओडिशा में 11 ट्रेन रद्द, आठ के मार्ग में परिवर्तन

रांची, भुवनेश्वर। कुर्मी संगठनो द्वारा देश के तीन पूर्वी राज्यो मे बुधवार से अनिश्चितकाल के लिए रेल नाकाबंदी का आह्वान किए जाने के मद्देनजर झारखंड और ओडिशा मे क्रमशः दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) और पूर्वी तट रेलवे (ईसीओआर) के अंतर्गत कम से कम 11 ट्रेन को रद्द कर दिया गया और 12 अन्य का मार्ग बदल दिया गया। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। कई कुर्मी संगठनो ने समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने और कुरमाली भाषा को संविधान की आठवी अनुसूची मे शामिल करने की मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए 20 सितंबर से झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के नौ रेलवे स्टेशन पर रेल नाकाबंदी का आह्वान किया है। एसईआर ने नौ एक्सप्रेस ट्रेन को रद्द किया और रांची रेल मंडल मे आठ अन्य का मार्ग परिवर्तित किया। अधिकारी ने बताया कि जो ट्रेन मंगलवार को अपने संबंधित स्टेशन से प्रस्थान करने वाली थी और अगले दिन रांची रेल मंडल मे प्रवेश करने वाली थी, उन्हे एहतियातन या तो रद्द कर दिया गया है या फिर उनका मार्ग बदल दिया गया है। दूसरी ओर ईसीओआर ने दो ट्रेन को रद्द किया है और चार अन्य का मार्ग परिवर्तित किया है। झारखंड के अग्रणी कुर्मी संगठन टोटेमिक कुर्मी विकास मोर्चा (टीकेवीएम) के अध्यक्ष शीतल ओहदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के आदिवासी कुर्मी समाज और ओडिशा की कुर्मी सेना सहित कई संगठन आंदोलन मे शामिल होगे। उन्होने रांची मे संवाददाताओ से कहा, 20 सितंबर से झारखंड मे मुरी, गोमो, नीमडीह और घाघरा स्टेशन, पश्चिम बंगाल मे खेमासुली व कुस्तौर स्टेशन तथा ओडिशा मे हरिचंदनपुर, जराइकेला एवं धनपुर स्टेशन पर अनिश्चितकाल के लिए रेल नाकेबंदी की जाएगी। ओहदार ने कहा, पारंपरिक पोशाक पहने कुर्मी समुदाय के हजारो लोग ढोल और अन्य वाद्ययंत्र बजाते हुए और छऊ, पाटा, नटुवा व झूमर नृत्य करते हुए आंदोलन मे हिस्सा लेगे।

कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने वोट बैंक की राजनीति के कारण लगाए आरोप : अमरिन्दर सिंह

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमरिन्दर सिंह ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मे भारत की संलिप्तता के कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपो को मंगलवार को सिरे से खारिज कर दिया। ट्रूडो ने भारत सरकार के एजेंटो और कनाडा मे जून मे हुई निज्जर की हत्या की घटना के बीच संभावित संबंध होने का दावा किया है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह ने कहा कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कनाडा के सरे मे गुरुनानकसिख गुरुद्वारा के प्रबंधन को लेकर दो गुटो के बीच झगड़े का परिणाम थी। प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख और भारत के सर्वाधिक वांछित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर (45) की पश्चिमी कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे मे 18 जून को एक गुरुद्वारे के बाहर दो अज्ञात हमलावरो ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस पर 10 लाख रुपए का इनाम था। अमरिन्दर सिंह ने कहा कि ट्रूडो दुर्भाग्य से वोट बैंक की राजनीति के कारण जाल मे फंस गए है और उन्होने भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंधो को दांव पर लगा दिया है। भाजपा नेता ने एक बयान जारी कर कहा, किसी देश के प्रधानमंत्री के लिए बिना किसी सबूत के केवल इसलिए बयान देना बेहद गैर-जिम्मेदाराना है, क्योंकि वह वोट बैंक की राजनीति कर रहे है।

संसद की नई इमारत को भारत का संसद भवन नाम दिया गया

भाषा। नई दिल्ली

संसद की नई इमारत को भारत का संसद भवन नाम दिया गया है। लोकसभा सचिवालय की अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। सोमवार को जारी अधिसूचना में कहा गया, लोकसभा अध्यक्ष को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि नई दिल्ली स्थित भूखंड संख्या 118 में संसद भवन की परिसीमा में एवं मौजूदा संसद भवन के पूर्व में स्थित संसद की नई इमारत, जिसके दक्षिण में रायसीना रोड और उत्तर में रेड क्रॉस रोड है, उसे भारत का संसद भवन नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी दलों के सांसदों ने सोमवार को पुराने संसद भवन को विदाई दी। मंगलवार से संसद की कार्यवाही नई इमारत में स्थानांतरित होगी।

पुराने संसद भवन से विदा लेने से पहले सांसदों ने खिंचवाई सामूहिक तस्वीर

नई दिल्ली। रंग-बिरंगे परिधान पहने राज्यसभा और लोकसभा के सदस्यों ने संसदीय कार्यवाही के नए संसद भवन मे स्थानांतरित होने से कुछ घंटे पहले पुराने संसद भवन मे मंगलवार को सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। इस दौरान उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ पुराने संसद भवन के भीतरी प्रांगण मे पहली पंक्ति मे बैठे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा मे विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा मे कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी (सपा) के लोकसभा सदस्य 93 वर्षीय शफीक-उर-रहमान बर्क, अनुभवी नेता शरद पवार (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी), फारूक अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा भी पहली पंक्ति मे बैठे नेताओ मे शामिल थे। महिला सदस्य रंग-बिरंगी साड़ियां पहनकर पुराने संसद भवन पहुंची, जबकि अधिकतर पुरुष सांसद कुर्ता-पायजामा और अलग-अलग रंगो के वेस्ट-कोट पहने नजर आए। सुबह शुरुआती सत्र मे भाजपा नेता एवं राज्यसभा सदस्य नरहरि अमीन के बेहोश हो जाने से चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई थी। शाह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कुछ अन्य नेता अमीन की तरफ दौड़े। अधिकारियो को 68 वर्षीय अमीन को पानी पिलाते देखा गया। बाद मे अमीन भी सामूहिक तस्वीर खिंचवाने पहुंचे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मनीष तिवारी के साथ दूसरी पंक्ति मे खड़े देखा गया।

छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति के खिलाफ रची जा रही साजिश : हिमंत

भाषा। रायपुर

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही है।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन यात्रा के दौरान राज्य के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही है। जब से भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने हैं, राज्य में रोहिंग्या की आमद एक बड़ा मुद्दा बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने (सत्ता में रहने के दौरान) बांग्लादेशियों को अवैध रूप से असम में प्रवेश करने की अनुमति दी। उन्होंने दावा किया, लाखों बांग्लादेशी असम में रह रहे हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी गुट देश में हिंदू विरोधी माहौल बनाने की साजिश रच रहा है। उन्होंने कहा, भूपेश बघेल कहते हैं कि वह गौमाता की पूजा करते हैं। हम चाहते हैं कि आप कहें कि आप हिंदू हैं और हिंदू के प्रति समर्पित हैं। बच्चों को पढ़ाई के लिए मदरसों में भेजने का विरोध करते हुए शर्मा ने कहा, उन्होंने असम में मदरसे बंद किए हैं... अब हमारी मुस्लिम बेटी हमारे स्कूलों में जाती है। इस बार असम में बड़ी संख्या में मुस्लिम बेटियों ने मेडिकल परीक्षा पास की है। हम हिंदू-मुसलमान नहीं देखते बल्कि हम अपनी बेटियों का विकास और शिक्षा देखते हैं। भ्रष्टाचार को लेकर राज्य में सत्ताधारी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि भूपेश बघेल ने असम और हिमाचल प्रदेश चुनावों (में कांग्रेस के लिए) जो पैसा निवेश किया था, उसका इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में आदिवासियों को सशक्त बनाने के लिए क्यों नहीं किया।

पुराने संसद भवन को अब संविधान सदन के नाम से जाना जाएगा : ओम बिरला

भाषा। नई दिल्ली

समय आ गया है, जब व्यवधान को हथियार बनाने की रणनीति खत्म की जाए : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि नए संसद भवन मे कार्यवाही शुरू होने के साथ ही, अब उचित समय आ गया है जब संसदीय कामकाज मे व्यवधान को हथियारे बनाने की रणनीति समाप्त की जाए क्योकि ए लोकतांत्रिक मूल्यो के विपरीत है।भारतीय संसद की समृद्ध विरासत के उपलक्ष्य मे पुराने संसद भवन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष मे आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि इसी कक्ष मे, संविधान सभा के सदस्यो ने संविधान का मसौदा तैयार करने के चुनौतीपूर्ण कार्य की यात्रा शुरू की थी। उन्होने कहा, अतीत के उदाहरणो का हवाला देकर लोकतंत्र के मंदिरो मे नियमो की अपमानजनक अवहेलना एवं अनुचित व्यवहार को उचित ठहराने पर सदा के लिए रोक लगाने का समय आ गया है। धनखड़ ने कहा, हम नए संसद भवन की ओर बढ़ रहे है, हमे सहयोग और सहमतिपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए। टकराव भरे रुख को अलविदा कहने और राष्ट्रीय हितो को सर्वोपरि रखने का संकल्प लेने का समय आ गया है। धनखड़ ने जोर दिया कि संसदीय कामकाज मे व्यवधान को हथियार बनाने की रणनीति को समाप्त करने का यह सही समय है क्योकि ए लोकतांत्रिक मूल्यो के विपरीत है। इसे हमारे लोगो से सहमति कभी नही मिल सकती।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि पुराने संसद भवन को अब संविधान सदन के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि संसद का कामकाज यहां नए भवन में स्थानांतरित हो गया है। अध्यक्ष ने यह भी घोषणा की कि अब लोकसभा की कार्यवाही में उपयोग किए जाने वाले सदन , लॉबी और गैलरी जैसे शब्द नई इमारत को संदर्भित करेंगे। उन्होंने कहा, जिस भवन (पुराना भवन) में हम सुबह एकत्र हुए थे, उसे अब संविधान सदन के नाम से जाना जाएगा। इससे पहले पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में एक समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुझाव दिया था कि पुराने संसद भवन का नाम संविधान सदन रखा जाना चाहिए। हालांकि राज्यसभा में आज सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, मैं माननीय सदस्यों को इंगित करना चाहता हूं कि सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तथा लोकसभा अध्यक्ष के साथ हुए मेरे विचार विमर्श के बाद, केंद्रीय कक्ष, अब से संविधान सदन के नाम से जाना जाएगा।

भारतीय विवि में अनुसंधान एवं विकास संस्कृति पिछड़ रही है: नायर

बेंगलुरू। अनुभवी अंतरिक्ष वैज्ञानिक जी. माधवन नायर ने कहा है कि भारत के विश्वविद्यालय अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) संस्कृति में पिछड़ रहे हैं। साथ ही उन्होंने उद्योगों से वित्त पोषण करने का आग्रह किया है।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ने इसरो वैज्ञानिकों के लिए बेहतर वेतन की वकालत करते हुए कहा कि इसे किसी अन्य सरकारी विभाग की तरह नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को इसरो के कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए बड़े पैमाने पर आगे आना होगा। नायर ने सोमवार को पीटीआई-भाषा से कहा, हमारे संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास संस्कृति काफी पिछड़ रही है। विश्वविद्यालय इसके लिए अच्छी सुविधाओं और संसाधनों की कमी को जिम्मेदार मानते हैं।उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में विश्वविद्यालयों में अनुसंधान एवं विकास के लिए धन निजी उद्योगों से आता है।

घरों में भगवान गणेश को स्थापित करते श्रद्धालु

मोहन भागवत ने पुणे स्थित दगडूशेठ पंडाल में गणपति पूजा की

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने 10 दिवसीय उत्सव के पहले दिन गणेश चतुर्थी के अवसर पर महाराष्ट्र के प्रसिद्ध दगडूशेठ गणपति पंडाल में विशेष पूजा की। इस साल पंडाल की सजावट की थीम अयोध्या के निर्माणाधीन राम मंदिर की प्रतिकृति है। भागवत ने दगडूशेठ मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की। इस मंदिर में ही पंडाल लगाया गया है। इससे पहले दिन में, सभी पांच मनाचे (पूज्य) गणपति - कसबा, तांबडी जोगेश्वरी, गुरुजी तालीम, तुलसीबाग और केसरी वाडा- की शोभायात्रा शहर में धूमधाम से निकाली गई।

महिला आरक्षण को मूर्त रूप देने में जनगणना, परिसीमन और राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी महत्वपूर्ण

भाषा। नई दिल्ली

महिला आरक्षण बिल पेश होने पर खुशी मनाती महिलाएं

लोकसभा में मंगलवार को पेश किए गए महिला आरक्षण विधेयक को मूर्त रूप लेने से पहले कई अवरोध पार करने होंगे जिनमें सभी राजनीतिक दलों का समर्थन पाने के साथ जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया जल्द पूरी करना शामिल हैं। महिला आरक्षण से संबंधित संविधान (128वां संशोधन) विधेयक के प्रावधानों में स्पष्ट है कि इसके कानून बनने के बाद होने वाली जनगणना के आंकड़ों को पूरा करने के बाद परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने या निर्वाचन क्षेत्रों का पुन: सीमांकन होने के बाद ही यह प्रभाव में आएगा। संविधान विशेषज्ञों का कहना है कि संसद के दोनों सदनों द्वारा विधेयक को पारित किए जाने के बाद इसे कानून का रूप देने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं की मंजूरी जरूरी होगी। राज्य विधानसभाओं की मंजूरी आवश्यक है क्योंकि इससे राज्यों के अधिकार प्रभावित होते हैं। संविधान में अनुच्छेद 334 के बाद जोड़ने के लिए प्रस्तावित नए अनुच्छेद 334 ए के अनुसार, संविधान (128वां संशोधन), विधेयक 2023 के प्रारंभ होने के बाद की गई पहली जनगणना के संगत आंकड़े प्रकाशित होने के बाद इस उद्देश्य के लिए परिसीमन की कवायद शुरू होने के पश्चात विधेयक प्रभाव में आएगा। संविधान के अनुच्छेद 82 (2002 में यथासंशोधित) के अनुसार 2026 के बाद की गई पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया की जा सकती है। इस लिहाज से 2026 के बाद पहली जनगणना 2031 में होगी जिसके बाद परिसीमन किया जाएगा। सरकार ने 2021 में जनगणना की प्रक्रिया पर कोविड-19 महामारी के मद्देनजर रोक लगा दी थी। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण को वास्तविक रूप देने के लिए सरकार को इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराना होगा। साल 2011 में जनगणना फरवरी-मार्च में की गई थी और अनंतिम आंकड़े उस साल 31 मार्च को जारी किए गए थे। विशेषज्ञों ने यह बात भी कही है कि महिलाएं प्रतिनिधि तो चुनी जा सकती हैं लेकिन वास्तविक अधिकार उनके पतियों के पास रह सकते हैं जैसा कि पंचायत स्तर पर देखा गया। जानीमानी वकील शिल्पी जैन ने कहा कि अगर आरक्षण के माध्यम से निर्वाचित महिला जन प्रतिनिधि उन्हीं परिवारों से हुईं जिनके पुरुष सदस्य राजनीति में हैं तो महिलाओं के उत्थान का विधेयक का उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

देरी नहीं चाहता, लेकिन जल्दबाजी भी नहीं करूंगा

अयोग्यता याचिकाओं पर महाराष्ट्र विस अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा है कि वह शिवसेना विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में देरी नहीं करेंगे। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस संबंध में कोई जल्दबाजी भी नहीं दिखाएंगे, क्योंकि ऐसा करने से घोर अन्याय हो सकता है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके वफादार शिवसेना विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला लेने के लिए उच्चतम न्यायालय से एक सप्ताह के भीतर समयसीमा बताने का निर्देश मिलने के बाद नार्वेकर ने सोमवार शाम पत्रकारों से बातचीत में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, मुझे इसकी (उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों के बारे में) जानकारी नहीं है। मुझे इस मामले में देरी करने में कोई दिलचस्पी नहीं है और न ही मैं जल्दबाजी करने जा रहा हूं, क्योंकि इसका नतीजा घोर अन्याय के रूप में सामने आ सकता है। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की थी कि उचित समय के भीतर याचिकाओं पर निर्णय लेने के निर्देश के बावजूद स्पष्ट रूप से अब तक कुछ भी नहीं किया गया है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 20 सितंबर, 2023

फुटबॉल में हार गया भारत, वॉलीबाल में विजयी आगाज

एशियाई खेल : चीन ने भारत को 5-1 से दी मात

भाषा। हांगझोउ

भारतीय फुटबॉल टीम को मंगलवार को यहां एशियाई खेलों के अपने पहले ग्रुप मैच में मेजबान चीन के खिलाफ 1-5 की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। चीन के लिए ताओ कियांगलोंग (72वें और 75वें मिनट) ने दो गोल दागे जबकि गियाओ तियानई (17वें मिनट), डेई वेइजुन (51वें मिनट) और हाओ फेंग (90 प्लस दो मिनट) ने एक-एक गोल किया। थकी हुई और तैयारी के बिना उतरी भारतीय टीम के लिए एकमात्र गोल राहुल केपी (45 प्लस एक मिनट) ने किया जो संभवत: मैच का सर्वश्रेष्ठ गोल रहा। भारत की तीसरी दर्जे की टीम ने हालांकि शुरुआती 45 मिनट में खिताब के दावेदार चीन को कड़ी टक्कर दी। भारतीय गोलकीपर गुरमीत सिंह चहल ने इस दौरान काबिलेतारीफ प्रदर्शन करते हुए विरोधी कप्तान झू चेनजी की पेनल्टी किक को भी रोका। दूसरे दौर में जगह बनाने के लिए भारत को अब अपने बाकी बचे दो मैचों में बांग्लादेश और म्यांमार को हराना होगा। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में म्यांमार ने बांग्लादेश को 4-2 से हराया। भारतीय टीम सोमवार देर शाम खेल गांव पहुंची थी। टीम के पास चार विशेषज्ञ डिफेंडर भी नहीं हैं और रक्षा पंक्ति के बीच समन्वय की कमी भी नजर आई। टीम थकी हुई भी दिखी और उनसे करिश्मे की उम्मीद करना बेमानी था। दोनों टीम के बीच बड़ा अंतर देखने को मिला। उमस और ट्रेनिंग की कमी के कारण अंतिम आधे घंटे में भारतीय टीम काफी थकी हुई लगी और उसके पास चीन के खिलाड़ियों का कोई जवाब नहीं था। संदेश झींगन की गलती से दूसरा गोल होने के बाद चीन को तीन और गोल करने में अधिक परेशानी नहीं हुई। झिंगन ने अपने पेनल्टी बॉक्स में इसके बाद एक और गलती की जिसका फायदा उठाकर चीन ने गोल किया। कप्तान सुनील छेत्री 85 मिनट तक मैदान पर रहे लेकिन साथी खिलाड़ियों की उम्दा मूव बनाने में नाकामी के कारण उन्हें अधिक मौके नहीं मिले। भारत के लिए राहुल केपी का प्रदर्शन सकारात्मक पक्ष रहा। अंडर-17 विश्व कप में खेल चुके राहुल दाएं छोर से अब्दुल रबीह के पास पर मिली गेंद को लेकर आगे बड़े और चीन के डिफेंडर और गोलकीपर को छकाकर गोल करने में सफल रहे। इससे पहले गियाओ ने 17वें मिनट में ही चीन को बढ़त दिला दी थी। मध्यांतर पर स्कोर।-। से बराबर था।दूसरे हाफ में भारतीय खिलाड़ी थके हुए नजर आए। अधिकांश खिलाड़ी अपने इंडियन सुपर लीग क्लब के पहली पसंद के स्थानापन्न खिलाड़ी भी नहीं थे और साफ दिखा कि मैच फिटनेस बड़ा मुद्दा रही।
स्तरीय खिलाड़ियों की कमी के लिए फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) भी जिम्मेदार है जिसने फीफा के नियम दिखाकर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी उतारने के प्रयासों को नाकाम किया।

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने कंबोडिया को 3-0 हराया

हांगझोउ (चीन)। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने मंगलवार को यहां एशियाई खेलो के अपने शुरुआती मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए कंबोडिया को 3-0 से हरा दिया। भारत ने पूल सी के मैच में निचली रैंकिंग वाले कंबोडिया को 25-14, 25-13, 25-19 से आसानी से शिकस्त दी। टीम को अब बुधवार को विश्व रैंकिंग में 27वे स्थान पर काबिज दक्षिण कोरिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। हांगझोउ खेलो मे पुरुष वॉलीबॉल मे कुल 19 टीमें भाग ले रही है। जापान, चीन और दक्षिण कोरिया को प्रतियोगिता की तीन सबसे मजबूत टीमें माना जाता है। वॉलीबॉल को सबसे पहले एशियाई खेलो मे तोक्यो मे 1958 मे शामिल किया गया जिसमें भारत तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय पुरुष टीम ने इस खेल मे अब तक तीन पदक जीते है। टीम 1962 मे दूसरे स्थान पर रही थी जबकि 1986 मे उसने कांस्य पदक जीता था।

भारत की पुरुष हॉकी टीम पदक के लक्ष्य के साथ एशियाई खेलों के लिए रवाना

बेंगलुरु। भारत की पुरुष हॉकी टीम 23 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखने के उद्देश्य के साथ हांगझोउ के लिए रवाना हुई। भारत अपने अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ करेगा। भारत को पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। पूल बी में कोरिया, मलेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल है। प्रत्एक पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। हरमनप्रीत सिंह एक बार फिर से टीम की अगुवाई करेंगे जबकि हार्दिक सिंह उप कप्तान की भूमिका निभाएंगे। हरमनप्रीत ने टीम की रवानगी से पहले कहा, टीम ने एशियाई खेलो के लिए कड़ी मेहनत की है तथा हमने हाल मे चेन्नई मे समाप्त हुई एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी मे भी अच्छा प्रदर्शन किया था। हमारा लक्ष्य प्रदर्शन के इस स्तर को बरकरार रखना है। हमें अपने पूल मे कुछ कड़े प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना होगा लेकिन हमें अपनी तैयारियो पर भरोसा है और हमे उम्मीद है कि हम पोडियम तक पहुंचने मे सफल रहेंगे। टीम में गोलकीपर पीआर श्रीजेश और कृष्ण पाठक शामिल हैं। वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह और संजय रक्षा पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे। मध्य पंक्ति मे नीलकंत शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित और शमशेर सिंह जबकि अग्रिम पंक्ति में अभिषेक, गुरजंत सिंह, मंदीप सिंह, सुखजीत सिंह और ललित कुमार उपाध्याय शामिल है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हैंडबॉल टीम की कमान ज्योति को

लखनऊ। चीन के हांगझोऊ में आगामी 23 सितंबर 2023 से 8 अक्टूबर 2023 तक आयोजित ऋएशियन गेम्स 2022 में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम भी भाग लेगी। इन खेलों के लिए चयनित महिला हैंडबॉल टीम की कप्तान भारतीय रेलवे की ज्योति शुक्ला और उपकप्तान हिमाचल प्रदेश की दीक्षा कुमारी बनाई गयी है। टीम में उत्तर प्रदेश की शिवा सिंह और तेजस्विनी सिंह का भी चयन किया गया है। एशियन गेम्स के 19वें संस्करण में हैंडबॉल के मुकाबले 24 सितंबर से 5 अक्टूबर 2023 तक होंगे। इसके लिए भारतीय टीम मंगलवार को लखनऊ से दिल्ली रवाना होगी। दिल्ली से टीम 20 सितंबर को हांगझोऊ के लिए रवाना होगी। अयोध्या के डा.भीम राव अंबेडकर इंडोर स्टेडियम में आयोजित टीम के शिविर की समाप्ति कें बाद रवानगी से पूर्व भारतीय टीम का विदाई समारोह लखनऊ में एक निजी होटल में किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ की अध्यक्ष व बीबीडी यूनिवर्सिटी की चांसलर श्रीमती अलका दास ने खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष व बीबीडी यूनिवर्सिटी के प्रो.चांसलर विराज सागर दास ने इस अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में भारतीय महिला हैंडबॉल टीम में चयनित खिलाड़ियों को एशियन गेम्स के लिए शुभकामनाएं दी। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा. आनन्देश्वर पाण्डेय के अनुसार शिविर में खेल की तकनीकए इंड्योरेंसए स्टेमिना व गति में सुधार के लिए कड़ा अभ्यास कराया गया है। एशियन गेम्स के लिए चयनित भारतीय महिला हैंडबॉल टीम-नीना शील पश्चिम बंगाल, दीक्षा कुमारी, निधि शर्मा, शालिनी ठाकुर,भावना, मिताली शर्मा, प्रियंका ठाकुर हिमाचल प्रदेश,शिवा सिंह तेजस्विनी सिंह उत्तर प्रदेश,मेनिका, सुषमा, ज्योति शुक्ला, प्रियंका ;भारतीय रेलवे, सोनिका, आशा हरियाणा, पूजा कंवर राजस्थान,कोच : एम कार्तिकेयन, सचिन चौधरी, प्रवीण कुमार सिंह, मनीषा, अतनु मजूमदा

सपना और अरुंधति ने भारोत्तलन में मारी बाजी

लखनऊ। जनपदीय माध्यमिक विद्यालय भारोत्तोलन प्रतियोगिता का आयोजन केडी सिंह बाबू स्टेडियम के भारोत्तोलन हाल में किया गया। इस 2 दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डा. शिव कुमार यादव ने किया। उक्त प्रतियोगिता अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्गो में संपन्न कराई गई। अंडर 17 बालिका वर्ग में 40 किलोग्राम भार वर्ग में सपना कश्यप प्रथम, प्रिया चौरसिया द्वितीय एवं खुशी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 45 किलोग्राम भार वर्ग में अरुंधति राजे प्रथम, वासु ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 49 किलोग्राम भार वर्ग में सुनीत वर्मा प्रथम,मुस्कान मिश्रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 55 किलोग्राम भार वर्ग में साम्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मोटो जीपी रेस के लिए कुछ को अब भी वीजा का इंतजार

ग्रेटर नोएडा। भारत मे होने वाली पहली मोटो जीपी मे हिस्सा लेने वाले कुछ राइडर और टीम अधिकारियो को इस सप्ताहांत होने वाली रेस के लिए अब भी वीजा का इंतजार है जिसमें छह बार के चैंपियन मार्क मारक्वेज भी शामिल है। रेपसोल होंडा टीम से जुड़े सूत्रों ने पीटीआई को पुष्टि की है कि उनके राइडर मारक्वेज और जोआन मीर के भारत आने मे वीजा मुद्दो के कारण विलंब हो रहा है। स्पेन के इन दोनों राइडर को बुधवार को दिल्ली के समीप एक प्रचार कार्यक्रम मे हिस्सा लेना था लेकिन अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, वीजा मुद्दो के कारण राइडर अब तक भारत नही पहुंचे है।

अवनि को एशियाई खेलों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली। एशियाई खेलो मे भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की गोल्फ खिलाड़ी अवनि प्रशांत की नजरें इन खेलो के स्वर्ण पदक पर है। इस 16 साल की खिलाड़ी का मानना है कि उनके पास बड़े खिलाड़ियो को पछाड़ने का कौशल है। अवनि ने इस साल अप्रैल मे भारतीय गोल्फ संघ के एशियाई खेल चयन ट्रायल में शीर्ष पर रहने के बाद भारतीय महिला टीम में जगह बनाई। अवनि ने यहां ट्रिनिटी गोल्फ चैंपियंस लीग के उद्घाटन सत्र के शुभारंभ के मौके पर कहा, मै स्वर्ण पदक जीतना चाहती हूं लेकिन जितना संभव हो सके मै इसे अपने दिमाग से दूर रखना चाहती हूं।

त्वेसा ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर में छह शॉट की बढ़त बनाई

गुरुग्राम। त्वेसा मलिक ने मंगलवार को यहां पहले दौर मे बोगी रहित सात अंडर 65 के स्कोर से महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 13वें चरण में छह शॉट की बढ़त बना ली। त्वेसा ने सात बर्डी लगाई जिसमे से चार उन्होने अंतिम चार होल मे की।पिछले हफ्ते की विजेता नेहा त्रिपाठी और अनन्या दतार 71 के समान स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रही है। जैस्मिन शेखर (72) चौथे स्थान पर चल रही है जबकि अग्रिमा मनराल और अनीषा एक ओवर 73 के स्कोर से संयुक्त रूप से पांचवे स्थान पर है।

दीक्षा को लेडीज यूरोपीय टूर पर अच्छे प्रदर्शन का भरोसा

होल्जहौसर्न (स्विट्जरलैंड)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर लेडीज यूरोपियन टूर के ऑर्डर ऑफ मेरिट मे अब तक के अपने दमदार प्रदर्शन से शीर्ष स्थान पर पहुंचने के लिए शानदार स्थिति मे है। दीक्षा ने इस सत्र मे एलईटी पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और रविवार को वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन से संयुक्त सातवे स्थान पर रही। यह मौजूदा सत्र मे सातवी बार शीर्ष 10 मे जगह बनाने मे सफल रही।

एशियाई खेलों में अनुभवी तीरंदाज अतनु दास पर दारोमदार

रिकर्व तीरंदाजों का लचर प्रदर्शन से निराशा

भाषा। चेन्नई

अनुभवी अतनु दास अब भारत के शीर्ष तीरंदाज नहीं है लेकिन वह पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रही भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीम से आगामी एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने की जिम्मेदारी से पूरी तरह वाकिफ हैं। रिकर्व तीरंदाजी ओलंपिक खेलों का हिस्सा है। पिछले कुछ समय से जहां रिकर्व तीरंदाजी में गिरावट आ रही है वहीं गैर ओलंपिक कंपाउंड तीरंदाजी में भारतीय खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस वर्ग में अब भारत के पास ओजस देवताले और अदिति स्वामी के रूप में दो विश्व चैंपियन है। पेरिस ओलंपिक से लगभग एक साल पहले आयोजित हो रहे एशियाई खेलों में रिकर्व तीरंदाजों पर अधिक दबाव है जिसमें कोई भी भारतीय विश्व रैंकिंग में शीर्ष -10 में नहीं है। भारत ने 2010 के ग्वांगझू एशियाई खेलों के बाद से रिकर्व तीरंदाजी में कोई व्यक्तिगत या टीम पदक नहीं जीता है। अपने तीसरे एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए तैयार दास रिकर्व टीम के सबसे अनुभवी तीरंदाज है। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम में सेना के होनहार तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा के साथ मृणाल चौहान और तुषार शेल्के की नए खिलाड़ियों की जोड़ी है। महिला वर्ग में दो बार की एशियाई खेलों की प्रतिभागी अंकिता भकत को सिमरनजीत कौर, भजन कौर और प्राची सिंह का साथ मिलेगा। दास ने सोनीपत से पीटीआई-भाषा से कहा, मैं टीम में अपनी जिम्मेदारी को लेकर वाकिफ हूं और हर कोई मुझ से मार्गदर्शन ले रहा है। सीनियर खिलाड़ी के तौर पर मैं टीम में अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखने और एक टीम के रूप में कड़ी मेहनत करने और जीतने के लिए मार्गदर्शन करता हूं। जाने-अनजाने में टीम के ज्यादातर खिलाड़ी मेरी तकनीकी, मानसिक और शारीरिक निर्देशों का पालन करते हैं। हम एक टीम के रूप में अच्छी स्थिति में हैं। विश्व रैंकिंग में पूर्व में छठे स्थान पर रहे इस खिलाड़ी ने कहा, मेरी तैयारी अब तक बहुत अच्छी चल रही है। इस एशियाई खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर काम कर रहा हूं। जकार्ता में पिछले एशियाई खेलों में दास क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम भी अंतिम-आठ चरण से आगे नहीं बढ़ सकी थी। हां, बेशक, नतीजों को लेकर बहुत कम उम्मीदें हैं, लेकिन मैं नतीजों की बजाय अपने प्रदर्शन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा हूं, क्योंकि खेल में कुछ भी संभव है। भारतीय तीरंदाज अभी भारतीय खेल प्राधिकरण के सोनीपत केंद्र में राष्ट्रीय शिविर में है। टीम 28 सितंबर को हांगझोउ के लिए रवाना होगी।

हम विश्व चैम्पियन है, एशियाई खेलों में भी जीत के दावेदार: लक्ष्य सेन

नई दिल्ली। युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कहा कि थॉमस कप चैम्पियन भारतीय टीम एशियाई खेलो में स्वर्ण पदक की दावेदार होगी।सेन 2021 मे विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता है। वह पिछले साल मई मे भारत की थॉमस कप जीत में अहम भूमिका निभाने वालो मे से एक थे। उन्होने कहा कि एशियाई खेलो मे भारत स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार होगा। सेन ने कहा, निश्चित रूप से हम जीत के दावेदार है। टीम वास्तव मे दमदार दिख रही है। यह वही टीम है जिसने थॉमस कप जीता था, इसलिए हम विश्व चैंपियन के रूप में जा रहे है। मुझे लगता है कि जो खिलाड़ी हमारे खिलाफ खेल रहे है वे जानते है कि भारत को हराना आसान नही है। हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते है। सेन ने कहा कि एशियाई खेलो मे चैंपियन बनने के लिए पूरी टीम को एकजुटता से प्रयास करने होगे। उन्होंने कहा, मुझे नही लगता कि हमारे अंदर आत्मविश्वास की कमी है। हमारे बीच यह एक दूसरे के प्रति सम्मान है और हम जानते है कि इसे कैसे निभाना है। प्रतियोगिता में सभी टीमें कठिन है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। वहां अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हमें अच्छे सामूहिक प्रयास की जरूरत होगी। पूरी टीम सकारात्मक है और हम अच्छे नतीजे की उम्मीद कर रहे हैं। अल्मोड़ा के इस 22 साल के खिलाड़ी ने 2018 युवा ओलंपिक मे रजत और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों मे स्वर्ण पदक जीता था। वह एशियाई खेलो के 19वे आयोजन मे सिर्फ टीम स्पर्धा का हिस्सा है। एशियाई खेलो में यह मेरा पहला अनुभव होगा। वहां राष्ट्रमंडल खेलो और युवा ओलंपिक जैसा ही माहौल है। मै प्रतियोगिता का इंतजार कर रहा हूं। इस दौरान मुझे भारत और दूसरे देशों के खिलाड़ियों से मिलने और उनके बारे में समझने का भी मौका मिलेगा। विश्व रैंकिंग में 11वे स्थान पर काबिज सेन इस साल मई मे एशियाई खेलो के चयन ट्रायल मे पुरुष एकल मे किदांबी श्रीकांत से हार गए थे।

वीजा मुद्दों की वजह से पांच खिलाड़ी प्रतियोगिता से चूके

फिडे विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप

भाषा। चेन्नई

भारत को फिडे विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप 2023 से पहले बड़े झटका लगा जब वीजा मुद्दों के कारण उसके पांच खिलाड़ी 22 सितंबर से दो अक्टूबर तक मैक्सिको सिटी में होने वाली प्रतियोगिता के लिए नहीं जा सके। पूर्व निर्धारित रवानगी से कुछ दिन पहले तक भी पांच खिलाड़ियों और कुछ कोच को समय पर वीजा नहीं मिलने के कारण उनके प्रतिनिधित्व पर अनिश्चितता के बादल छा गए थे। इस बीच सूत्रों ने पुष्टि की है कि ए पांच खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे क्योंकि टीम मंगलवार सुबह रवाना हो गई। प्रभावित पांच खिलाड़ी व्रशांक चौहान, अरूण कटारिया, भाग्यश्री पाटिल, प्रणीत वुप्पला और फेमिल चेलादुरई हैं। इसके अलावा कोच प्रवीण ठिप्से एम और किरण अग्रवाल भी प्रतियोगिता के लिए टीम के साथ नहीं जा पाएंगे। फिडे सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष भरत सिंह चौहान ने पीटीआई को बताया, भारत सरकार के सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के बाद भी हम वीजा का इंतजाम नहीं कर पाए। यह भारतीय दल के लिए बड़ा झटका है। यह इससे जुड़े खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर नहीं है जो अंतरराष्ट्रीय अनुभव से वंचित रह जाएंगे जबकि वे पदक के दावेदार भी थे।

ससेक्स के कप्तान पुजारा एक काउंटी मैच से निलंबित

होव (इंग्लैंड)। भारत के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को एक काउंटी मैच से निलंबित कर दिया गया है, क्योंकि उनकी टीम ससेक्स पर काउंटी चैंपियनशिप में लीस्टरशर के खिलाफ आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 12 अंकों का जुर्माना लगाया गया।ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार ससेक्स के इस सत्र में चार निश्चित पेनल्टी की सीमा तक पहुंचने के कारण कप्तान के नाते पुजारा स्वत: ही निलंबित हो गए। इस तरह से वह डर्बीशर के खिलाफ इस सप्ताह होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे।ससेक्स ने तीन खिलाड़ियों जैक कार्सन, टॉम हैन्स और एरी कारवेलस को उनके खराब व्यवहार के कारण टीम से बाहर करने का फैसला किया है। ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फारब्रेस ने कहा इन खिलाड़ियों के व्यवहार के कारण टीम की पिछले सप्ताह लीस्टरशर के खिलाफ दर्ज की गई 15 रन की जीत का रंग फीका पड़ गया ।

राइफल निशानेबाज निश्चल की चांदी

रियो विश्व कप में रजत पदक

भाषा। नई दिल्ली

भारत की युवा निशानेबाज निश्चल ने रियो डी जेनेरियो में आईएसएसएफ विश्वकप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में रजत पदक जीता। उन्होंने सोमवार को प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत को उसका दूसरा पदक दिलाया। उनकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनका सीनियर स्तर पर पहला विश्वकप था। निश्चल ने फाइनल में 458.0 अंक बनाए और वह नार्वे की स्टार निशानेबाज जेनेट हेग डुएस्टेड के बाद दूसरे स्थान पर रही। डुएस्टेड एयर राइफल में मौजूदा यूरोपीय चैंपियन है तथा उनके नाम पर पांच स्वर्ण पदक सहित आईएसएसएफ विश्वकप में कुल 12 पदक दर्ज हैं। वह तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। निश्चल ने पूरे दिन भर शानदार प्रदर्शन किया तथा इस बीच महिला 3 पोजीशन के क्वालिफिकेशन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, यह विश्व कप में मेरा पहला फाइनल था और मैं पदक जीतने में सफल रही, इसलिए इस प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। निश्चल ने एलिमिनेशन राउंड में 587 अंक बनाकर क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाई। उनके अलावा पिछला क्वालिफिकेशन राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अंजुम मोदगिल और आयुषी पोदार भी क्वालिफिकेशन राउंड में जगह बनाने में सफल रही। क्वालिफिकेशन में निश्चल ने 542 अंक बनाए, जिनमें प्रोन पोजीशन में बनाए गए परफेक्ट 200 अंक भी शामिल हैं। इस तरह से उन्होंने अंजुम का पिछले साल काहिरा में प्रेसिडेंट कप में बनाए गए 591 अंक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा।

पूरी तरह फिट, वापसी को तैयार हूं : दीपक चाहर

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय टीम के स्विंग गेंदबाज दीपक चाहर चोट से उबर कर पूरी तरह से फिट हैं और राष्ट्रीय टीम में बुलावे का इंतजार कर रहे हैं। दीपक ने मंगलवार को दिल्ली में अपने नए ब्रांड डीनाइन के लॉन्च के मौके पर कहा कि हर क्रिकेटर की तरह उनका सपना भी भारत के लिए विश्व कप जीतना है।भारत के लिए 37 मैच (13 एकदिवसीय और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय) खेल चुके इस खिलाड़ी ने भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं पूरी तरह से फिट हूं और राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए कोशिश कर रहा हूं। मैंने हाल ही आरपीएल (राजस्थान प्रीमियर लीग) टूर्नामेंट खेला है। रविवार तक मैं राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में था। भारतीय टीम एशियाई खेलों के लिए चीन जा रही है, मैं उनके साथ अभ्यास कर रहा था।अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्यादातर समय तक चोट के कारण टीम से बाहर रहने वाले दीपक का मानना खिलाड़ी को निराश होने की जगह ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।भारत के लिए दिसंबर 2022 में अपना पिछला मैच खेलने वाले 31 साल के इस गेंदबाज ने कहा, एक खिलाड़ी के लिए निराश होना अच्छा नहीं होता। जो चीज आपके हाथ में नहीं है उसे आप नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। मेरे हाथ में फिट रहना और टीम के लिए उपलब्ध रहना है। मैं उस मामले में तैयार हूं और जब भी मौका मिलेगा टीम के लिए शत प्रतिशत दूंगा। दीपक चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर हुए और आगामी विश्व कप तथा एशियाई खेलों की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है।चोट के कारण मेरा करियर काफी प्रभावित हुआ है। खिलाड़ियों का चोटिल होना उनकी शरीर के प्रकार पर भी निर्भर करता है। कुछ लोग कम चोटिल होते हैं लेकिन मैं अपनी तरफ से सब कुछ करने के बाद भी ज्यादा चोटिल होता हूं। मैं खान-पान, अभ्यास और प्रशिक्षण पर पूरा ध्यान देता हूं। मेरे मामले में यह भी कह सकते है कि मेरा समय खराब चल रहा था। पिछले साल मेरे पीठ में चोट लगी और तेज गेंदबाज के लिए यह काफी खतरनाक होता है लेकिन अब मैं पूरी तरह से फिट हूं। मैं इस समय अपनी गेंदबाजी से काफी खुश हूं। गेंदबाजी के साथ निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए जाने-जाने वाले दीपक लंबे समय से इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम चेन्नई सुपर किंग्स के सदस्य है। वह धोनी के चहेते खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने कहा, मैं काफी किस्मत वाला हूं कि माही भाई के साथ इतना समय बिताने का मौका मिला। मैं पिछले कई वर्षों से उनके साथ खेल रहा हूं। मैं उनको बड़ा भाई मानता हूं और उन्हें अपना आदर्श खिलाड़ी मानता हूं। वह मुझे छोटा भाई मानते हैं। एक खिलाड़ी और इंसान के तौर पर उनकी काफी इज्जत करता हूं। उनसे काफी कुछ सीखा है। भारत के लिए एकदिवसीय में 13 और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा ने कहा कि वह आम तौर पर अपने पहले टूर्नामेंट में खिताब जीतते हैं और आने वाले समय में अगर किसी विश्व कप में भारतीय टीम के लिए चुने जाते हैं तो उन्हें फिर से किस्मत का साथ मिलने की उम्मीद है।

आईसीसी ने तीन भारतीयों सहित आठ लोगों पर भ्रष्ट गतिविधियों के आरोप लगाए

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2021 एमिरेट्स टी10 लीग के दौरान भ्रष्ट गतिविधियो मे शामिल होने के लिए आठ खिलाड़ियों, अधिकारियो और कुछ भारतीय टीम मालिको पर विभिन्न आरोप लगाए है। दो भारतीय सह मालिक पराग संघवी और कृष्ण कुमार है। ए दोनो टीम पुणे डेविल्स के सह मालिक है और उस सत्र मे इनके एक खिलाड़ी बांग्लादेश के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज नासिर हुसैन पर भी लीग की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के आरोप लगे है। भ्रष्ट गतिविधियो मे शामिल होने वाला तीसरा भारतीय एक अंजान सा बल्लेबाजी कोच सन्नी ढिल्लो है। आरोप 2021 अबु धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचो को भ्रष्ट करने के प्रयासो से संबंधित है - इन प्रयासो को बाधित किया गया था। आईसीसी को इस टूर्नामेंट के लिए ईसीबी ने नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी (डीएसीओ) के रूप मे नियुक्त किया गया था और इस प्रकार ईसीबी की ओर से ए आरोप जारी किए जा रहे है। संघवी पर मैच के नतीजो और अन्य पहलुओं पर सट्टा लगाने तथा जांच एजेंसी के साथ सहयोग नही करने के आरोप लगे है। कृष्ण कुमार पर डीएसीओ से चीजो को छिपाने के आरोप लगे है जबकि ढिल्लो पर मैच फिक्स करने का प्रयास करने के आरोप है। बांग्लादेश के लिए 19 टेस्ट और 65 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले नासिर पर डीएसीओ को 750 डॉलर से अधिक के तोहफे की जानकारी का खुलासा नही करने का आरोप लगा है। जिन अन्य लोगो को निलंबित किया गया है उनमे बल्लेबाजी कोच अजहर जैदी, यूएई के घरेलू खिलाड़ी रिजवान जावेद और सालिया समन और टीम मैनेजर शादाब अहमद शामिल है। तीन भारतीयों सहित छह लोगो को अस्थाई रूप से निलंबित किया गया है और इन सभी के पास आरोपो का जवाब देने के लिए मंगलवार से 19 दिन का समय होगा।

रजनीकांत विश्वकप के विशिष्ट अतिथि होंगे: बीसीसीआई

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को सुपरस्टार रजनीकांत को गोल्डन टिकट प्रदान किया जिससे वह अगले महीने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) विश्व कप मे विशिष्ट अतिथि होंगे। इस दिग्गज अभिनेता को इससे स्टेडियम में बिना किसी बाधा के प्रवेश की अनुमति मिलेगी। बीसीसीआई ने अपने एक्स हैंडल पर दोनो की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कहा कि बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने इस महान अभिनेता को गोल्डन टिकट प्रदान किया है। बीसीसीआई ने कहा, सिनेमा से परे की घटनाउ बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने करिश्माई और सिनेमाई प्रतिभा के धनी रजनीकांत को गोल्डन टिकट प्रदान किया। इस महान अभिनेता ने भाषा और संस्कृति से परे जाकर लाखो लोगो के दिलो पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि थलाइवा (रजनीकांत) आईसीसी विश्व कप 2023 के दौरान हमारे विशिष्ट अतिथि होंगे। वह अपनी मौजूदगी से क्रिकेट के सबसे बड़े आयोजन मे चार चांद लगाएंगे। विश्व कप का आगाज पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में इंग्लैड और न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगा। यह दोनो टीमे विश्व कप के पिछले आयोजन (2019) के फाइनल मे पहुंची थी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।